@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
बुधवार, 24 जून 2026

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 230 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

राम मंदिर चढ़ावा प्रकरण

एसआईटी ने राज्य सरकार को सौंपी रिपोर्ट

एजेंसी

लखनऊ । अयोध्या स्थित श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के चढ़ावे में कथित हेरफेरी और चोरी के मामले की जांच कर रही विशेष जांच टीम (एसआईटी) ने अपनी प्रारंभिक जांच रिपोर्ट उत्तर प्रदेश सरकार को सौंप दी है। यह रिपोर्ट अपर मुख्य सचिव (गृह) एवं मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव संजय प्रसाद को सौंपी गई है। हालांकि, जांच प्रक्रिया अभी जारी है और अंतिम रिपोर्ट बाद में प्रस्तुत की जाएगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर और श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की मांग के बाद इस मामले की जांच के लिए तीन सदस्यीय एसआईटी का गठन किया गया था। लखनऊ मंडल के आयुक्त विजय विश्वास पंत की अध्यक्षता में गठित एसआईटी ने अयोध्या में छह दिनों तक रहकर मामले की गहन जांच की। जांच के दौरान एसआईटी ने मंदिर प्रशासन, सुरक्षा व्यवस्था से जुड़े कर्मियों, ट्रस्ट से संबद्ध लोगों तथा अन्य संबंधित व्यक्तियों सहित पांच दर्जन से

अधिक लोगों से पूछताछ की। टीम ने चढ़ावे की गणना, उसके रखरखाव, सुरक्षा व्यवस्था और कथित अनियमितताओं से जुड़े विभिन्न पहलुओं की जांच की। लखनऊ मंडल के आयुक्त विजय विश्वास पंत ने बताया कि एसआईटी ने अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट शासन को सौंप दी है। उन्होंने कहा कि यह एक गोपनीय जांच है और फिलहाल केवल प्रारंभिक रिपोर्ट प्रस्तुत की गई है। जांच से जुड़े तथ्यों और निष्कर्षों को रिपोर्ट में शामिल कर शासन को अवगत कराया गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जांच की कार्यवाही अभी जारी है और कई बिंदुओं पर पड़ताल की जा रही है। अंतिम रिपोर्ट तैयार होने के बाद उसे शासन को सौंपा जाएगा।

तनाव और सुरक्षा चुनौतियों का सामना कर रही दुनिया में ब्रिक्स की है खास भूमिका : अजीत डोभाल

'यह कोई आम समूह नहीं है, बल्कि 1.4 बिलियन लोगों का घर है'

'समूह ग्लोबल गवर्नेंस स्ट्रक्चर में सुधार और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं को बेहतर बनाने की उम्मीद पर भी बना है।'

एजेंसी

नई दिल्ली । भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने मंगलवार को कहा कि ब्रिक्स केवल देशों के समूह से कहीं ज्यादा है। उन्होंने इसे दुनिया की लगभग आधी आबादी का एक सामूहिक घर बताया, जिसकी वैश्विक चुनौतियों से निपटने में 'खास भूमिका' है। खासतौर से ऐसे समय में जब अंतरराष्ट्रीय सिस्टम बढ़ती अस्थिरता, भू-राजनीतिक तनाव और बदलते सुरक्षा खतरों का सामना कर रहा है। 16वीं ब्रिक्स राष्ट्रीय सुरक्षा सालहकारों की मीटिंग में एनएसए डोभाल ने अपने समकक्षों का स्वागत किया और सदस्य देशों के बीच सहयोग को मजबूत करने के लिए भारत की प्रतिबद्धता को दोहराया। उन्होंने समूह के अंदर सहयोग को आगे बढ़ाने में लगातार जुड़े रहने और समर्थन के लिए हिस्सा लेने वाले

देशों को धन्यवाद दिया। एनएसए डोभाल ने अपने भाषण की शुरुआत में कहा, 'मैं आज आपकी मौजूदगी और ब्रिक्स देशों के बीच सहयोग को मजबूत करने के लिए आपके लगातार कमिटमेंट के लिए आप सभी का शुक्रिया अदा करता हूं। ' मौजूदा वैश्विक हालात को हाइलाइट करते हुए, उन्होंने कहा कि दुनिया एक खास तौर पर मुश्किल दौर से गुजर रही है, जिसमें हथियारों से जुड़ी लड़ाइयां, भू-राजनीतिक अनिश्चितता, आर्थिक दबाव और ऐसी विघटनकारी प्रौद्योगिकी का आना शामिल है जो अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा के माहौल को बदल रही हैं। उन्होंने कहा, 'हम बहुत मुश्किल समय में मिल रहे हैं। दुनिया सैन्य झगड़ों और मुश्किल सुरक्षा समस्याओं से जूझ रही है। यह भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं, आर्थिक दबाव और विघटनकारी प्रौद्योगिकी का सामना कर रही है। ' एनएसए अजीत डोभाल ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय के सामने जो चुनौतियां हैं, वे तेजी से मुश्किल होती जा रही हैं और उन्हें मैनेज करना कठिन हो रहा है, जबकि मौजूदा संस्थागत फ्रेमवर्क और झगड़े सुलझाने के तरीके असरदार तरीके से जवाब देने में मुश्किल हो रहे हैं। उन्होंने कहा, 'न केवल खतरे और अधिक जटिल तथा आपस में जुड़े हुए होते जा रहे हैं, बल्कि उनसे निपटने या उनके प्रभाव को कम करने के लिए मौजूद साधन और संस्थागत तंत्र भी लगातार अपर्याप्त साबित हो रहे हैं।

' बहुपक्षीय सहयोग के कमजोर होने पर चिंता जताते हुए, एनएसए डोभाल ने कहा कि ग्लोबल सिस्टम में बहुपक्षवाद में गिरावट देखी जा रही है, ऐसे समय में जब मिलकर काम करने की जरूरत पहले से कहीं ज्यादा है।उन्होंने ब्रिक्स बनाने के पीछे के असली विजन को याद करते हुए कहा, 'बहुपक्षावाद कम हो रहा है। ' एनएसए के मुताबिक, ब्रिक्स को उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं के एक अनौपचारिक समूह के तौर पर सोचा गया था, जिसका मकसद ज्यादा 'मल्टीपोलर वर्ल्ड ऑर्डर' को बढ़ावा देना, आर्थिक सहयोग बढ़ाना और अंतरराष्ट्रीय मामलों में ग्लोबल साउथ की आवाज को बुलंद करना था।

होर्मुज जलडमरूमध्य का खुलना ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करेगा: अजीत डोभाल

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल ने मंगलवार को ब्रिक्स देशों की यहां आयोजित बैठक में कहा कि अमेरिका-ईरान के बीच बनी समझ का भारत स्वागत करता है। उन्होंने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य का खुलना ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करेगा, आपूर्ति श्रृंखला की बाधाओं को कम करेगा तथा उर्वरक, रसायन और अन्य आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता बेहतर करेगा। इससे क्षेत्रीय और वैश्विक आर्थिक समृद्धि को भी बढ़ावा मिलेगा। डोभाल ने 16वीं ब्रिक्स राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बैठक में वैश्विक चुनौतियों के बीच ब्रिक्स की अहम भूमिका को रेखांकित किया। डोभाल ने कहा कि दुनिया इस समय सैन्य संघर्षों, भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं, आर्थिक दबावों और विघटनकारी प्रौद्योगिकियों जैसी जटिल चुनौतियों का सामना कर रही है। उन्होंने कहा कि संघर्ष समाधान के पारंपरिक तंत्र कमजोर पड़ रहे हैं और ऐसे समय में ब्रिक्स की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है।

राम मंदिर चढ़ावा प्रकरण

देवकीनंदन ठाकुर बोले, पीएम मोदी और सीएम योगी न्याय सुनिश्चित करेंगे

धौलपुर (राजस्थान) । कथावाचक देवकीनंदन ठाकुर ने राम मंदिर के चढ़ावा में हुए कथित घोटाले पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए इसमें संलिप्त आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की बात कही है। उन्होंने मंगलवार को पत्रकारों से बातचीत में कहा कि हमें जैसा सुनने को मिल रहा है। अगर उसमें सच्चाई है, तो मैं एक बात साफ कर देना चाहता हूं कि देश में नरेंद्र मोदी की सरकार है और प्रदेश में योगी आदित्यनाथ की सरकार है। आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के दौरान किसी भी प्रकार की कोताही नहीं बरती जाएगी। सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई हो। कथावाचक देवकीनंदन ठाकुर ने कहा कि कुंभ के दौरान सनातन बोर्ड को लेकर खूब करवेज की गई थी। जो धर्म और शास्त्रों को जानेंगे, उनके लिए भगवान राम पर चढ़ाया गया धन, धन नहीं होगा, वो फिर ठाकुर जी का प्रसाद होगा। ठाकुर जी का प्रसाद अगर गरीब जनता के काम आए, सनातन बोर्ड को लेकर यही हमारी ओर से कहा गया था। अभी भी हमारी चाहत यही है कि इसकी शुरुआत हो जाए।

देवकीनंदन ने कहा कि ठाकुर जी का प्रसाद सामाजिक कल्याण की दिशा में काम आए। अस्पताल का निर्माण हो और गौशालाओं का निर्माण हो। इसे लेकर हमने अपनी बात रखी थी। उन्होंने कहा कि इस बात की शुरुआत हो जाना चाहिए।

भजनलाल शर्मा का दिल्ली दौरा

● यमुना जल परियोजना के महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर हुई चर्चा

एजेंसी

नई दिल्ली /जयपुर । सीएम भजनलाल शर्मा की दिल्ली दौरे के दौरान केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी आर पाटिल एवं हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के साथ यमुना जल परियोजना को लेकर आयोजित महत्वपूर्ण बैठक में एमओए (MoA) के विभिन्न बिंदुओं पर विस्तृत एवं सकारात्मक चर्चा हुई।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने एक्स पर बताया कि इस अवसर पर किशाऊ बांध परियोजना से संबंधित विषयों पर भी सार्थक विचार-विमर्श हुआ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन, दूरदर्शी नेतृत्व तथा राजस्थान के परिजनों के प्रति उनके विशेष स्नेह के कारण वर्षों पुरानी यह

बहुप्रतीक्षित परियोजना अब साकार होने की दिशा में तेजी से अग्रसर है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार केंद्र एवं हरियाणा सरकार के सहयोग से इस महत्वाकांक्षी परियोजना को शीघ्र धरातल पर उतारने के लिए प्रतिबद्ध है। यह परियोजना शेखावाटी क्षेत्र को पेयजल उपलब्ध कराने के साथ-साथ किसानों की सिंचाई संबंधी आवश्यकताओं की पूर्ति भी करेगी तथा क्षेत्र के विकास, समृद्धि एवं खुशहाली को नई गति प्रदान करेगी।

श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने भारत के लिए जो सपना देखा था, उसे प्रधानमंत्री मोदी कर रहे पूरा: नितिन नवीन

नितिन नवीन ने श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि पर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की।

एजेंसी

नई दिल्ली । भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) बी.एल. संतोष और नेता वसुंधरा राजे के साथ भाजपा मुख्यालय में भारतीय जनसंघ के संस्थापक श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि पर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की। इस मौके पर मीडिया से बातचीत करते हुए नितिन नवीन ने कहा, 'मैं श्यामा प्रसाद मुखर्जी को उनके 73वें बलिदान दिवस पर सादर श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। वे एक प्रखर राष्ट्रवादी, महान विचारक और देश के पहले उद्योग मंत्री थे। उन्होंने जो सपना देखा था और जो बलिदान दिया था, वह बलिदान अब हमारे सामने साकार हो रहा है। मेरा मानना है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में कश्मीर में अनुच्छेद 370 को हटाना श्यामा प्रसाद मुखर्जी को सच्ची श्रद्धांजलि है। मैं मानता हूं कि पश्चिम बंगाल, असम और पंजाब की सीमाओं की रक्षा के लिए श्यामा प्रसाद ने संघर्ष किया और बलिदान दिया था। आज श्यामा प्रसाद के जन्मस्थान पश्चिम बंगाल में भाजपा की सरकार है, जो उनके दिखाए गए मार्गों पर चल रही है और सीमाओं की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। नितिन नवीन ने कहा, 'श्यामा प्रसाद ने 1951 में जिस सोच और भावना से जनसंघ

की स्थापना की थी कि एक राष्ट्रवादी सोच का नेतृत्व बने, आज कह सकते हैं कि भाजपा के 14 करोड़ से अधिक कार्यकर्ता उस सोच पर खरा उतरते हुए भारत को आगे बढ़ाने में लगे हुए हैं। श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने जो सपना भारत के लिए देखा था, उसको पूरा करने का काम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कर रहे हैं। '

महाराष्ट्र में समान नागरिक संहिता लागू करने की तैयारी

सरकार ने दी समिति गठन को मंजूरी

एजेंसी

मुंबई । महाराष्ट्र सरकार ने राज्य में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करने के संबंध में रिपोर्ट तैयार करने के लिए हाईकोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश की अध्यक्षता में एक समिति गठित करने को मंजूरी दे दी है। राज्य के गृह राज्यमंत्री योगेश कदम ने मंगलवार को विधानसभा में कहा कि समिति की रिपोर्ट मिलने के बाद राज्य में यूसीसी लागू किया जाएगा। उन्होंने कहा, ''महाराष्ट्र सरकार समान नागरिक संहिता लागू करने के पक्ष में है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने यूसीसी का मसौदा तैयार करने के लिए हाईकोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश की अध्यक्षता में समिति बनाने को मंजूरी दे दी है। समिति की रिपोर्ट मिलने के बाद यूसीसी लागू किया जाएगा।'' योगेश कदम विधानसभा में भाजपा विधायक देवयानी फरांदे द्वारा नासिक जिले में ट्रिपल तलाक के मामलों को लेकर उठाए गए ध्यानाकर्षण प्रस्ताव का जवाब दे रहे थे। इससे पहले फरांदे ने दावा किया कि केंद्र सरकार द्वारा ट्रिपल तलाक पर प्रतिबंध लगाए जाने के बावजूद ऐसे मामलों में बढ़ोतरी हो रही है। उन्होंने कहा कि उन्हें तीन मुस्लिम महिलाओं की शिकायतें मिली हैं, जिनमें उनके पतियों द्वारा धमकी, हिंसा और ट्रिपल तलाक देने के आरोप लगाए गए हैं। फरांदे ने कहा, ''अब पाकिस्तान में भी बहुविवाह पर प्रतिबंध लगाया गया है।'' उन्होंने पूछा कि इस्लाम में मान्य बहुविवाह के मुद्दे पर महाराष्ट्र सरकार का क्या रुख है और क्या उत्तराखंड तथा गुजरात की तर्ज पर महाराष्ट्र में भी यूसीसी लागू किया जाएगा।

उन्होंने यह भी पूछा, ''असम ने बहुविवाह पर प्रतिबंध लगा दिया है। क्या महाराष्ट्र भी ऐसा करेगा?'' इस पर जवाब देते हुए योगेश कदम ने कहा कि जब यूसीसी लागू होगा, तब उसमें बहुविवाह पर प्रतिबंध का प्रावधान भी शामिल होगा। उन्होंने कहा, ''सरकार किसी धर्म या व्यक्ति के खिलाफ नहीं है। यूसीसी लागू होने पर यह सभी लोगों पर समान रूप से लागू होगा, चाहे उनका धर्म कोई भी हो।''

चर्चा के दौरान सत्तारूढ़ एनसीपी विधायक सना मलिक ने फरांदे के बयान पर सवाल उठाते हुए कहा कि क्या केवल मुस्लिम महिलाएं ही हिंसा का शिकार होती हैं और क्या बहुविवाह सिर्फ इस्लाम में ही मौजूद है? उन्होंने कहा, ''मैं यह स्पष्ट करना चाहती हूं कि केवल तत्काल तीन तलाक (इंस्टेंट तलाक) पर प्रतिबंध लगाया गया है। पूरे ट्रिपल तलाक पर नहीं।'' सना मलिक के इस बयान के बाद विपक्षी सदस्य उनके समर्थन में आ गए, जबकि भाजपा विधायकों ने कहा कि राज्य संविधान के अनुसार चलेगा, किसी धार्मिक ग्रंथ के अनुसार नहीं।

दिल्ली के तकिया काले खान के पास भीषण आग से 30 झुग्गियां जलकर खाक

एजेंसी

नई दिल्ली । दिल्ली के मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज के पीछे तकिया काले खान इलाके की वाल्मीकि बस्ती में बनी झुग्गियों में भीषण आग लग गई। इस हादसे में कम से कम 30 झुग्गियां जलकर खाक हो गईं।

साथ ही बड़ी मात्रा में प्लाईवुड, लकड़ी और अन्य ज्वलनशील सामग्री भी नष्ट हो गई। अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि आग की तीव्रता के बावजूद आपातकालीन सेवाओं और पुलिसकर्मियों की त्वरित प्रतिक्रिया के कारण किसी के हताहत होने या घायल होने की सूचना नहीं है। अधिकारियों के मुताबिक, सोमवार रात करीब 11:32 बजे तकिया काले खां इलाके में आग लगने की पीसीआर कॉल मिली। स्थानीय पुलिस टीमें स्थिति का आकलन

करने और बचाव एवं निकासी अभियान शुरू करने के लिए मौके पर पहुंचीं। भीषण आग ने वहां संग्रहीत पुराने फर्नीचर, लकड़ी, प्लाईवुड और अन्य अत्यधिक दहनशील सामग्रियों के एक बड़े भंडार को अपनी चपेट में ले लिया था। आग की लपटें तेजी से फैल गईं, जिससे आसपास की झोपड़ियों और घनी आबादी में रहने वाले निवासियों के लिए गंभीर खतरा पैदा हुआ। पुलिसकर्मियों ने तुरंत निकासी अभियान चलाया और स्थानीय निवासियों को तेजी से फैल रही आग से उत्पन्न खतरे के बारे में सचेत किया। अधिकारियों ने कहा कि कुछ निवासियों के प्रतिरोध के बावजूद, जो अपने घरों और सामान को पीछे छोड़ने के लिए अनिच्छुक थे, पुलिस ने लोगों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाने के अपने प्रयास जारी रखे।

एसआईटी और एफएसएल की संयुक्त जांच शुरू, राजनीतिक बयानबाजी तेज

एजेंसी

लखनऊ । उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के अलीगंज स्थित कोचिंग संस्थान में हुए भीषण अग्निकांड की जांच मंगलवार को औपचारिक रूप से शुरू हो गई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) और फोरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (एफएसएल) की संयुक्त टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और साक्ष्य जुटाने की प्रक्रिया शुरू की। जांच के मद्देनजर पूरी इमारत को सील कर दिया गया है। जांच एजेंसियां आग लगने के कारणों, सुरक्षा मानकों के पालन और संभावित लापरवाही के विभिन्न पहलुओं की पड़ताल कर रही हैं। हालांकि, घटना के वास्तविक कारणों को लेकर अभी तक कोई आधिकारिक निष्कर्ष सामने नहीं आया है। इससे पहले सोमवार देर रात मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मामले की समीक्षा के लिए उच्चस्तरीय बैठक की थी। बैठक में हादसे के लिए जिम्मेदार लोगों की पहचान और जवाबदेही तय करने के उद्देश्य से एसआईटी गठित करने के निर्देश दिए गए। वहीं, अलीगंज थाने में छह लोगों के खिलाफ नामजद एफआईआर दर्ज की गई है, जिनमें से चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर गठित एसआईटी में संस्कृति विभाग के अपर मुख्य सचिव अमृत अभिजात और एडीजी लखनऊ जोन प्रवीण कुमार को सदस्य बनाया गया है।

रास लाफान हादसे में 12 भारतीयों की मौत

परिजनों के संपर्क में हम : विदेश मंत्रालय

एजेंसी

नई दिल्ली । कतर के रास लाफान इंडस्ट्रियल सिटी गैस संयंत्र में हुए धमाके ने 12 भारतीय नागरिकों की जान ले ली। भारत ने दुर्घटना पर गहरा शोक जताते हुए कहा कि स्थानीय अधिकारियों के सहयोग से पार्थिव शरीर को भारत लाने का प्रयास किया जा रहा है। मंगलवार को साप्ताहिक मीडिया ब्रीफिंग में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, '12 भारतीय नागरिकों की मौत बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। इस हादसे में कई अन्य देशों के लोगों की भी मौत हुई, लेकिन रास लाफान में हुए धमाके में हमारे देश के 12 लोगों की जान चली गई। कई अन्य लोग घायल भी हुए हैं।' उन्होंने इस हादसे में घायल हुए लोगों का जिक्र करते हुए आगे बताया, 'अलग-अलग देशों के लगभग 66 लोग घायल हुए हैं। हमें ठीक-ठीक नहीं पता कि उनमें से कितने भारतीय नागरिक हैं, लेकिन घायल हुए सभी लोग सुरक्षित हैं। हम पार्थिव शरीर की पहचान करने और उन्हें भारत लाने के लिए स्थानीय अधिकारियों से बात कर रहे हैं। साथ ही हम इस बेहद दुखद घटना में जान गंवाने वालों के परिवारों के संपर्क में भी हैं।'' विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने भी इस घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'रास लाफान में हुए विस्फोट में भारतीय नागरिकों सहित कई लोगों की मौत और घायल होने की खबर से अत्यंत दुखी हूं। '

राष्ट्रपति मुर्मु ने अलका याग्निक, ममूटी समेत 65 हस्तियों को पद्म पुरस्कार प्रदान किए

'इससे पहले राष्ट्रपति ने 25 मई को आयोजित पहले नागरिक सम्मान समारोह में 65 पद्म पुरस्कार प्रदान किए थे'

एजेंसी

नई दिल्ली । राष्ट्रपति भवन में मंगलवार को 'नागरिक अलंकरण समारोह-द्वितीय' में 'पद्म पुरस्कार-2026' प्रदान किए गए। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने विभिन्न क्षेत्रों की हस्तियों को पद्म पुरस्कार से सम्मानित किया। इस दौरान राष्ट्रपति मुर्मु ने झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन (मरणोपरांत) को पद्म भूषण से सम्मानित किया। उनकी पत्नी रूपी सोरेन ने सम्मान प्राप्त किया। वहीं, टेनिस के दिग्गज विजय अमृतराज को पद्म भूषण से सम्मानित किया गया। गायिका अलका याग्निक को राष्ट्रपति मुर्मु ने पद्म भूषण से सम्मानित किया। इस

दौरान पी. नारायणन और जस्टिस (रिटायर्ड) केटी थॉमस को साहित्य और शिक्षा तथा जन-कार्य के लिए पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया। पद्म भूषण पाने वाले अन्य लोगों में एसकेएम मैलानंदन, ममूटी, वेल्लापल्ली नटेसन और दत्तात्रेयुडु नोरी शामिल हैं। अवॉर्ड पाने वालों की लिस्ट में दो अमेरिकी, एक रूसी और एक जॉर्जियाई नागरिक भी शामिल हैं। राष्ट्रपति मुर्मु ने अलंकरण समारोह में 65 लोगों को पद्म पुरस्कार से सम्मानित किया। समारोह में उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह और कई गणमान्य व्यक्ति भी मौजूद रहे।

दूसरे नागरिक सम्मान समारोह में 65 पद्म पुरस्कार प्रदान किए गए हैं, जिनमें दो पद्म विभूषण, सात पद्म भूषण, और 56 पद्म श्री शामिल हैं।

इससे पहले राष्ट्रपति ने 25 मई को आयोजित पहले नागरिक सम्मान समारोह में 65 पद्म पुरस्कार प्रदान किए थे, जिनमें दो पद्म विभूषण, छह पद्म भूषण और 57 पद्म श्री शामिल थे। देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मानों में से एक पद्म पुरस्कार तीन श्रेणियों में दिए जाते हैं: पद्म श्री, पद्म भूषण और पद्म विभूषण। पद्म पुरस्कार कला, समाजसेवा, जन-कार्य, विज्ञान और इंजीनियरिंग, व्यापार और उद्योग, चिकित्सा, साहित्य और शिक्षा, खेल और सिविल सेवा जैसे अलग-अलग क्षेत्रों में दिए जाते हैं।

ढोल-नगाड़ों के साथ खुले बाबा महाकाल के कपाट, त्रिशूल, त्रिपुण्ड से हुआ श्रृंगार

उज्जैन (एजेंसी)। श्री महाकालेश्वर मंदिर में मंगलवार को बाबा महाकाल की भस्म आरती की गई। इस दौरान बाबा महाकाल के दरबार में बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद थे। भक्तों ने देर रात से ही लाइन में लगकर बाबा महाकाल के दर्शन किए। मंगलवार तड़के भगवान वीरभद्र की आज्ञा लेने के बाद ढोल-नगाड़ों के साथ बाबा महाकाल के कपाट खोले गए। महाकाल मंदिर के पट खुलने के साथ ही मंत्रोच्चार के बीच भगवान महाकाल का जलाभिषेक कर दूध, दही, घी, शक्कर और फलों के रस से बने पंचामृत से अभिषेक किया गया। भगवान महाकाल का रजत चंद्र, त्रिशूल, त्रिपुण्ड और ड्रायफ्रूट से राजा स्वरूप में श्रृंगार किया गया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने बाबा महाकाल की भस्म आरती के दर्शन किए। पहले महाकाल को शमशान की राख अर्पित की जाती थी लेकिन अब विशेष रूप से कपिला गाय के गोबर और औषधीय जड़ी-बूटियों से तैयार भस्म का इस्तेमाल होता है। भस्म आरती के दौरान पुरुषों के लिए पारंपरिक धोती-सोला और महिलाओं के लिए साड़ी पहनना जरुरी है। बाबा महाकाल की आरती देखने बड़ी हस्तियां भी आती हैं। इस दौरान मंदिर के आसपास व्यवस्था बनाए रखने के लिए बड़े पैमाने पर पुलिसकर्मियों की तैनाती रहती है।

10 साल की मासूम से रेप, हत्या

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में गुब्बारे बेचने वाली 10 साल की बच्ची की रेप के बाद हत्या कर दी गई। सोमवार की सुबह फुटपाथ पर सो रही बच्ची का टैक्सी ड्राइवर ने किडनैप किया था। इसके बाद उसने उसका रेप किया और हत्या कर लाश महरौली के जंगलों में फेंक दी थी। सोमवार की सुबह करीब 6 बजे परिवार ने पीसीआर कॉल के जरिए महरौली थाने में बच्ची की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और ह्यूमन इंटेलिजेंस की मदद से चार घंटे में ही बबलू नाम के टैक्सी ड्राइवर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर बच्ची का शव बरामद कर लिया है। शव पोस्टमॉर्टम के लिए आगे की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। आरोपी ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है।

ममता बनर्जी की शिकायत पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने दिया आदेश

-भवानीपुर के ईवीएम-वीवीपैट सुरक्षित रखे जाएं, जरूरत पडऩे पर जांच होगी

कोलकाता (एजेंसी)। कलकत्ता हाईकोर्ट ने मंगलवार को पश्चिम बंगाल की भवानीपुर विधानसभा सीट के रिजल्ट में गड़बड़ी के आरोपों पर सुनवाई की। कोर्ट ने मतगणना से जुड़े सभी अहम साक्ष्य सुरक्षित रखने का निर्देश दिया। अदालत ने कहा कि ईवीएम-वीवीपैट, सीसीटीवी फुटेज और अन्य संबंधित रिकॉर्ड संरक्षित रखे जाएं। जरूरत पडऩे पर उनकी जांच होगी। जस्टिस गौरांग कांत ने मतगणना केंद्र रहे शेखावाटी मेमोरियल स्कूल के अंदर और बाहर लगे सभी सीसीटीवी कैमरों की फुटेज सुरक्षित रखने का भी आदेश दिया। अदालत ने मामले में सभी संबंधित पक्षों को शामिल करने के निर्देश भी दिए हैं। इसके तहत मुख्यमंत्री शुभेंदु उनके सलाहकार सुभ्रत गुप्ता और सुनील अग्रवाल को पक्षकार बनाने का आदेश दिया गया है। भवानीपुर सीट पर शुभेंदु अधिकारी ने पूर्व सीएम ममता बनर्जी को 15,105 वोटों से हराया था।

एक मोबाइल नंबर से खुला 3000 करोड़ का फर्जीवाड़ा

अमृतसर (एजेंसी)। पंजाब के मंडी गोबिंदगढ़ में सगे भाइयों द्वारा 3000 करोड़ से अधिक के विशाल फर्जीवाड़े का खुलासा हुआ है। संगठित गिरोह ने बिना किसी वास्तविक खरीद-बिक्री के, केवल कागजों पर हजारों करोड़ का टर्नओवर दिखाया। आरोप है कि उन्होंने गरीब और ज़रूरतमंद लोगों के आधार, पैन और वोटर आईडी का दुरुपयोग कर 27 फर्जी कंपनियाँ बनाईं। इन कागजी कंपनियों के ज़रिए 720 करोड़ के फर्जी बिल काटे गए, जिससे सरकार से 108 करोड़ का अनुचित टैक्स लाभ लिया। हैरान करने वाली बात यह है कि इस पूरे खेल का भंडाफोड़ किसी मुखबिर ने नहीं, बल्कि अलग-अलग कंपनियों में इस्तेमाल हो रहे एक ही मोबाइल नंबर और ईमेल आईडी ने किया। कुल 25 बैंक खातों से 3089 करोड़ नकद निकाले गए। यह घोटाला 2018 से 2024 तक चलता रहा। बैंक अधिकारियों की सूचना पर 2024 में डीजीजीआई ने जाँच शुरू की और 9 अक्टूबर 2024 को रेड कर मास्टरमाइंड भाइयों को गिरफ्तार किया। 9 महीने जेल में रहने के बाद उनकी जमानत हो गई। इसके उपरांत ईडी ने मामले की गहनता से जाँच की और 19 जून 2026 को लुधियाना पुलिस कमिश्नर को शिकायत दी। कमिश्नर के आदेश पर अमित गोयल सहित पाँच नामजद आरोपियों और कुछ अज्ञात के खिलाफ थाना जमालपुर में एफआईआर दर्ज की गई है।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को राष्ट्रव्यापी श्रद्धांजलि, पीएम मोदी, सीएम सुवेंदु ने किया याद

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने मंगलवार को भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। सीएम अधिकारी ने दक्षिण कोलकाता स्थित केओरतला श्मशान घाट में डॉ. मुखर्जी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी डॉ. मुखर्जी को श्रद्धांजलि देकर उन्हें एक विशिष्ट राष्ट्रभक्त, विद्वान और राजनेता बताया, जिन्होंने अपना जीवन भारत के विकास के लिए समर्पित किया। उन्होंने पोस्ट में कहा कि सार्वजनिक जीवन में उनकी अटूट निष्ठा, साहस और राष्ट्रीय हित के प्रति प्रतिबद्धता पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की पश्चिम बंगाल इकाई के अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य ने भी कोलकाता में डॉ. मुखर्जी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें याद किया। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का निधन 23 जून,1953 को रहस्यमय परिस्थितियों में श्रीनगर की एक जेल में हुआ था। उन्हें बिना परमिट जम्मू-कश्मीर में प्रवेश करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था।

हमने तमिल लोगों के दिलों में जगह बनाने कितना संघर्ष किया...अब यहां पर हैं

-तमिलनाडु के सीएम विजय ने विधानसभा में आलोचकों को दिया करारा जवाब

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री जोसेफ विजय ने उन आलोचकों को करारा जवाब दिया है जिन्होंने उनकी तमिलगा वेट्री कझगम (टीवीके) को एक्टर की पार्टी कहा है। मंगलवार सुबह विधानसभा में दिए भाषण में उन्होंने अप्रैल-मई के चुनावों में टीवीके की सफलता की ओर इशारा करते हुए आलोचकों को याद दिलाया कि उनकी पार्टी कितनी सफल रही है। अपने दमदार भाषण में उन्होंने कई मुद्दों पर बात की। केंद्र सरकार का गैर-हिंदी भाषी राज्यों पर हिंदी थोपना और नीट को खत्म करने की मांग। उन्होंने टीवीके की राजनीतिक ताकत और अपनी प्रशासनिक समझ पर शक करने वालों और आलोचना करने वालों को आड़े हाथों लिया।

विजय ने विधानसभा को याद दिलाया कि उनकी पार्टी ने साजिशों और पाबंदियों का सामना किया है और न तो पार्टी और न ही उनका खुद का इरादा कभी खत्म होने का है। उन्होंने कहा कि हमें आसानी से सत्ता नहीं मिली। सिर्फ हम ही जानते हैं कि तमिल लोगों के दिलों में जगह बनाने के लिए हमने कितना संघर्ष किया। कुछ लोग ऐसा दिखावा करते हैं जैसे वे समझते नहीं हैं और हमारी आलोचना करते हैं, कहते हैं वह तो बस एक एक्टर की पार्टी है।

सीएम विजय ने कहा कि हम ऐसी आलोचनाओं की परवाह नहीं करते। हमारी राजनीति साफ़-सुथरी है। हमें 35 फीसदी वोट मिले। कुछ लोग कहते हैं कि हम बहुत आसानी से सत्ता में आ गए... लेकिन हमने साजिशों और पाबंदियों का सामना किया। हमने हर चीज़ का सामना किया...और आज हम यहां पर हैं। अभी लंबा सफ़र तय करना है। नीट जो देश में मेडिकल कोर्स में एडमिशन के लिए एक ही क्वालिफाइंग परीक्षा है इस पर चल रहे विवाद पर विजय ने कहा कि यह सिस्टम असमानता पैदा करता है और उन्होंने इसे खत्म करने की मांग की।

पिछले कुछ सालों में नीट परीक्षा विवादों का केंद्र रही है, जिसमें परीक्षा के दबाव के कारण छात्रों की आत्महत्या से लेकर प्रश्न पत्रों के लीक होने तक की घटनाएं शामिल हैं, जिन्होंने देश में चिकित्सा शिक्षा की विश्वसनीयता को धूमिल किया है। तमिलनाडु ने बार-बार परीक्षा रद्द करने और 12वीं कक्षा के अंकों के आधार पर सीटें आवंटित करने की मांग की है और हिंदी को थोपने के मुद्दे पर दक्षिणी राज्य में एक संवेदनशील मुद्दा है और जिस पर अतीत में हिंसक दंगे भी हुए हैं। नए सीएम विजय ने जोर देकर कहा कि मौजूदा दो-भाषा नीति, यानी तमिल और अंग्रेजी पर्याप्त है।

ईरान जंग में इजराइल-अमेरिका से ज्यादा भारतीय मरे

-अमेरिका के 13, इजराइल के 24 तो भारत के 25 लोग मारे गए

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान युद्ध में इजराइल और अमेरिका से ज्यादा भारतीय नागरिक मारे जा चुके हैं। वो भी तब, जब भारत इस जंग में किसी भी तरह से शामिल नहीं है। सोमवार (22 जून) को कतर के रास लाफान पर हमले में 12 भारतीयों की मौत हो गई, जिसके बाद युद्ध की चपेट में आने से मरने वाले भारतीयों की संख्या 25 पर पहुंच गई है। वहीं इस युद्ध में अमेरिका के 13 तो इजराइल के 24 नागरिक मारे गए हैं। युद्ध में इजराइल के हमले से सबसे ज्यादा लेबनान के 4 हजार और ईरान के 3600 लोग मारे गए हैं। 28 फरवरी को जंग की शुरुआत हुई थी। इस जंग में ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामेनेई से लेकर इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड के प्रमुख मोहम्मद पाकपूर और ईरान सर्वोच्च सुरक्षा परिषद के सचिव अली लारिजानी तक की हत्या हो चुकी है। कतर के रास लाफान के अलावा भारत के 6 नागरिक होर्मुज में मारे गए। इनमें 3 नागरिकों की मौत अमेरिकी हमले में हो गई। भारत ने इसको लेकर अमेरिका के खिलाफ कड़ी नाराजगी जाहिर की थी। खुद विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अमेरिकी विदेश मंत्री को फोन कर इस पर प्रतिरोध जताया था। इसके अलावा कतर में ही पिछले दिनों एक हमले में एक भारतीय की मौत हो गई थी। एक भारतीय की मौत कुवैत में ईरान के हमले के दौरान हो गई थी। यूएई में भी भारतीय मारे जा चुके हैं। यानी कुल मिलाकर ईरान जंग में अब तक 25 भारतीयों की मौत हो चुकी है।

अलका याग्निक समेत 65 हस्तियों को राष्ट्रपति मुर्मू ने किया अलंकृत

-शिबू सोरेन को मरणोपरांत पद्म भूषण, ममूटी और विजय अमृतराज भी हुए सम्मानित

नई दिल्ली(एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को राष्ट्रपति भवन में आयोजित 'सिविल इन्वेस्टिचर सेरेमनी-2' में वर्ष 2026 के लिए 65 विशिष्ट हस्तियों को पद्म पुरस्कार प्रदान किए। सम्मानित होने वालों में झारखंड मुक्ति मोर्चा के संस्थापक और पूर्व केंद्रीय मंत्री शिबू सोरेन, प्रसिद्ध गायिका अलका याग्निक, अभिनेता ममूटी और पूर्व टेनिस खिलाड़ी विजय अमृतराज प्रमुख रहे।

राष्ट्रपति भवन के भव्य दरबार हॉल में आयोजित समारोह में उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह समेत कई केंद्रीय मंत्री और गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। समारोह के दौरान विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाली हस्तियों को देश के प्रतिष्ठित नागरिक सम्मानों से नवाजा गया। इस दूसरे नागरिक सम्मान समारोह में राष्ट्रपति ने कुल 65 पद्म पुरस्कार प्रदान किए, जिनमें दो पद्म विभूषण, सात पद्म भूषण और 56 पद्म श्री शामिल हैं। इससे पहले मई में आयोजित पहले समारोह में भी 65 लोगों को पद्म सम्मान दिए गए थे।

पूर्व केंद्रीय मंत्री और झारखंड के वरिष्ठ आदिवासी नेता शिबू सोरेन को मरणोपरांत पद्म भूषण से सम्मानित किया गया। उनकी पत्नी रूपी सोरेन ने राष्ट्रपति से यह सम्मान ग्रहण किया। वहीं, लोकप्रिय पार्श्व गायिका अलका याग्निक को भी उनके संगीत क्षेत्र में योगदान के लिए पद्म सम्मान प्रदान किया गया।

राष्ट्रपति मुर्मू ने पी. नारायणन और सेवानिवृत्त न्यायाधीश के. टी. थॉमस को क्रमशः साहित्य एवं शिक्षा तथा जनसेवा के क्षेत्र में पद्म विभूषण से सम्मानित किया। इसके अलावा पश्चिम बंगाल के प्रोफेसर महेंद्र नाथ रॉय को विज्ञान एवं इंजीनियरिंग के क्षेत्र में पद्मश्री प्रदान किया गया।

समारोह की एक विशेषता यह भी रही कि विदेशी नागरिकों को भी उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया। अमेरिका के चिकित्सक डॉ. दत्तात्रेयुडु नोरी को पद्म भूषण दिया गया, जबकि रूस की ल्यूडमिला खोखलोवा को साहित्य एवं शिक्षा के क्षेत्र में पद्मश्री से सम्मानित किया गया। जॉर्जिया के व्लादिमीर मेस्तविरीश्विली को मरणोपरांत खेल क्षेत्र में पद्मश्री प्रदान किया गया।

देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मानों में शामिल पद्म पुरस्कार कला, साहित्य, विज्ञान, चिकित्सा, शिक्षा, खेल, समाज सेवा और जनसेवा सहित विभिन्न क्षेत्रों में विशिष्ट योगदान के लिए दिए जाते हैं। इन पुरस्कारों की घोषणा प्रत्येक वर्ष गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर की जाती है।

महाराष्ट्र की राजनीति में बड़ी हलचल, एकनाथ शिंदे की विपक्ष को चेतावनी- 'अभी और भी झटके लगेंगे'

मुंबई(एजेंसी)। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने शिवसेना (उबाठा) के लोकसभा सांसदों के टूटने के बाद विधानसभा में दिखी फूट को लेकर मंगलवार को मखौल उड़ाते हुए कहा कि विपक्षी सदस्य 'जोर का झटका' लगने की वजह से अपना 'मानसिक संतुलन' खो बैठे हैं और उन्हें 'और भी झटके' लगने वाले हैं। विधानसभा में आदित्य ठाकरे नीत शिवसेना (उबाठा) और अन्य विपक्षी दलों के विधायकों ने मंत्रियों द्वारा दूसरे विभागों से जुड़े सवालों का जवाब दिये जाने पर आपत्ति जताई और सदन से बहिर्गमन किया, जिसके बाद शिंदे की यह तीखी प्रतिक्रिया आई है।

विपक्ष ने मॉनसून सत्र के दौरान विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर द्वारा कुछ विभागों की जिम्मेदारी कुछ मंत्रियों को सौंपने पर आपत्ति जताई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के सदस्य जयंत पाटिल ने विधानसभा अध्यक्ष से फैसला वापस लेने की मांग की, जबकि आदित्य ठाकरे ने कहा कि सदन में उठाए गए मुद्दों का जवाब केवल संबंधित विभाग के राज्य मंत्री ही दे सकते हैं। कांग्रेस के नितिन राउत (कांग्रेस) ने कहा कि ऐसी व्यवस्था पहले कभी नहीं देखी गई थी। शिंदे ने हस्तक्षेप करते हुए कहा कि विपक्ष के पास अब कोई मुद्दा नहीं बचा है और वह कार्यवाही में रचनात्मक रूप से भाग लेने के बजाय उसमें बाधा डाल रहा है।

उप मुख्यमंत्री और शिवसेना अध्यक्ष शिंदे ने कहा, ''सवालों के जवाब देने और 'ध्यानाकर्षण प्रस्तावों'' के लिए मंत्रियों को नियुक्त करने से यह सुनिश्चित हुआ कि सदस्यों को ज्यादा जानकारी मिले। सदन में मौजूद रहना और सदस्यों के सवालों का जवाब देना सरकार की सामूहिक जिम्मेदारी है।'' उन्होंने कहा,'' मैं खुद सदन में आता हूं और मुख्यमंत्री भी खुद आकर जवाब देते हैं। इसलिए, यह हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है।''

शिवसेना नेता ने विरोध कर रहे सदस्यों पर तंज कसते हुए कहा, ''जो भी जिम्मेदारी सौंपी गई है, उसे पूरा किया जाना चाहिए। आप बस कुछ भी बोलते नहीं रह सकते, बेकार की बातें करके सदन का समय बर्बाद नहीं कर सकते।'' विपक्षी खेमे की खाली कुर्सियों की ओर इशारा करते हुए शिंदे ने कहा कि उन्हें (विपक्ष को) पता नहीं है कि उनके साथ क्या हो रहा है। उन्होंने संभवतः शिवसेना (उबाठा) के छह बागी सांसदों के बुधवार को पाला बदलकर शिवसेना में शामिल होने का संदर्भ देते हुए कहा, ''कल उन्हें ज़ोर का झटका लगा। उनका मानसिक संतुलन बिगड़ गया है और उन्हें आगे और भी झटके लगने वाले हैं।

चार राज्यों में वांटेड कुख्यात सतपाल उर्फ सत्तू यूपी के मुजफ्फरनगर में ढेर

मुजफ्फरनगर (एजेंसी)। देश के चार राज्यों में वांटेड कुख्यात सतपाल उर्फ सत्तू उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर में एनकाउंटर में मारा गया। पुलिस अब उसके माफिया डॉन छोटा राजन गैंग से ताल्लुकात होने की जांच में जुटी है। सत्तू को चार राज्यों पंजाब, यूपी, चंडीगढ़ और दिल्ली पुलिस तलाश कर रही थी। यूपी के मुजफ्फरनगर में कुख्यात बदमाश सतपाल उर्फ सत्तू के साथ सोमवार देर रात सिविल लाइन थाना पुलिस और एसओजी टीम की मुठभेड़ हो गई, इसी दौरान वो मारा गया। पहले पुलिस को सूचना मिली थी कि 19 जून को एक नाबालिग युवती का अपहरण कर ले जाने वाला बदमाश क्षेत्र में किसी बड़ी घटना को अंजाम देने की फिराक में है। इसी को लेकर पुलिस सघन चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान रुड़की रोड पर बामनहेड़ी में जब संदिग्ध वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया। पुलिस ने उसकी कार को रुकने का इशारा किया। इसी दौरान खुद को घिरता देख कार सवार बदमाश ने पुलिस पार्टी पर फायरिंग कर भागने का प्रयास किया। इस पर पुलिस ने घेराबंदी करते हुए जब आत्मरक्षा में ज़वाबी फायरिंग की। इसी पुलिस मुठभेड़ में पुलिस की गोली लगने से वो घायल हो गया। इस मुठभेड़ में इस बदमाश की गोली से एक सब इंस्पेक्टर अजय गौड़ और सिपाही अंकित भी घायल हो गए। इसके बाद पुलिस ने घायल बदमाश और दोनों पुलिस कर्मियों को उपचार के लिए तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया। जहां से घायल बदमाश की हालत नाजुक देखते हुए डॉक्टर ने उसे हायर सेंटर के लिए रेफर कर दिया। इसमें इलाज के दौरान घायल हुए बदमाश सतपाल उर्फ सत्तू ने मंगलवार दोपहर डेढ़ बजे दम तोड़ दिया। पुलिस के अनुसार, मृतक बदमाश सतपाल उर्फ सत्तू चंडीगढ़ का रहने वाला था। उस पर मुजफ्फरनगर पुलिस ने भी उस पर घोषित कर रखा था। इस शातिर बदमाश सतपाल उर्फ सत्तू की गिरफ्तारी के लिए मुजफ्फरनगर एसएसपी संजय कुमार वर्मा ने 10 टीमों को लगाया था। इस दौरान 1000 सीसीटीवी कैमरे खंगालने के बाद ये जानकारी जुटाई थी कि ये शातिर बदमाश एक बड़ा क्रिमिनल है, जो पूर्व में 15 साल जेल में बिता चुका है और फरवरी 2026 में ये शातिर लुधियाना जेल से फरार हुआ था।

राम मंदिर दान विवाद: सलमान खुर्शीद ने सरकार से मांगी जवाबदेही

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सलमान खुर्शीद ने अयोध्या में राम मंदिर के लिए मिले दान में कथित हेराफेरी को लेकर केंद्र सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने मामले में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग कर कहा कि यह आस्था और जनता के भरोसे से जुड़ा गंभीर मामला है, जिस पर केंद्र सरकार को जवाबदेह होना चाहिए।

कांग्रेस नेता खुर्शीद ने कहा कि उन्होंने राम जन्मभूमि मामले पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले का समर्थन किया था। उन्होंने कहा, क्या इससे बड़ी कोई त्रासदी हो सकती है? खुर्शीद ने कहा कि यह दान भगवान राम की संपत्ति है और लाखों भक्तों के भरोसे को तोड़ने वालों को सजा देकर मंदिर की पवित्रता बनाए रखना चाहिए। उन्होंने केंद्र सरकार से सवाल किया कि अगर उन्हें भगवान राम में ज़रा भी आस्था है, तब वह सबसे पहले इसतरह के दोषियों पर कड़ी कार्रवाई क्यों नहीं करती।

इस विवाद की शुरुआत अयोध्या से पूर्व सपा विधायक पवन पांडे के आरोपों से हुई थी, जिन्होंने

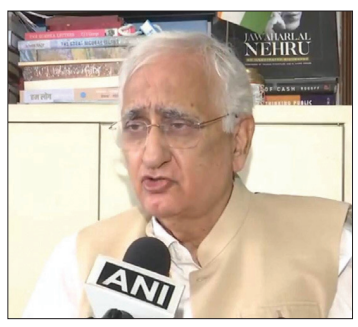

दावा किया था कि राम मंदिर के दान से 7 से 7.5 करोड़ का गबन हुआ है। इन गंभीर आरोपों के बाद, श्री राम जन्मभूमि मंदिर ट्रस्ट के अनुरोध पर, राज्य सरकार ने 14 जून को कथित घोटाले की जांच के लिए तीन सदस्यीय विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया।

इस बीच, कथित वित्तीय गड़बड़ियों की कोर्ट की निगरानी में जांच कराने के लिए सुप्रीम कोर्ट में एक नई याचिका दायर की गई है। इस याचिका में एक प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज करने और केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) के तहत एक विशेष जांच टीम (एसआईटी) गठित करने की मांग की गई है। इसका उद्देश्य ट्रस्ट के कामकाज, वित्तीय कुप्रबंधन, गायब धनराशि और अन्य अनियमितताओं की गहन जांच करना है।

सुप्रीम कोर्ट से दखल की मांग कर याचिकाकर्ताओं ने तर्क दिया है कि संस्थागत ईमानदारी, कानून के शासन और श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के प्रशासन में जनता के भरोसे को बनाए रखने के लिए अदालत का हस्तक्षेप आवश्यक है। याचिका में यह भी कहा गया है कि वर्तमान एसआईटी जांच का दायरा स्पष्ट नहीं है और जांच के शुरुआती चरण सबूतों को सुरक्षित रखने के लिए महत्वपूर्ण होते हैं। इसमें चेतावनी दी गई है कि किसी भी देरी से अहम सबूतों से छेड़छाड़ हो सकती है और निष्पक्ष जांच में बाधा आ सकती है। अतः, सच्चाई का पता लगाने और जवाबदेही तय करने के लिए एक स्वतंत्र व निष्पक्ष जांच अनिवार्य है।

भरत तिवारी एनकाउंटर मामले में पुलिस अधिकारियों पर एफआईआर दर्ज

-एसडीपीओ और थानाध्यक्ष समेत कई पुलिसकर्मियों पर केस

-परिजनों ने न्याय नहीं मिलने पर आत्मदाह की चेतावनी दी

पटना (एजेंसी)। भोजपुर जिले के चर्चित भरत तिवारी एनकाउंटर मामले में बड़ा घटनाक्रम सामने आया है। मामले में जगदीशपुर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ), शाहपुर थानाध्यक्ष समेत मुठभेड़ में शामिल अन्य पुलिसकर्मियों के खिलाफ शाहपुर थाने में एफआईआर दर्ज की गई है। इस कार्रवाई के बाद मामले की जांच को नया मोड़ मिल गया है।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, एनकाउंटर को लेकर उठे सवालों और मृतक के परिजनों की शिकायत के आधार पर पुलिस अधिकारियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। इससे पहले भी इस मामले की विभिन्न स्तरों पर जांच चल रही थी और राज्य

सरकार न्यायिक जांच के आदेश दे चुकी है। गौरतलब है कि भरत तिवारी की पुलिस मुठभेड़ में मौत के बाद परिजनों और ग्रामीणों ने इसे फर्जी एनकाउंटर बताते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की थी। इस घटना को लेकर राज्य की राजनीति भी गर्मा गई और विभिन्न राजनीतिक दलों ने मामले की स्वतंत्र जांच की मांग उठाई।

मृतक के भाई चंदन तिवारी ने सरकार की ओर से घोषित न्यायिक जांच पर अविश्वास जताते हुए मीडिया के समक्ष कहा, परिवार को केवल जांच नहीं, बल्कि दोषी पुलिसकर्मियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि न्याय नहीं मिला तो पूरा परिवार आत्मदाह करने को मजबूर होगा। वहीं, भरत तिवारी के पिता काशीनाथ तिवारी ने आरोप लगाया कि घटना के समय उनके पुत्र के पास दो मोबाइल फोन थे। पुलिस ने एक मोबाइल फोन और मोटरसाइकिल वापस कर दी है, लेकिन दूसरा निजी मोबाइल अब भी पुलिस के कब्जे में है। परिवार का कहना है कि यह मोबाइल मामले की जांच में महत्वपूर्ण साक्ष्य साबित हो सकता है।

पाकिस्तान के दावों की पोल खुली: सभी 36 राफेल लड़ाकू विमान सुरक्षित और ऑपरेशनल

नई दिल्ली (एजेंसी)। नभारतीय वायुसेना (आईएएफ) ने आधिकारिक दस्तावेज जारी कर पाकिस्तान के उन मनगढ़ंत दावों को ध्वस्त किया है, जिसमें ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय राफेल लड़ाकू विमानों को मार गिराने की बात कही जा रही थी। इस दस्तावेज़ से पुष्टि होती है कि भारत के पास फ्रांस से खरीदे गए सभी 36 राफेल विमान पूरी तरह से सुरक्षित और ऑपरेशनल हैं। इस तरह भारत के राफेल पर गलतबयानी करने वाले पाकिस्तान को फिर करारा तमाचा लगा है।

एयर मुख्यालय के डायरेक्टरेट ऑफ इंजीनियरिंग (राफेल) द्वारा 15 जून, 2026 को फ्रांस की सैफ्रान एयरक्राफ्ट इंजिन्स को भेज एक ब्रिज सपोर्ट प्रस्ताव (आरएफपी) में बताया गया हैं कि भारतीय वायुसेना 2016 के भारत-फ्रांस सरकारी समझौते के तहत प्राप्त सभी 36 राफेल विमानों का संचालन कर रही है। यह टेंडर सितंबर 2026 के बाद भी इन विमानों के निर्बाध रखरखाव और तकनीकी सहायता की आवश्यकता पर केंद्रित है, विशेषकर अगले पाँच महीनों की अंतरिम अवधि के लिए।

36 राफेल विमानों के पूरे बेड़े के लिए समर्थन पैकेज का यह प्रस्ताव पाकिस्तान के उन झूठे प्रचार को सिरे से खारिज करता है, जिसमें दावा किया रहा था कि भारत के कई राफेल विमानों को मार गिराया गया है। पाकिस्तान सेना और उसके समर्थक ऑपरेशन सिंदूर के दौरान तीन राफेल विमानों के नष्ट होने और यहां तक कि भारतीय महिला पायलट को पकड़ने जैसे बेबुनियाद आरोप लगाए थे। हालांकि, आईएएफ के हालिया दस्तावेज में बेड़े की संख्या में किसी भी कमी का कोई जिक्र नहीं है, बल्कि यह सभी 36 विमानों की निरंतर परिचालन आवश्यकताओं का हिसाब देता है।

दस्तावेजों के अनुसार, सपोर्ट पैकेज का उद्देश्य सभी 36 राफेल विमानों को चालू हालत में बनाए रखना है। इसके तहत प्रत्येक विमान के लिए औसतन सालाना 150 घंटे की उड़ान तय की गई है, जिससे पांच महीने की ब्रिज पीरियड के दौरान कुल 2,250 घंटे की उड़ान का अनुमान है। यह ब्रिज सपोर्ट 18 सितंबर, 2026 के बाद विमानों के संचालन को बिना किसी रुकावट के जारी रखने के लिए महत्वपूर्ण है।

रक्षा सूत्रों का कहना है कि रखरखाव और समर्थन अनुबंध आम तौर पर ऑपरेटर के पास मौजूद वास्तविक इन्वेंट्री पर आधारित होते हैं, और 36 विमानों के पूरे बेड़े का बार-बार उल्लेख पाकिस्तान के राफेल नुकसान के दावों पर और प्रश्नचिह्न लगाता है। आईएएफ चीफ एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने पहले ही पाकिस्तान के इन दावों को मनोहर कहानियां करार दिया था। वायुसेना के राफेल बेड़े के लिए ये सपोर्ट टेंडर सैफ्रन एयरक्राफ्ट इंजन को भेजा गया है, जो राफेल के एम88 इंजन बनाने वाली मूल कंपनी है। ये 36 राफेल विमान आईएएफ के नंबर 17 स्क्वाड्रन गोल्डन एरोज़ और नंबर 101 स्क्वाड्रन में तैनात हैं।

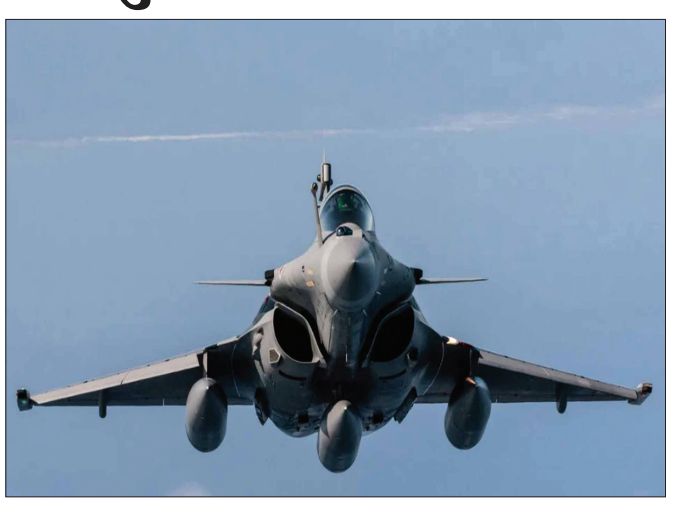

बेवफा निकली मनीषा, बर्बाद हुआ परिवार, कत्ल के बाद बोरे में भरी पत्नी की लाश

बागपत। बागपत के रटौल के खैला गांव में पत्नी मनीषा की हत्या करने के बाद उसका पति राहुल करीब आधे घंटे तक शव ठिकाने लगाने की जुगत में लगा रहा। पहले उसने शव को बोरे में भरकर जंगल या फिर नदी में फेंकने की योजना बनाई, लेकिन बोरा भारी होने के कारण उठा नहीं सका। इसके बाद शव को गड्ढे में दबाने का ख्याल आया और शव के पास बैठा रहा। बाद में कुछ समझ नहीं आया तो पुलिस के सामने जुर्म कबूलने की ठानी और फोन करके खुद ही हत्या करने के बारे में बताया। पुलिस के अनुसार, हत्यारोपी राहुल ने बताया कि हरिद्वार की फैक्टरी में काम करने के दौरान मिली मनीषा से कोर्ट मैरिज के बाद गांव आकर रहने लगा और दोनों का जीवन अच्छा चल रहा था। मनीषा के कहने पर बोपुरा में किराये पर कमरा लेकर टेंपो चलाने लगा। छह साल पहले मनीषा ने बेटी और चार साल पहले बेटे को जन्म दिया। चार साल पहले बेंगलूरु में नौकरी करने की बात कहकर मनीषा अपने साथ बेटे को लेकर चली गई। उसे शक था कि मनीषा किसी के संपर्क में आ गई है और उसी के साथ बेंगलूरु में रह रही है। बार-बार कहने पर मनीषा वापस नहीं आई। अब मनीषा बेटी को लेने आई थी। शनिवार दोपहर पत्नी की हत्या करने के बाद पुलिस की कार्रवाई से बचने के लिए शव को ठिकाने लगाने का प्रयास भी किया। हत्यारोपी ने बताया कि उसने शव ठिकाने लगाने के लिए कई तरीके भी सोचे। करीब आधे घंटे तक शव के पास ही बैठा रहा। बाद में शव थाने ले जाने के बारे में सोचा, पुलिस को फोन कर दिया। हत्यारोपी ने बताया कि मनीषा रविवार को वापस जाने के लिए तैयार कर रही थी। इसके लिए उसने हवाई जहाज के टिकट भी बुक करा रखे थे। बेटा जाने से मना कर रहा था और अपनी बहन, दादी के पास रहना चाहता था। बेटा बता रहा था कि बेंगलूरु में दूसरे पापा डांटते और मारते हैं। इसलिए भी राहुल का मनीषा के किसी अन्य के साथ रहने का शक गहरा गया। राहुल को अपनी पत्नी की हत्या का अफसोस है। उसने बताया कि मनीषा बेवफा निकली, शनिवार को उसकी जिद के कारण अचानक आए गुस्से में उसकी हत्या कर दी। अब उसका परिवार भी बर्बाद हो गया। दोनों बच्चों को पालने की जिम्मेदारी बुजुर्ग मां शीला, पिता भगवत ही संभालेंगे। राहुल और मनीषा में झगड़ा शुरू होते ही उसकी मां शीला डर गई, जो दोनों बच्चों को लेकर गांव में बने स्विमिंग पूल में नहलाने ले गईं। मनीषा की हत्या के बाद उसके घर के बाहर पुलिसबल पहुंचा तो गांव के लोगों ने शीला को पूरी घटना के बारे में बताया। इसके बाद शीला भी दोनों बच्चों को लेकर कहीं चली गई। राहुल का पिता भगवत दूध की गाड़ी चलाता है, जबकि छोटा भाई बॉबी कैब चलाता है। उत्तर प्रदेश के बागपत जिले से सनसनीखेज मामला सामने आया है। रटौल के खैला गांव में मनीषा (26) की उसके पति राहुल ने शनिवार दोपहर फरसे से गर्दन और कमर पर वार करके हत्या कर दी। इसके बाद शव नहर में फेंकने या दबाने के लिए बोरे में भर लिया। जब बोरा नहीं उठा तो पुलिस को फोन करके खुद ही पत्नी की हत्या करने की जानकारी दी। पुलिस ने हत्यारोपी पति को गिरफ्तार कर घटना में प्रयुक्त फरसा बरामद कर लिया। खैला गांव का राहुल नौ साल पहले हरिद्वार की एक फैक्टरी में नौकरी करता था। वहां पर उसका मनीषा निवासी बिजनौर के साथ प्रेम-प्रसंग हो गया, जो वहां किराये पर रहती थी। दोनों ने आठ साल पहले कोर्ट मैरिज कर ली और वहां से गांव आ गए। कुछ दिन बाद ही राहुल और मनीषा बोपुरा जिला गाजियाबाद में किराये पर कमरा लेकर रहने लगे, जहां राहुल ऑटो चलाता था। पुलिस की पूछताछ में हत्यारोपी ने बताया कि बोपुरा में रहने के दौरान मनीषा किसी के संपर्क में आ गई थी। चार साल पहले वह, उसे और उसकी बेटी अनन्या उर्फ मिष्ठी को छोड़कर बंगलूरु चली गई। वह तब अपने साथ बेटे कविश को ले गई थी। दो साल बाद वहां वापस आई और कई दिन रहने के बाद वापस चली गई। दो साल बाद बेटी को अपने साथ ले जाने के लिए शुक्रवार को मनीषा फिर से बंगलूरु से खैला गांव आ गई। वह रविवार को बंगलूरु वापस जाने की तैयारी कर रही थी। शनिवार को पति राहुल व पत्नी मनीषा के बीच बेटी को साथ ले जाने को लेकर झगड़ा हो गया। पति उसे बेटी को लेकर जाने के लिए मना करता रहा और मनीषा बेटी को ले जाने की जिद पर अड़ी रही। पुलिस पुलिस के अनुसार राहुल ने गुस्से में साइकिल के पैडल पर चेन चढ़ाने वाली धारदार चकरी लगवाकर बनवाए फरसे से मनीषा की गर्दन और कमर पर कई वार कर दिए। इससे मनीषा की मौके पर ही मौत हो गई।

सहारनपुर में विवाहित प्रेमिका और प्रेमी ने खाया जहर, खेत में पड़े मिले शव

सहारनपुर। जिले में रविवार को एक विवाहिता और युवक ने जहरीला पदार्थ खाकर जान दे दी। दोनों के शव गांव से थो?ी दूर खेत में मिले हैं। बताया जा रहा है कि दोनों के बीच कुछ समय से प्रेम प्रसंग चल रहा था। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। नागल थाना क्षेत्र के मड़की गांव निवासी नरेंद्र ने अपनी साली की बेटी काजल को गोद लिया था। करीब एक वर्ष पूर्व काजल की शादी देहात कोतवाली क्षेत्र के सुंदलहेड़ी गांव निवासी राजू के साथ की थी। बताया गया है कि शादी के पहले से काजल के अपने रिश्तेदारी में लगने वाले युवक अंकुश से प्रेम संबंध थे। शादी के बाद भी दोनों का मिलना-जुलना जारी था। परिजनों के मुताबिक, कुछ दिन पहले काजल के पति ने दोनों को साथ देख लिया था। इसके बाद काजल को मायके भेज दिया गया था, जहां वह पिछले करीब 10 दिन से रह रही थी। शनिवार को वह अचानक घर से गायब हो गई। उस समय उसके अभिभावक मजदूरी पर गए हुए थे। शाम को घर लौटने पर काजल के नहीं मिलने से परिजन चिंतित हो गए और उसकी तलाश शुरू की। नरेंद्र ने नागल थाने पहुंचकर बेटी को बहला-फुसलाकर ले जाने की आशंका जताते हुए पुलिस को सूचना दी। परिजनों का आरोप है कि तत्काल मुकदमा दर्ज करने के बजाय उन्हें कुछ समय इंतजार करने की सलाह दी गई। इसी दौरान रविवार को ग्रामीणों ने गांव के बाहर स्थित एक खेत में युवक और युवती के शव पड़े होने की सूचना दी। मौके पर पहुंचकर परिजनों ने उनकी पहचान काजल और अंकुश के रूप में की। सूचना मिलते ही पुलिस और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची और आवश्यक साक्ष्य जुटाने के बाद दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मौत के सही कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद चल सकेगा। फिलहाल सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच की जा रही है। सीओ द्वितीय मनोज कुमार यादव ने बताया कि अभी तक किसी पक्ष की ओर से कोई लिखित शिकायत नहीं दी गई है।

NAME CHANGE
I ZAHIDA ZAMIR W/0 Zamiruddin R/0 H No 9838 -39 Flat No.8 2nd Floor Gali Zamir Wali Azad Market Sadar Bazar Nawab Gang Delhi 110006 Changed my name to ZAHIDA BEGUM

NAME CHANGE
I, Nand Rai S/O Kailash Rai R/O Flat No-808, Tower N-24, Jaypee Aman, Sector-151, Noida, Gautam Budh Nagar, Uttar Pradesh 201310 Have Changed My Name to Nand Kumar Rai for All Future Purposes.

NAME CHANGE
I, Mohd Anjar S/O Jafaryab R/O House Number-385, Gali Number-17,b Block, Shriram Colony Rajeev Nagar, North East Delhi-110094 Have Changed My Name to Anjar for All Future Purposes.

NAME CHANGE
I SUMAN SAGAV W/O RANJEET PRASAD R/O H.NO A-19/1 SHIV MANDIR MARG NEAR ADARSH BAL BHARTI SCHOOL MANDAWALI FAZALPUR DELHI 110092 have changed my minor Daughter name HRIDHIMA TO HRIDHIMA PRASAD Permanently for all Future purpose

NAME AND DATE OF BIRTH CHANGE
I, RAMSWAROOP SINGH Father of JC-483363N Rank-SUB Name-RAMESH SINGH Residing at-VILL-NANGLI BALAHIR, TEHSIL-BEHROR, DIST-ALWAR, RAJASTHAN-301708, have changed my name from RAMSWAROOP SINGH to RAMSWARUP for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 03/05/1957 instead of my correct date of birth as 01/01/1953 Vide Affidavit dated 23/06/2026 before Notary Public Delhi

NAME AND DATE OF BIRTH CHANGE
I, RASHAM mother of JC-483363N Rank-SUB Name-RAMESH SINGH Residing at-VILL-NANGLI BALAHIR, TEHSIL-BEHROR, DIST-ALWAR, RAJASTHAN-301708, have changed my name from RASHAM to RESHAM for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 08/02/1960 instead of my correct date of birth as 01/01/1958 vide Affidavit dated 23/06/2026 before Notary Public, Delhi.

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को सूचित किया जाता है कि श्री सलाउद्दीन (पिता श्री अब्दुल हमीद) और मो. अशफ़ाक (पिता श्री लखमीर) ने प्रॉपर्टी नंबर J-3/137 (खसरा नंबर 54/12, आबादी किशन कुंज, लक्ष्मी नगर, गांव खुरेजी खास, इलाका शाहदरा, दिल्ली-110092) पर बने ग्राउंड फ्लोर और तीसरे फ्लोर (हर फ्लोर का एरिया 30 वर्ग गज) के संबंध में, रजिस्टर्ड IGPA (दिनांक 04.07.2011, SRO-VIII, नई दिल्ली/दिल्ली में डॉक्यूमेंट नंबर 5731, बुक नंबर 4, वॉल्यूम नंबर 3811, पेज नंबर 189-195 पर रजिस्टर्ड) और श्रीमती नसीम बेगम (पति श्री एजाज़ अनवर खान) द्वारा निष्पादित ATS और वसीयत के आधार पर, उक्त प्रॉपर्टी मो. रफीक को बेचने का निर्णय लिया है और इसके लिए SMFG इंडिया होम फाइनेंस कंपनी लिमिटेड से फाइनेंस लिया जा रहा है। आम जनता को सूचित किया जाता है कि यदि किसी का उक्त प्रॉपर्टी पर कोई अधिकार/हित/टाइटल है या कोई विवाद है, तो कृपया इस सूचना के 07 दिनों के भीतर नीचे दिए गए पते पर लिखित रूप में सूचित करें।.

Rahul Raj, Advocate,
SG Associates (Law Firm)
B-01, Plot No. 20, Kaushambi, Ghaziabad-201010.
E-MAIL:sgassociatespl@gmail.com.
Ph: 0120-4968888, 8130309204.

NAME CHANGE
I SUMAN SAGAV W/O RANJEET PRASAD R/O H.NO A-19/1 SHIV MANDIR MARG NEAR ADARSH BAL BHARTI SCHOOL MANDAWALI FAZALPUR DELHI 110092 have changed my minor Daughter name HRIYANSHI TO HRIYANSHI PRASAD Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE
I ANKIT SANTOSH SINGH S/O SANTOSH SINGH R/O AVANV MUBARAK PUR AZAMGARH SATHION UTTAR PRADESH 276406 have changed my name to ANKIT SINGH Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE
I SANJAY THAKUR S/O GOVERDHAN R/O JHUGGI NO S99-435 SHAMSHAN BHOOMI MOTILAL NEHNU CAMP J.N.U DELHI 110067 have changed my name to SANJAY KUMAR Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE
I SANGITA AGARWAL W/O ASHWINI KUMAR AGARWAL R/O FLAT NO- 8 SHUBHAM APARTMENTS, PLOT NO 37, I.P. EXTENSION PATPARGANJ DELHI 110092 have changed my name to SANGITA AGRAWAL Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE
I , Nafees Ahmed S/o Noor Ahmed r/o C/O:, 2901, 2nd Floor, Gali Captain Wall, Kucha Chalan, Darya Ganj,Delhi – 110002 inform that I have changed my name from nafis Ahmed to Nafees Ahmed for all future purposes , Both Nafees Ahmed and nafis Ahmed are same and one person

DATE OF BIRTH CORRECTION
I, JIYA SINGH, is legally daughter of Army No. 2803258M, Rank - Hav/ HK, Name - NANDLAL KUMAR SINGH, presently residing at Vill - Bheriya, Post - Dhamar, Dist - Ata, State - Bihar, Pin - 802156, have corrected my date of birth from 29/07/2008 to 24/02/2008 for all future purposes. Vide affidavit dated 15/06/2026 before Public Notary Delhi.

PUBLIC NOTICE
GENERAL PUBLIC IS HEREBY INFORMED THAT MR. SATYA PAL YADAV IS OWNER AND IN POSSESSION OF "PLOT NO. R/119 (EXCEPT SECOND FLOOR), AREA 70 SQ. YDS., KHASRA NO. 31/410/28/1, SITUATED AT VILLAGE AZADPUR, KEWAL PARK, GOPAL NAGAR, DELHI (SAID PROPERTY)" AND ACQUIRED THE SAID PROPERTY VIDE NOTARIZED GPA, ATS & REGD. WILL (DOC NO. 21482) DATED 26.04.1989 EXECUTED BY MR. SHIVJI LAL BANSAL IN FAVOUR OF MR. SATYA PAL YADAV. NOW MRS. PREETI IS GOING TO PURCHASE THE SAID PROPERTY, FROM OWNER / SELLER MR. SATYA PAL YADAV, WHICH WILL BE MORTGAGED WITH TRU HOME FINANCE LIMITED AS SECURITY AGAINST HOUSING LOAN FOR PURCHASING OF SAID PROPERTY. PLEASE CONTACT WITH WRITTEN OBJECTION LETTER AND RELEVANT DOCUMENTS TO UNDERSIGNED IF ANYONE HAS AN OBJECTION IN RESPECT OF SAID PROPERTY WITHIN 10 DAYS OF THIS PUBLICATION.

ADITYA VERMA, ADVOCATE
E-16, 1ST FLOOR, E-BLOCK, MANSAROVAR PARK, SHAHDARA, DELHI-110032.
MOBILE NO. 9999042521

NAME CHANGE
It is for general information that I SATYAVAN S/O RAMPAT R/O H.No 28-A, Vill Auchandi North West Delhi, Delhi-110039 declare that name of mine has been wrongly written as SATYAWAN in my service record. The actual name of mine is SATYAVAN which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I hitherto known as PUSHKAR son of SANJEEV KHATANA residing at KHAJURI KHAS, VILLAGE, HOUSE NO-55, GALI NO-1, KARAWAL NAGAR, NORTH EAST DELHI ,DELHI-110094 have changed my name and shall hereafter be known as PUSHKAR KHATANA.

NAME CHANGE
I, SWAMI NATHAN S/o. RAJU PANAGULAM R/o. H NO-155 B-SECOND FLOOR, ROOM NO-106, MOHAMMADPUR, Delhi-110066 have changed my name to SWAMINATHAN RAJU.

NAME CHANGE
I, RAMA DEVI mother of JC-813291L Rank-NB SUB Name-ANJESH KUMAR residing at VILL-MANIKPUR, PO-BHAINSOL, TEHSIL-BIDHUNA, DISTT-AURAIYA, UP-206241 have changed my name from RAMA DEVI to RAMVATI for all future purposes vide Affidavit dated 23/06/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME AND DATE OF BIRTH CHANGE
I, RAM BAHAL YADAV Father of No. 15440277F Rank-NK Name-MANOJ KUMAR YADAV Residing at-VILL-TELHANAPAR, PO-SARDAR NAGAR, TEHSIL-CHAURI-CHAURA, DIST-GORAKHPUR, UTTAR PRADESH-273202, have changed my name from RAM BAHAL YADAV to RAM BAHAR for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 15/05/1948 instead of my correct date of birth as 25/10/1952 Vide Affidavit dated 23/06/2026 before Notary Public Delhi

NAME AND DATE OF BIRTH CHANGE
I, DHANAWATI DEVI mother of No. 15440277F Rank-NK Name-MANOJ KUMAR YADAV Residing at-VILL-TELHANAPAR, PO-SARDAR NAGAR, TEHSIL-CHAURI-CHAURA, DIST-GORAKHPUR, UTTAR PRADESH-273202, have changed my name from DHANAWATI DEVI to DHANAVATI DEVI for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 08/03/1950 instead of my correct date of birth as 30/09/1954 vide Affidavit dated 23/06/2026 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE
Information is given to general public at large that our client Mrs. Poonam Yadav W/o Mr. Rahul Yadav purchasing Freehold Residential Plot, area measuring 114 sq. yds. i.e. 95.31 sq. mtrs., out of Khasra no. 3100 min, Situated in Village Shahpur Bamheta (Androon Purani Abadi) Pargana Dasna, Tehsil & District Ghaziabad Uttar Pradesh. from 1. Mr. Amit Kumar 2. Mr. Lekh Ram 3. Mrs. Rekha 4. Lalita all D/S/o Lt. Mr. Atar Singh 5. Mrs. Kamlesh D/o Lt. Mr. Ravi Kumar & 6. Mrs. Varsha W/o Lt. Mr. Ravi Kumar., initially Mrs. Phoolwati W/o Late Mr. Atar Singh was the absolute owner by virtue of Sale deed dated 09.11.2009 Vide Doc. No. 4310, Book No. 1, Vol. No. 8079, Page No. 143-170, Dated 09.11.2009, SR I, Ghaziabad., Thereafter Mrs. Phoolwati W/o Lt. Mr. Atar Singh died on 22.07.2018., our client is declaring that any other Person does not have any right over the said property, which is to be financed by IndusInd Bank Ltd. Branch: East Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3, Vaishali, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

NAME CHANGE
I hitherto known as Ram Bharat Singh S/O Ramniwas R/O Murawal, Post Bhalokhara, Fatehabad, PO: Fatehabad, DIST: Agra, Uttar Pradesh - 283111, have changed my name and shall hereafter be known as Shailesh Kumar.

NAME CHANGE
I DHARMESH S/O ASHOK KUMAR R/O H NO-418 AALI VILLAGE SARITA VIHAR SOUTH DELHI 110076 HAVE CHANGED MY NAME TO DHARMESH KUMAR

NAME CHANGE
I, Rakhshanda W/O Mohsin Ali Khan R/O 561-A/18 Zakir Nagar Okhla,Delhi 110025 have Changed my Name Rakhshanda Khan for all future Purposes

NAME CHANGE
I, MOHAMMED ASHFAQ S/O MOHAMMAD YOUSUF residing at H NO-3113, GALI AZIZUDDIN WAKIL WALI, KUCHA PANDIT, HAUZ QAZI, DELHI-110006 have changed my name to MOHAMMAD ASHFAQ for all future purpose.

NAME CHANGE
I, SHAHID AKHTAR KHAN R/o E-49/F-306, GALI NO-18, JANTA MAZDOOR COLONY, BABAR PUR, DELHI-110053 have changed my name to SHAHID KHAN.

NAME CHANGE
I, MD AMJAD ALI S/o SAHAB ALI R/o D-184, Gali No.1, Roshan Nagar, Agwanpur, Faridabad-121003, Haryana, have changed my name from MD AMJAD ALI to AMJAD ALI permanently.

NAME CHANGE
I, SADMAAN S/o SHAMSAD R/O HOUSE NO 278, E-7A, SANGAM VIHAR, NEW DELHI 110080 have changed my name from SADMAAN to SHADMAN ANSARI, and henceforth I shall be known as SHADMAN ANSARI, for all future purposes.

NAME CHANGE
I, NANDA, is legally mother of Army No. 2810765H, Rank - Sep, Name - CHAUDHARI SAGAR ANIL, presently residing at Vill - Malegaon, Post - Malegaon, Teh - Malegaon, Dist - Nashik, State - Maharashtra, Pin - 423201, have changed my name from NANDA to NANDA ANIL CHAUDHARI and date of birth from 11/09/1969 to 11/09/1971 for all future purposes. Vide affidavit dated 23/06/2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I, CHAUDHARI MOHINI SAGAR, is legally spouse of Army No. 2810765H, Rank - Sep, Name - CHAUDHARI SAGAR ANIL, presently residing at Vill - Malegaon, Post - Malegaon, Teh - Malegaon, Dist - Nashik, State - Maharashtra, Pin - 423201, have changed my name from CHAUDHARI MOHINI SAGAR to MOHINI SAGAR CHAUDHARI for all future purposes. Vide affidavit dated 23/06/2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I, MOHAMMAD SAJID S/o. HASHIM R/o. S-380 A, NEAR-RAILWAY LINE, SCHOOL BLOCK, SHAKARPUR, Delhi-110092 have changed my name to MOHD SAJID.

PUBLIC NOTICE
NOTICE is hereby given to public at large that my client **Mr. Padam Singh Yadav** is purchasing the Residential Vacant Plot area measuring 100 Sq. yds. (83.61 Sq. Mtrs.), out of Khasra no. 27, situated as Deep Vihar in village Chhaprula, Pargana & Tehsil Dadri, Distt. Gautam Budh Nagar from Smt. Baleshwari who is the owner of the property vide Sale Deed dated 22.08.2024 which is registered as doc no. 43820, Book no. 1, Volume no. 28442, Pages no. 95-124, dated 22.08.2024, SRO- Dadri, Gautam Budh Nagar and Intend to mortgage the said property with **Aditya Birla Housing Finance Limited. That the Original Sale Deed** 09.09.2011 executed by Sh. Manoj Kumar S/o Inderjeet Singh in favour of Smt. Santra W/o Jagvir in respect of Residential Vacant Plot area measuring 100 Sq. yds. (83.61 Sq. Mtrs.), out of Khasra no. 27, as Vide Doc no. 14095, Book no. 1, Volume no. 3721, Pages no. 355-378, dated 09.09.2011, SRO-Dadri is lost/Misplaced. Public is being warned not to deal with the said document. Any person dealing with the said document would do so at their own risk & responsibility. Owner shall not be liable in any manner whatsoever for any loss incurred by such person. If anybody found these document or notice any misuse of the above mentioned document, Concern person is required to communicate in writing to the undersigned at below address.

Khaitan & Khaitan
Plot No. 100 ,1st floor
Okhla Phase III, New Delhi
Ph. No: 011-49774545

PUBLIC NOTICE
I, Preeti Sharma D/O Vinod Kumar Sharma resident of Noorganj sovaran ki dukan ke samne lohamandi, Gwalior, Gird, PO: Gwalior City, DIST: Gwalior, Madhya Pradesh – 474003, do hereby undertaking that I Preeti Sharma want to change my name to Priyanshu Sharma and my gender to Male.. I, Preeti Sharma , henceforth shall be known as Priyanshu Sharma S/O Vinod Kumar Sharma . The above statement made by me is true and correct to the best of my knowledge and belief. If any legal issue arises in this regard at any stage, I shall be personally responsible for the same, and the Department of Publication shall not be liable for any consequences arising therefrom.

PUBLIC NOTICE
I, Palak D/O Devendra Singh resident of Mohalla majid ganj , Najibabad , Bijnor , Uttar Pradesh - 246763 . do hereby undertaking that I Palak want to change my name to Shaurya . And My Gender as Male. I, , Palak henceforth Be known as Shaurya S/O Devendra Singh . The above statement made by me is true and correct to the best of my knowledge and belief. If any legal issue arises in this regard at any stage, I shall be personally responsible for the same, and the Department of Publication shall not be liable for any consequences arising therefrom.

NAME CHANGE
I, hitherto known as SUFIYAN S/O ANARUL SHEKH R/O Gali No 1, Kakrala Phase-2, Sector -80, Noida, PO : Noida, Dist: Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh -201301 have changed my name and shall hereafter be known as SUFIYAN SHEKH.

NAME CHANGE
I, hitherto known as FAJERA W/O ANARUL R/O Village-Kakrala Khawasur, Sector -80,Phase-2, Noida, PO : Noida, Dist: Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh -201301 have changed my name and shall hereafter be known as FAJERA BIBI.

NAME CHANGE
I, hitherto known as BRAHMPAL SINGH S/O KANCHAN SINGH R/O Mathna, Aligarh Kilpur, Uttar Pradesh-202141, have changed my name and shall hereafter be known as PREMPAL SINGH.

NAME CHANGE
I hitherto known as UMA DEVI W/O MANOJ KUMAR R/O RZ-1/315 Gali No -1 Durga park Dabri South West Delhi Delhi - 110045have changed my name and shall hereafter be known as UMA RAJPUT.

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को सूचित किया जाता है कि श्रीमती सरोज देवी (पत्नी श्री गुलाब चंद गुप्ता) प्लॉट नंबर RZ-318/396 (कुल 153 वर्ग गज में से 30 वर्ग गज का हिस्सा), खसरा नंबर 396, गांव नसीरपुर, वेस्ट सागरपुर (शिव पुरी) आबादी, गली नंबर 6, नई दिल्ली में स्थित प्रॉपर्टी की मालिक हैं। यह मालिकाना हक उन्हें 07.04.2008 को रजिस्टर्ड GPA (डॉक्यूमेंट नंबर 1311, बुक नंबर 4, वॉल्यूम नंबर 1269, पेज 170-175, SR-IX, नई दिल्ली) ओर ATS व वसीयत के जरिए मिला है, जिसे श्री सुरेश राम गुप्ता (पुत्र श्री विश्व नाथ गुप्ता) ने श्री धर्मवीर के GPA के तौर पर निष्पादित किया था। अब यह प्रॉपर्टी श्री संजीव राठोर और श्री प्रदीप कुमार को बेची जा रही है ओर इसके लिए SMFG इंडिया होम फाइनेंस कंपनी लिमिटेड से फाइनेंस लिया जा रहा है। आम जनता को सूचित किया जाता है कि यदि किसी का भी इस प्रॉपर्टी पर कोई दावा/हित/अधिकार या कोई विवाद है, तो कृपया नीचे दिए गए पते पर 07 दिनों के भीतर लिखित रूप में सूचित करें।.

Rahul Raj, Advocate,
SG Associates (Law Firm)
B-01, Plot No. 20, Kaushambi, Ghaziabad-201010.
E-MAIL:sgassociatespl@gmail.com.
Ph: 0120-4968888, 8130309204.

PUBLIC NOTICE
NOTICE is hereby given to public at large that my client **Mrs. Ritika Goel & Mrs. Manisha Goel** is/are purchasing the Second Floor (RHS Portion) without roof rights of Property Bearing No. 16, area measuring 100 Sq. yds., out of Khasra No. 52/10, situated in Unauthorized Colony, Laxmi Nagar, J & K Extension from Mrs. Mousumi Patil who is the owner of the property vide Authorization Slip (PM Uday) dated 13.03.2020 which is registered as doc no. Doc. No. 3827, Book No. 1,Vol. No.1911, Page No. 127-130, dated 12.10.2020, SR- VIIIA Delhi and Intend to mortgage the said property with **Aditya Birla Housing Finance Limited. That the Original Sale Deed** 22.06.2010 executed by Mrs. Swati Jain in favour of Mrs. Tarun Grover & Mr. I.D. Mongia in respect of said property which is registered as doc no. 13113, Book No. 1, Vol. No. 4778, Page No. 23-29, dated 06.07.2010, SR- VIII Delhi is **lost/Misplaced.** Public is being warned not to deal with the said document. Any person dealing with the said document would do so at their own risk & responsibility. Owner shall not be liable in any manner whatsoever for any loss incurred by such person. If anybody found these document or notice any misuse of the above mentioned document, Concern person is required to communicate in writing to the undersigned at below address.

Khaitan & Khaitan
Plot No. 100 ,1st floor
Okhla Phase III, New Delhi
Ph. No: 011-49774545

PUBLIC NOTICE
I, Sneha Gupta D/O Narendra Gupta resident of Sarahari, VTC: Sarhari, PO:Sarhari, Sub District: Campierganj, District: Gorakhpur : State : Uttar Pradesh ,Pin code : 273165 . do hereby undertaking that I Sneha Gupta want to change my name to Siddharth Gupta. And My Gender to Male. I, Sneha Gupta henceforth shall be known as Siddharth Gupta S/O Narendra Gupta .The above statement made by me is true and correct to the best of my knowledge and belief. If any legal issue arises in this regard at any stage, I shall be personally responsible for the same, and the Department of Publication shall not be liable for any consequences arising therefrom.

PUBLIC NOTICE
I Deepti Rani Haldar D/O Govind Kumar Haldar R/O Gram - Manpur Ojha , Post - Ashoknagar , Bilaspur, Rampur , Bilaspur , Uttarpradesh , 244921 UNDERTAKE THAT I Deepti Rani Haldar CHANGE MY NAME Tanish AND GENDER AS MALE. I Deepti Rani Haldar. HENCEFORTH BE KNOWN AS Tanish S/O Govind Kumar Haldar . THE ABOVE STATEMENT MADE BY ME IS TRUE AND CORRECT TO THE BEST OF MY KNOWLEDGE AND BELIEF. IF ANY LEGAL ISSUE ARISES IN THIS REGARD AT ANY STAGE, I WILL BE PERSONALLY RESPONSIBLE FOR THE SAME AND THE DEPARTMENT OF PUBLICATION WILL NOT BE LIABLE AS FOR ANY CONSEQUENCES ARISING THEREFROM.

PUBLIC NOTICE
I,Mampi Sha D/O Raj Kumar Sha R/O H No. 0 Sain Vihar, Part 3 Gali No. 9 to 12, 0, Vijay Nagar, Ghaziabad, Ghaziabad, Uttar Pradesh - 201009, do hereby undertake that I, Mampi Sha want to change my name to Manpreet Sha and gender as Male. I, Mampi Sha henceforth be known as Manpreet Sha S/O Raj Kumar Sha The above statement made by me is true and correct to the best of my knowledge and belief. If any legal issue arises in this regard at any stage, I shall be personally responsible for the same, and the Department of Publication shall not be liable for any consequences arising therefrom

PUBLIC NOTICE
I hitherto known as SHUBHAM S/o RAJESH KAUSHAL residing at JAI PRAKASH NAGAR, WARD NO.20, NAUTANWA, PO NAUTANWA BAZAR, DIST. MAHARAJGANJ, UTTAR PRADESH-273164 have changed my name and shall hereafter be known as KAUSHAL SHUBHAM RAJESH. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को सूचित किया जाता है कि मथुरा स्थित शाखा कार्यालय वाली मुथूट होमफिन (इंडिया) लिमिटेड, हरिनगर कॉलोनी, केशोपुर मनोहरपुर, तहसील एवं जिला मथुरा, उत्तर प्रदेश में स्थित प्लॉट संख्या 28 और 29 के भाग पर बने मकान (35.71 वर्ग मीटर क्षेत्रफल) की गिरवी के बदले श्री मुकेश शर्मा को वित्तीय सहायता प्रदान करने का इरादा रखती है। प्रारंभ में, 250 वर्ग मीटर क्षेत्रफल का यह भूखंड श्री उदयराम की पत्नी श्रीमती जानकी देवी के स्वामित्व में था, जिसका विक्रय विलेख दिनांक 21.09.1981 को श्री उमा चरण, पुत्र स्वर्गीय श्री लाला गुलाब राय जी द्वारा निष्पादित किया गया था। इसके बाद, श्रीमती जानकी देवी, श्री छिद्दी और श्रीमती ब्राजो का निधन हो गया। हालांकि, उपरोक्त मृतकों के मृत्यु प्रमाण पत्र और उत्तरजीवी सदस्य प्रमाण पत्र (एसएमसी) वर्तमान में उपलब्ध नहीं हैं। तदनुसार, उपर्युक्त संपत्ति या मुथूट होमफिन (इंडिया) लिमिटेड के पक्ष में प्रस्तावित बंधक के संबंध में किसी भी अधिकार, हक, हित, दावे, ग्रहणाधिकार, प्रभार, भार या आपत्ति रखने वाले किसी भी व्यक्ति/संस्था को एतद्द्वारा इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 14 (चौदह) दिनों के भीतर अपने दावे/आपत्तियां लिखित रूप में, सहायक दस्तावेजों सहित, अधोहस्ताक्षरी को प्रस्तुत करने के लिए कहा जाता है। यदि कोई दावे/आपत्तियां हों, तो उन्हें अधिवक्ता ऋषि माहेश्वरी (मोबाइल नंबर- +91-9340118309) को प्रस्तुत किया जा सकता है। निर्धारित अवधि के भीतर ऐसी सूचना न देने की स्थिति में, यह मान लिया जाएगा कि ऐसा कोई दावा या आपत्ति मौजूद नहीं है, और प्रस्तावित लेनदेन बिना किसी और संदर्भ के पूरा कर दिया जाएगा।

ऋषि माहेश्वरी (अधिवक्ता)
कार्यालय का पता- आरजेड-29, ऊपरी भूतल, भगवती गार्डन जैन रोड, द्वारका मोड़ के पास, नई दिल्ली 110059।
संपर्क नंबर- +91- 9340118309

NAME CHANGE
I, Sabitri Debi Singh W/O Ram Kumar Singh R/O Flat No-2008, Crossing Nifra, Gh-7, Crossing Republik,dundahera, Ghaziabad, Uttar Pradesh- 201016 have changed my name to Savitri Singh for all future purposes.

NAME CHANGE
I, SUKH DEO ROY father No. 15155429W, Rank-HAV, Name-AJAY KUMAR residing at TETARPUR, MOHIUDDINAGAR, PO: MOHIUDDIN NAGAR R.S, DIST: SAMASTIPUR, BIHAR-848502 have changed my name SUKH DEO ROY to SUKHDEO RAI for all future purposes vide Affidavit Dated 23/06/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, DINESH S/o CHANDAN LAL R/o House No: 3201, DLF Phase-4, Gurgaon - 122001, Haryana have my name from DINESH to DINESH CHAND for all intents and purposes.

NAME CHANGE
I, Neelam Sharma W/O Bharat R/O M 16 UGF Back Side, Gali No 3, Near Sanatan Dharm Mandir, Mohan Garden, West Delhi - 110059. Have Changed My Name To Neelam. For all future purpose

PUBLIC NOTICE
I hitherto known as SHUBHAM S/o RAJESH KAUSHAL residing at JAI PRAKASH NAGAR, WARD NO.20, NAUTANWA, PO NAUTANWA BAZAR, DIST. MAHARAJGANJ, UTTAR PRADESH-273164 have changed my name and shall hereafter be known as KAUSHAL-SHUBHAM RAJESH. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

PUBLIC NOTICE
I,Mampi Sha D/O Raj Kumar Sha R/O H No. 0 Sain Vihar, Part 3 Gali No. 9 to 12, 0, Vijay Nagar, Ghaziabad, Ghaziabad, Uttar Pradesh - 201009, do hereby undertake that I, Mampi Sha want to change my name to Manpreet Sha and gender as Male. I, Mampi Sha henceforth be known as Manpreet Sha S/O Raj Kumar Sha The above statement made by me is true and correct to the best of my knowledge and belief. If any legal issue arises in this regard at any stage, I shall be personally responsible for the same, and the Department of Publication shall not be liable for any consequences arising therefrom

सार्वजनिक सूचना
यह सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल श्री आकाश उपरोक्त संपत्ति के अपर ग्राउंड फ्लोर, क्षेत्रफल लगभग 95 वर्ग गज, जो कि संपत्ति संख्या त-126, कुल क्षेत्रफल 123 वर्ग गज, खसरा संख्या 431, स्थित जी-ब्लॉक, छत्तरपुर एक्सटेंशन, राजस्व ग्राम छत्तरपुर, नई दिल्ली-110074 का अभिन्न भाग है, के विधिक स्वामी हैं। उक्त संपूर्ण संपत्ति के मूल राजस्व अभिलेखित स्वामी (1) श्री किशन लाल एवं (2) श्री हरिन्दर सिंह चड्ढा थे। तत्पश्चात उन्होंने दिनांक 12.04.1999 के GPA, ATS एवं Will के माध्यम से उक्त संपत्ति श्री अरुण खन्ना के पक्ष में हस्तांतरित की। इसके उपरांत श्री अरुण खन्ना ने दिनांक 25.08.2004 के GPA, ATS एवं Will के माध्यम से उक्त संपत्ति श्री नसीम अहमद के पक्ष में हस्तांतरित की। तत्पश्चात श्री नसीम अहमद ने दिनांक 20.12.2021 के GPA, ATS एवं Will के माध्यम से उक्त संपत्ति श्रीमती लक्ष्मी देवी के पक्ष में हस्तांतरित की। अंततः श्रीमती लक्ष्मी देवी ने दिनांक 30.04.2026 की विधिवत पंजीकृत विक्रय विलेख (Sale Deed) के माध्यम से उक्त संपत्ति श्री आकाश के पक्ष में विक्रय एवं हस्तांतरित कर दी। उक्त संपत्ति किसी भी प्रकार के बंधक (Mortgage), प्रभार (Charge), ग्रहणाधिकार (Lien), भार (Encumbrance) अथवा अन्य किसी दावे से मुक्त है। तथापि, उक्त संपत्ति का वास्तविक एवं भौतिक कब्जा वर्तमान में श्री आकाश के पास है। उक्त संपत्ति के विरुद्ध आरबीएल बैंक लिमिटेड (RBL Bank Ltd), शाखा- ए.एफ.-19, 20 एवं 21, प्रथम तल, आदित्य मॉल, इंदिरापुरम, गाज़ियाबाद, उत्तर प्रदेश द्वारा वित्तीय सहायता (Housing Loan) प्रदान किए जाने का प्रस्ताव है। यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस सूचना की तिथि से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से एवं ई-मेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजी जा सकती है। यदि निर्दिष्ट अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी दावा अमान्य और निष्प्रभावी माना जाएगा।

[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चेंबर संख्या 122, तहसील परिसर, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल-
kumarw®wvashwani@gmail.com

NAME CHANGE
I, Bharat Sharma S/O Badri Prasad R/O M 16, Gali No 3, Near Sanatan Dharm Mandir, Mohan Garden, West Delhi - 110059. Have Changed My Name To Bharat for all future purposes.

NAME CHANGE
I,PANKAJ AGGARWAL S/o Ramavtar Aggarwal R/o WZ-337, Street No.12, Lajwanti Garden, Delhi-110046, have changed my minor daughter's name from ASHITA AGARWAL to AKSHITA AGGARWAL permanently.

NAME CHANGE
I, PANKAJ AGARWAL S/o Ramavtar Aggarwal R/o WZ-337, Street No.12, Lajwanti Garden, Delhi-110046, have changed my name from PANKAJ AGARWAL to PANKAJ AGGARWAL permanently.

NAME CHANGE
I,ASHU AGARWAL W/o Pankaj Aggarwal R/o WZ-337, Street No.12, Lajwanti Garden, Delhi-110046, have changed my name from ASHU AGARWAL to ASHU AGGARWAL permanently

NAME CHANGE
I hitherto known as Kushgra Gupta S/o Sandeep Gupta R/o Plot No-61, Second Floor, Niti Khand-1, Indirapuram, Shipra Sun City, Shipra Sun C, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201014 have changed my name and shall hereafter be known as Kushagra Garg.

NAME CHANGE
I Ranganathan Tirupukuzhi Vankeepuram S/o Parthasarathy R/o Tower-Victoria A/301, Grand Omaxe, Sector-93-B, Noida, Maharishi Nagar, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-201304 have changed the name of my minor daughter Tirupukuzhi Vankeepuram Keerti aged 13 years and she shall hereafter be known as Keerti Ranganathan.

NAME CHANGE
I hitherto known as Mohd Azeez S/o Nizamuddin R/o 18, Ashok Vihar, Jamalpura-1, Loni Dehat, Loni, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201102 have changed my name and shall hereafter be known as Mohd Aziz.

NAME CHANGE
I hitherto known as SANDEEP S/O SUBHASH CHAND R/O RZ-213, Gali no,14, Sadh Nagar,Palam Colony , PALAM COLONY, South West Delhi,- 110045 have changed my name and shall hereafter be known as SANDEEP JANGID.

सार्वजनिक सूचना
यह सूचित किया जाता है कि श्रीमती रंजू, श्री मनोज यादव से खसरा संख्या 91 में स्थित, ग्राम हैबतपुर, परगना एवं तहसील दादरी, जनपद गौतम बुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश स्थित प्लॉट संख्या 330 के आवासीय भाग, क्षेत्रफल 50 वर्ग गज (कुल क्षेत्रफल 200 वर्ग गज में से) क्रय करना चाहती हैं। राजस्व अभिलेखों के अनुसार उक्त सम्पूर्ण संपत्ति के मूल स्वामी श्री जय पाल एवं श्री सुरेश थे, जिन्होंने दिनांक 09.09.2011 की पंजीकृत सामान्य पावर ऑफ अटॉर्नी (Registered GPA) के माध्यम से उक्त संपत्ति श्री शिव नारायण के पक्ष में हस्तांतरित की थी। तत्पश्चात श्री शिव नारायण ने दिनांक 21.09.2021 की विक्रय विलेख (स्डुद्यद्द ष्ठद्गद्गस्र) के माध्यम से उक्त संपत्ति श्री जस्कर्न सिंह को विक्रय कर दी। श्री जस्कर्न सिंह ने दिनांक 30.05.2018 को एक पंजीकृत वसीयत (Registered Will) निष्पादित की थी, जिसके द्वारा उन्होंने अपने पुत्र श्री अजीत सिंह एवं पत्नी श्रीमती अमृत कौर को लाभार्थी नियुक्त किया था। दुर्भाग्यवश, श्री जस्कर्न सिंह का दिनांक 25.12.2018 को निधन हो गया। उनके पश्चात उनके पुत्र श्री अजीत सिंह, पत्नी श्रीमती अमृत कौर तथा पुत्री श्रीमती गुरलीन कौर उनके वैध उत्तराधिकारी (Legal Heirs) के रूप में शेष रहे। तत्पश्चात, श्री अजीत सिंह एवं श्रीमती अमृत कौर ने दिनांक 23.04.2026 की विक्रय विलेख (Sale Deed) के माध्यम से उक्त संपत्ति श्री मनोज यादव को विक्रय कर दी। दस्तावेजों की श्रृंखला (Chain of Documents) के अवलोकन से ज्ञात होता है कि दिनांक 30.05.2018 की पंजीकृत वसीयत के संबंध में प्रोबेट आदेश (Probate Order) तथा श्रीमती गुरलीन कौर द्वारा जारी अनापत्ति प्रमाण-पत्र (NOC) तथा दाखिल खारिज उपलब्ध नहीं है। कृपया संज्ञान लें कि उक्त संपत्ति पर डीसीबी बैंक लिमिटेड (DCB Bank Ltd), गाजियाबाद शाखा, उत्तर प्रदेश द्वारा वित्तपोषण (Finance) प्रस्तावित है। यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस सूचना की तिथि से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से एवं ई-मेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजी जा सकती है। यदि निर्दिष्ट अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी दावा अमान्य और निष्प्रभावी माना जाएगा।

[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चेंबर संख्या 122, तहसील परिसर, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल-
kumarw®wvashwani@gmail.com

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **मनीष कुमार, पुत्र:** बाबू, **निवासी:** म. नं. 209, सुल्तान नगर, छज्जूपुर, मुराद नगर, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश–201206 ने मुकदमा **CC No. 7632/24 U/s 138 NI Act, थाना: देश बंधु गुप्ता रोड, नई दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **मनीष कुमार** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्षित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **मनीष कुमार** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि मुकदमा **CC No. 7632/24 U/s 138 NI Act, थाना: देश बंधु गुप्ता रोड, नई दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **मनीष कुमार** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **02.09.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
श्री अर्जुन किरार
न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी–05 (एनआई एक्ट) (केन्द्रीय)
कमरा नं. 2, तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

DP/8383/CD/2026
(Court Matter)

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

महिला आयोग में गैर सरकारी सदस्यों की संख्या होगी सात

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने एक अहम फैसला लेते हुए राज्य महिला आयोग में नामजद होने वाली गैर सरकारी महिला सदस्यों की संख्या को पांच से बढ़ाकर सात कर दिया है। मुख्यमंत्री नायब सैनी की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में यह फैसला लिया गया। बैठक के बाद आज शाम चंडीगढ़ में पत्रकारों से बातचीत में मुख्यमंत्री ने बताया कि बैठक में हरियाएणा राज्य महिला आयोग संशोधन 2026 को मंजूरी दी गई है। आयोग में पिछले कुछ समय के दौरान आने वाली शिकायतों में वृद्धि हुई है। आयोग का कार्यभार बढ़ा है। महिलाओं को त्वरित रूप से मिल सके तथा आयोग की संस्थागत मजबूती के उद्देश्य से यहां गैर सरकारी सदस्यों की संख्या बढ़ाने का निर्णय लिया गया है। अभी तक आयोग में सदस्यों की संख्या पांच होती थी लेकिन भविष्य में यहां सात सदस्य नामजद किए जा सकेंगे। गौरतलब है कि राज्य सरकार ने हाल ही में एक विवाद के बाद महिला आयोग का पुनर्गठन किया है।

मीट की दुकान व स्लाटर हाउस संचालन को दोहरा लाइसेंस जरूरी नहीं

चंडीगढ़। हरियाणा में अब नगर पालिका तथा नगर निगम की सीमा में मीट की दुकान करने तथा सलाटर हाउस चलाने के लिए नगर पालिका व नगर निगम के लाइसेंस की जरूरत नहीं होगी। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में हरियाणा नगर पालिका संशोधन अध्यादेश 2026 और नगर निगम संशोधन अध्यादेश 2026 को मंजूरी प्रदान की गई। इस अध्यादेशों के माध्यम से मंत्रिमंडल ने हरियाणा नगर पालिका अधिनियम, 1973 की धारा 200 की उपधारा (1) तथा हरियाणा नगर निगम अधिनियम, 1994 की धारा 329 की उपधारा (1) में संशोधन को मंजूरी दी है। भारत सरकार के मंत्रिमंडल सचिवालय के डी-रेगुलेशन सेल द्वारा दोहरे लाइसेंस समाप्त करने के निर्देशानुसार यह निर्णय लिया गया है। संशोधन में उन प्रावधानों को हटाया गया है, जिनमें मीट की दुकानों और बूचड़खानों के लिए लाइसेंस की आवश्यकता है, क्योंकि इसी तरह के व्यवसायों को खाद्य और औषधि प्रशासन हरियाणा द्वारा भी विनियमित (रेगुलेटिड) किया जा रहा है। इन संशोधनों से दोहरे लाइसेंस समाप्त होंगे, तथा आम जनता को नियमों की अनुपालना में राहत होगी। मीट की दुकान का संचालन करने तथा स्लाटर हाउस का संचालन करने वालों को अब पालिका या निगम से लाइसेंस लेने की जरूरत नहीं होगी।

बागवानी नर्सरी नियम 2026 को मंजूरी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने बागवानी नर्सरी नियम 2026 को मंजूरी प्रदान की है। जिसके तहत नर्सरी लाइसेंस जारी करने, रिन्यूवल तथा नई श्रेणी जोडऩे को पारदर्शी एवं जवाबदेह बनाया गया है। अब नर्सरियों में बिकने वाले पौधों के लिए भी मानक तय किए गए हैं। इसका बकायदा रिकार्ड प्रबंधन किया जाएगा। बेची जाने वाली पौध, सामग्री की क्यूआर कोड ट्रेसबिल्टी तय होगी। इससे उपभोक्ताओं को पौध की प्रमाणिकता की जानकारी आसानी से प्राप्त होगी। यह नियम फलदार पौधों, सब्जियों, कंद, मसालों, सीज़निंग फूलों, सजावटी पौधों, औषधीय और सुगंधित फसलों, तथा सरकार द्वारा अधिसूचना के माध्यम से बागवानी पौधों के रूप में घोषित किए जाने वाले अन्य पौधों से संबंधित बागवानी नर्सरियों पर लागू होंगे। इन नियमों का उद्देश्य प्रदेश में सभी प्रमुख बागवानी फसलों के लिए गुणवत्तापूर्ण रोपण सामग्री का उत्पादन और उपलब्धता सुनिश्चित करना है। किसानों को अपनी किस्म के अच्छी गुणवता वाले पौधे उपलब्ध कराए जाएंगे। ये पौधे बीमारी और कृमि से मुक्त होंगे। अगर विक्रेता (नर्सरी संचालक) खरीदार को खराब क्वालिटी, घटिया निम्न गुणवता वाले पौधे बेचता है, तो किसानों को खेती की लागत से दोगुना मुआवजा देने का प्रावधान है। नियमों में नर्सरियों के नियमित निरीक्षण, लाइसेंस निलंबन या रद्दीकरण सहित उल्लंघन के मामले में कार्रवाई और कीटों व बीमारियों के प्रसार को रोकने के लिए संक्रमित या अवैध रोपण स्टॉक को अनिवार्य रूप से नष्ट करने का भी प्रावधान है।

सोनीपत की डीसी बोली,जारी रहेगा शहजादपुर में सरपंच का निलंबन

सोनीपत। सोनीपत के गांव शहजादपुर के सरपंच पद से जुड़े दीपक शर्मा मामले में प्रशासन ने स्थिति स्पष्ट कर दी है। रोहतक मंडल आयुक्त द्वारा सरपंच पद से हटाने के आदेश के क्रियान्वयन पर रोक लगाए जाने के बाद उपायुक्त नेहा सिंह ने विस्तृत स्पष्टीकरण आदेश जारी किया है। आदेश में कहा गया है कि रोक केवल सरपंच पद से हटाने के आदेश पर लागू होगी, जबकि तीन जुलाई 2025 का निलंबन आदेश पहले की तरह प्रभावी रहेगा। उपायुक्त ने स्पष्ट किया है कि दीपक शर्मा को फिलहाल पद से हटाया गया सरपंच नहीं माना जाएगा लेकिन निलंबन जारी रहने के कारण वे सरपंच के अधिकारों का प्रयोग नहीं कर सकेंगे और न ही पंचायत का कार्यभार संभाल पाएंगे। मामला शहजादपुर ग्राम पंचायत में सोलर स्ट्रीट लाइटों की मरम्मत के नाम पर पंचायत खाते से राशि निकाले जाने से जुड़ा है। प्रशासन के अनुसार प्रारंभिक जांच में 92 सोलर स्ट्रीट लाइटों की मरम्मत के नाम पर पंचायत खाते से 4 लाख 63 हजार 680 रुपये की राशि अनधिकृत रूप से निकाले जाने के तथ्य सामने आए थे। इसी आधार पर तीन जुलाई 2025 को दीपक शर्मा को निलंबित किया गया था।

हरियाणा कैबिनेट ने ऑनलाइन ट्रांसफर पॉलिसी को मंजूरी दी, महिला आयोग का विस्तार किया

एजेंसी

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में हरियाणा कैबिनेट ने 'मॉडल ऑनलाइन ट्रांसफर पॉलिसी' (एमओटीपी) और 'टीचर्स ट्रांसफर पॉलिसी' (टीटीपी) को मंजूरी दी। इसका मकसद मानव संसाधनों का बेहतर इस्तेमाल करना, कर्मचारियों की संतुष्टि बढ़ाना, प्रशासनिक दक्षता में सुधार करना और जन-सेवा वितरण को मजबूत करना है। नई पॉलिसी के तहत, ट्रांसफर के लिए कर्मचारियों की रैंकिंग 120-पॉइंट वाले नए स्कोरिंग सिस्टम से तय की जाएगी। उम्र को दिया जाने वाला वेटेज 75 प्रतिशत से घटाकर 25 प्रतिशत कर दिया गया है। एक नया पैमाना, 'कैडर में अनुभव ', 25 प्रतिशत वेटेज के साथ जोड़ा गया है, जबकि खास वजहों का वेटेज 25 प्रतिशत से बढ़ाकर 50 प्रतिशत कर दिया गया है, ताकि असली मुश्किलों का सामना कर रहे कर्मचारियों पर ज्यादा

ध्यान दिया जा सके। मान्यता प्राप्त गंभीर बीमारियों की लिस्ट में मस्कुलर डिस्ट्रॉफी, बेहचेट रोग और खास अंग प्रत्यारोपण (जैसे अग्न्याशय और बोन मैरो ट्रांसप्लांट) के मामलों को शामिल किया गया है। अहम बात यह है कि रिटायरमेंट के एक साल के अंदर किसी भी कर्मचारी या टीचर का ट्रांसफर उनकी साफ लिखित सहमति के बिना नहीं किया जाएगा। कैबिनेट ने यमुना नगर और जगाधरी नगर परिषद के तहत आने वाली उन कॉलोनियों के बारे में भी निर्देशों को मंजूरी दी, जिनकी इमारतों को 1996 में रेगुलर किया गया था।

यह मामला 2021-22 में तब सामने आया जब शहरी स्थानीय निकाय विभाग ने जीआईएस-मैप्ड प्रॉपर्टी डेटा से जुड़ा एक ऑनलाइन 'नो-ड्यूज सर्टिफिकेट' पोर्टल शुरू किया। 2005 से पहले रेगुलर की गई कॉलोनियों में सही लेआउट प्लान और 'खसरा' की जानकारी नहीं थी, जिससे सही मैपिंग करना नामुमकिन हो गया। नतीजतन, खाली या बिना मैप किए गए प्लॉट अपने आप 'बिना मंजूरी वाले' कैटेगरी में आ गए। इसके अलावा, कैबिनेट ने हरियाणा राज्य महिला आयोग (संशोधन) अध्यादेश, 2026 को लागू करने की मंजूरी दी। इसके तहत हरियाणा राज्य महिला आयोग अधिनियम, 2012 की धारा 3 (2) (बी) में संशोधन करके गैर-सरकारी सदस्यों की संख्या पांच से बढ़ाकर सात कर दी गई है।

हरियाणा सरकार शुरू करेगी 'मेरी विकसित विधानसभा'

एजेंसी

चंडीगढ़। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा वर्ष 2047 को आधार बनाकर दिए गए विकसित भारत के नारे को चरितार्थ करने के लिए हरियाणा सरकार ने 'मेरी विकसित विधानसभा' कार्यक्रम शुरू करने का फैसला लिया है। यह फैसला मुख्यमंत्री नायब सैनी की अध्यक्षता में हुई विधायक दल की बैठक में लिया गया। मुख्यमंत्री ने विधायकों के साथ प्रदेश के अगले 20 वर्षों की विकास यात्रा का रोडमैप तैयार करने की प्रक्रिया का शुभारंभ करते हुए 'मेरी विकसित विधानसभा' अभियान की घोषणा की। इसके तहत प्रत्येक विधायक अपने विधानसभा क्षेत्र का ''विजन चैंपियन'' बनेगा और क्षेत्र की समस्याओं, संभावनाओं तथा विकास की प्राथमिकताओं को स्वयं चिन्हित करेगा। बैठक में तय किया गया कि जुलाई और अगस्त माह के दौरान सभी विधायक अपने-अपने विधानसभा क्षेत्रों में जाकर जनता से सीधे संवाद करेंगे। जनता के सुझावों और स्थानीय आवश्यकताओं के आधार पर प्रत्येक क्षेत्र का अलग विकास खाका तैयार किया जाएगा, जिसे विकसित हरियाणा-2047 के व्यापक रोडमैप से जोड़ा जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के लिए कुछ स्पष्ट और बड़े लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं। इनमें हरियाणा की अर्थव्यवस्था को एक ट्रिलियन डॉलर से अधिक तक पहुंचाना, प्रति व्यक्ति वार्षिक आय को 40 लाख रुपये से ऊपर ले जाना, महिला श्रम भागीदारी को 45 प्रतिशत से अधिक करना तथा महिला साक्षरता को शत-प्रतिशत के करीब पहुंचाना शामिल है। बैठक में यह भी तय किया गया कि विकसित हरियाणा के रोडमैप में शिक्षा, स्वास्थ्य तथा जल-पर्यावरण एवं जलवायु अनुकूलता तीन प्रमुख फोकस क्षेत्र होंगे।

हरियाणा विधानसभा में आएगा जल प्रदूषण नियंत्रण संशोधन एक्ट का प्रस्ताव

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में आज यहां जल (प्रदूषण की रोकथाम और नियंत्रण) संशोधन एक्ट, 2024 (सेंट्रल एक्ट 5 ऑफ 2024) के अपनाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई, जिससे राज्य में संशोधित केंद्रीय कानून लागू करने का रास्ता साफ़ हो गया। वॉटर (प्रदूषण की रोकथाम और कंट्रोल) संशोधित एक्ट, 2024 को संसद ने लागू किया था और 15 फरवरी, 2024 को पर्यावरण मंत्रालय वन एवं मौसम बदलाव ने नोटिफाई किया था। इस संशोधन का मकसद वॉटर (प्रदूषण की रोकथाम और कंट्रोल) एक्ट, 1974 के तहत छोटे अपराधों को डीक्रिमिनलाइज़ और रैशनलाइज़ करना है, जिसका उद्देश्य भरोसे पर आधारित शासन को बढ़ावा देना, जीवन को आसान बनाना और बिजनेस करने में आसान बनाना है। यह बदला हुआ कानून राज्य प्रदूषण कंट्रोल बोर्ड के चेयरपर्सन के नॉमिनेशन की प्रक्रिया को भी आसान बनाता है। यह संशोधित एक्ट शुरू में हिमाचल प्रदेश और राजस्थान राज्यों पर लागू हुआ, जिन्होंने इसे अपनाने के लिए प्रस्ताव पास किए थे। दूसरे राज्य अपनी-अपनी विधानसभाओं से प्रस्ताव पास करके इस एक्ट को अपना सकते हैं। कैबिनेट की मंजूरी के साथ हरियाणा अब वॉटर (प्रदूषण की रोकथाम और कंट्रोल) संशोधित एक्ट, 2024 को अपनाने के लिए राज्य विधानसभा में प्रस्ताव लाएगा, जिससे इसके नियम राज्य में लागू हो जाएंगे। बदले हुए कानून को अपनाने से पानी के प्रदूषण को नियत्रित करने वाले रेगुलेटरी फ्रेमवर्क को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी।

दिल्ली एनसीआर में बीएस-6 ट्रक-बस खरीद पर शतप्रतिशत मोटर वाहर कर माफ

मंत्रिमंडल की बैठक में लिया फैसला

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने एनसीआर प्लानिंग बोर्ड की बैठक में लिए गए फैसलों को अब धरातल पर लागू करना शुरू कर दिया है। मुख्यमंत्री नायब सैनी की अध्यक्षता में चंडीगढ़ में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में बीएस-फोर श्रेणी या उससे पुरानी श्रेणी के वाहनों को हटाने के लिए अभियान को सख्ती से लागू करने का फैसला लिया गया, वहीं बीएस-6 या इससे कड़े मानकों वाले ईवी, सीएनजी श्रेणी के वाहन खरीदने वालों को मोटर

वाहन कर में शतप्रतिशत छूट देने का फैसला लिया गया है। इसके अलावा इन्हीं मानकों वाले पुराने ट्रक, बस अथवा अन्य वाहन खरीदने वालों को पचास प्रतिशत तक छूट प्रदान करने का फैसला लिया गया है। दोनों श्रेणियों में यह छूट दस साल तक के लिए मान्य होगी। इसके अलावा सरकार ने नए वाहनों की खरीद पर रजिस्ट्रेशन फीस भी माफ करने का फैसला किया है।

उल्लेखनीय है कि हरियाणा के राज्यपाल ने भी राज्य के एनसीआर जिलों में पंजीकृत पुराने बीएस-4 अथवा उससे पूर्व उत्सर्जन मानकों के अनुरूप ट्रकों एवं बसों के संबंध में एक वर्ष से अधिक समय से लंबित बकाया देनदारियों में छूट प्रदान की है।

इस प्रोत्साहन से वाहन बेड़े के आधुनिकीकरण में तेजी आने, वाहनों से होने वाले उत्सर्जन में कमी लाने तथा राज्य के एनसीआर जिलों में वायु गुणवत्ता में सुधार होने की अपेक्षा है, जिसमें 93458 ट्रक और 16329 बसें शामिल है।

हरियाणा में नई तबादला नीति को मंजूरी

कर्मचारियों, अध्यापकों तथा अन्य वर्गों के सुझाव पर बनी नई पॉलिसी

सेवानिवृत्ति से एक साल पहले सहमति के बिना नहीं होगा तबादला

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियायाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में ऑनलाइन ट्रांसफर पॉलिसी, टीचर ट्रांसफर पॉलिसी को मंजूरी प्रदान कर दी गई। नई पॉलिसी को हाईकोर्ट की टिप्पणी तथा स्टेक होल्डर से विचार के बाद बनाया गया है। बैठक के बाद मुख्यमंत्री नायब सैनी ने पत्रकारों से बातचीत में बताया कि नई नीति के तहत ट्रांसफर के लिए कर्मचारियों की रैंकिंग 120 प्वाइंट वाले फ्रेम के तहत की जाएगी। उम्र को दी जाने वाली वेटेज 75 प्रतिशत से कम करके 25 प्रतिशत कर दिया है। प्रोफेशन अनुभव का नया पैरामीटर जोड़ा गया है। जिसका वेटेज 25 प्रतिशत है।

शिक्षा विभाग द्वारा तैयार की गई नई ट्रांसफर पॉलिसी में तीन श्रेणियां बनाई गई हैं, जिसमें उम्र, अनुभव और विशेष श्रेणी है, जिसके आधार पर शिक्षकों का तबादला होगा। अनुभव और उम्र के 30-30 अंक मिलेंगी, जबकि विशेष श्रेणी के 60

अंक निर्धारित किए गए हैं।प्रस्तावित नीति के अनुसार कुल 120 अंकों में से 30 अंक आयु, 30 अंक कैडर अनुभव तथा 60 अंक विशेष श्रेणी (स्पेशल फैक्टर्स) के लिए निर्धारित किए गए हैं। आयु और अनुभव को 25-25 प्रतिशत तथा विशेष श्रेणी को 50 प्रतिशत वेटेज दिया गया है। मंत्रिमंडल ने पति-पत्नी मामलों में मेरिट अंक 5 से बढक़र 10 करने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी है। इसके अलावा गंभीर बीमारियों की श्रेणी खास अंग प्रत्यारोपण तथा मसकुलर डिस्ट्रोफी को शामिल किया गया है। नई नीति में पहली बार अनुभव को तबादला प्रक्रिया का महत्वपूर्ण आधार बनाया गया है। आयु के लिए शिक्षक की पात्रता तिथि तक की पूरी आयु की गणना की जाएगी। विशेष श्रेणी के अंतर्गत विभिन्न श्रेणियों को 10-10 अंक देने का प्रावधान किया गया है। इनमें महिला शिक्षक, तलाकशुदा, न्यायिक रूप से अलग रह रही, विधवा अथवा सिंगल पैरेंट शिक्षिकाएं, कपल्स केस, सैन्य एवं अर्द्धसैनिक बलों के कर्मियों के जीवनसाथी, गंभीर बीमारी से प्रभावित शिक्षक या उनके आश्रित, दिव्यांग शिक्षक तथा दिव्यांग बच्चों वाले शिक्षक शामिल हैं। नई नीति में सिंगल पैरेंट शिक्षकों को विशेष राहत देते हुए 10 अतिरिक्त अंक देने का प्रस्ताव किया गया है। वहीं दिव्यांग शिक्षकों के लिए भी नियमों को अधिक समावेशी बनाया गया है। अब 70 प्रतिशत या उससे अधिक दिव्यांगता वाले सभी शिक्षक सुरक्षित श्रेणी के दायरे में आएंगे।हरियाणा सरकार ने नई ट्रांसफर पॉलिसी में प्रावधान किया है कि अब किसी भी कर्मचारी का सेवानिवृत्त होने की अवधि से एक साल पहले उसकी लिखित सहमति के बिना ट्रांसफर नहीं किया जाएगा। मंत्रिमंडल ने मानव संसाधन विभाग को एमओटीपी 2026 के तहत पहले ऑनलाइन ट्रांसफर प्रक्रिया के लिए जरूरी निर्देश जारी करने की भी मंजूरी दी है।

महिला आयोग से कॉमेडियन प्रणीत मोरे को नहीं मिली माफी

एजेंसी

गुरुग्राम। गुरुग्राम में स्टैंड-अप कॉमेडी शो के दौरान महिलाओं पर की गई 370 की बिरयानी टिप्पणी के मामले में अभी आरोपियों को कोई राहत नहीं मिली है। राष्ट्रीय महिला आयोग ने कॉमेडियन प्रणीत मोरे और वेब डेवलपर हिमांशु जांगड़ा की माफी मंजूर नहीं की। बता दें कि शाम गुरुग्राम के एसीपी विष्णु प्रसाद दोनों आरोपियों को लेकर दिल्ली में राष्ट्रीय महिला आयोग के

कार्यालय पहुंचे थे। इस दौरान आयोग की अध्यक्ष विजया किशोर राहटकर ने कहा कि महिलाओं के प्रति अपमानजनक सामग्री को कॉमेडी के नाम पर बढ़ावा देना किसी भी सूरत में स्वीकार नहीं है। उन्होंने तीनों आरोपियों प्रणीत मोरे, हिमांशु जांगड़ा और मधुर विरली को अगली सुनवाई में व्यक्तिगत रूप से पेश होने के निर्देश दिए। एसीपी विष्णु प्रसाद ने बताया कि पुलिस को 22 जून को आयोग से आरोपियों को पेश करने के निर्देश मिले थे। हमने ईमेल के माध्यम से उन्हें समय पर सूचना दी थी। सभी को आयोग के समक्ष पेश कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि इस संबंध में डीएलएफ फेज-2 थाने में एफआईआर दर्ज की जा चुकी है। मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डा. अर्चना गुप्ता ने सांसद बिप्लब कुमार देब से की शिष्टाचार भेंट

संगठनात्मक विषयों पर चर्चा

एजेंसी

चंडीगढ़। भारतीय जनता पार्टी हरियाणा की प्रदेश अध्यक्ष डा. अर्चना गुप्ता ने नई दिल्ली में त्रिपुरा के पूर्व मुख्यमंत्री, लोकसभा सांसद तथा हरियाणा भाजपा के पूर्व प्रदेश प्रभारी बिप्लब कुमार देब से उनके आवास पर शिष्टाचार भेंट की। मुलाकात के दौरान दोनों नेताओं के बीच संगठन की मजबूती, आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों को लेकर विस्तार से चर्चा हुई। इस अवसर पर डा. अर्चना गुप्ता ने बिप्लब कुमार देब को महाराजा अग्रसेन की प्रतिमा भी भेंट की। मुलाकात के दौरान दोनों नेताओं में भाजपा संगठन को और अधिक सशक्त बनाने तथा केंद्र एवं नायब सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा की। सांसद बिप्लब कुमार देब ने डॉ. अर्चना गुप्ता को हरियाणा भाजपा की प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त होने पर बधाई एवं शुभकामनाएं दी और उनके सफल, प्रभावी एवं प्रेरणादायक कार्यकाल की कामना की। उन्होंने विश्वास जताया कि डा. अर्चना गुप्ता

के नेतृत्व में हरियाणा भाजपा संगठन और अधिक सशक्त होगा तथा पार्टी के विस्तार को नई गति मिलेगी। डॉ. अर्चना गुप्ता ने कहा कि बिप्लब कुमार देब जैसे अनुभवी और वरिष्ठ नेता का मार्गदर्शन उनके लिए प्रेरणादायी है। उन्होंने कहा कि हरियाणा भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष के रूप में मिले नए दायित्व के निर्वहन में वरिष्ठ नेताओं का अनुभव और मार्गदर्शन संगठन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में सहायक सिद्ध होगा। उन्होंने नए दायित्व को लेकर दी गई शुभकामनाओं और विश्वास के लिए बिप्लब कुमार देब का आभार व्यक्त किया।

प्रदेश सरकार गांवों में स्वास्थ्य सुविधाएं देने के लिए प्रतिबद्ध : आरती सिंह राव

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में चिकित्सा तंत्र को मजबूत करने की सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार गांवों में भी शहरों की तर्ज पर अत्याधुनिक और सुलभ स्वास्थ्य सुविधाएँ पहुँचाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। सरकार का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि ग्रामीण अंचल के लोगों को प्राथमिक इलाज के लिए दूर-दराज के शहरों पर निर्भर न रहना पड़े और उन्हें उनके घर के नजदीक ही बेहतरीन स्वास्थ्य लाभ मिल सके। इसी कड़ी में एक बड़ा कदम उठाते हुए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने भिवानी जिले के गांव धिराणा में एक नया उप स्वास्थ्य केंद्र (Sub-Health Centre) खोलने की प्रशासनिक मंजूरी दे दी है। इस नए स्वास्थ्य केंद्र के निर्माण और बुनियादी ढांचे को विकसित करने पर लगभग 55.49 लाख रुपए खर्च होने का अनुमान लगाया गया है। इस बजट से केंद्र में आवश्यक चिकित्सा उपकरण, दवाइयाँ और मरीजों के लिए जरूरी सुविधाओं की व्यवस्था की जाएगी, जिससे धिराणा और आसपास के ग्रामीणों को सीधा लाभ मिलेगा।

स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने आगे बताया कि प्रदेश में नए स्वास्थ्य केंद्रों की स्थापना आम जनता की वास्तविक जरूरतों और उनकी पुरजोर मांग को ध्यान में रखकर की जा रही है। सरकार क्षेत्रीय आवश्यकताओं का आकलन कर रही है ताकि हर वंचित क्षेत्र तक स्वास्थ्य सेवाओं का दायरा बढ़ाया जा सके। उन्होंने भरोसा दिलाया कि भविष्य में भी जनहित को सर्वोपरि रखते हुए ग्रामीण स्वास्थ्य ढांचे को और अधिक सुदृढ़ व आधुनिक बनाने के प्रयास जारी रहेंगे।

जुर्माना माफी को लेकर मुख्यमंत्री से मिला प्रतिनिधिमंडल

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा प्राईवेट स्कूल संघ ने मुख्यमंत्री नायब सैनी से मुलाकात करके स्कूल सोसायटियों पर लगाए गए जुर्माने को माफ करने की मांग की है। अपनी मांगों को लेकर संघ के प्रदेशाध्यक्ष सत्यवान कुंडू की अध्यक्षता में शिष्टमंडल ने मुख्यमंत्री नायब सैनी से मुलाकात की। कुंडू ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को बताया कि हरियाणा प्राइवेट स्कूल संघ का एक प्रतिनिधिमंडल 17 अक्टूबर 2025 व 29 जनवरी 2026 को सीएम हाउस चंडीगढ़ में आपसे मिला था और आपने दरियादिली दिखाते हुए एजुकेशन सोसायटियों का जुर्माना माफ करने का आश्वासन दिया था लेकिन अभी तक इसका पत्र जारी नहीं किया गया है जिसके कारण हजारों सोसायटियों का कार्य अधर में लटका हुआ है। सीएम नायब सिंह सैनी ने अपने ओएसडी से कहा कि इस मामले की फाइल उन्हें दी जाए और प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया कि जल्द ही इसका समाधान कर दिया जायेगा। विदित रहे कि सोसाइटी एक्ट 2012 के अनुसार सभी पंजीकृत सोसायटी को रिन्यू करवाने के आदेश दिए गए थे और लगा दिया गया जबकि इसके चार वर्ष बाद ऑनलाइन प्रक्रिया की शुरुआत 2017 से हुई। अब ये राशि जुर्माना समेत प्रति सोसायटी करीब

उन सोसायटियों से वार्षिक शुल्क जमा करवाने के लिए वर्ष 2017 से ऑनलाइन प्रक्रिया की शुरुआत की गई व फ़ीस ऑनलाइन न करने पर बीस रूपए प्रतिदिन का जुर्माना निर्धारित किया गया लेकिन किसी भी सोसायटी को इसकी सूचना नहीं दी गई और वर्ष 2013 से यह जुर्माना सवा-सवा लाख रुपए से भी ज्यादा बन गई। हरियाणा प्राइवेट स्कूल संघ इसे माफ करने की मांग उठा रहा है। प्रतिनिधीमण्डल में संघ के प्रदेशाध्यक्ष सत्यवान कुंडू ,प्रदेश सचिव प्रदीप पूनिया,पूर्व महासचिव व हांसी के प्रधान राजकुमार पाली,जोगिंदर कतीरा आदि मौजूद रहे ।

म्हारी सडक़ ऐप केवल शिकायत दर्ज करने का नहीं जवाबदेही का भी माध्यम

एजेंसी

गुरुग्राम। म्हारी सडक़ ऐप केवल शिकायत दर्ज करने का माध्यम नहीं है, बल्कि यह प्रशासन की जवाबदेही और कार्यप्रणाली का भी महत्वपूर्ण संकेतक है। इसलिए सभी विभाग यह सुनिश्चित करें कि शिकायतों को उनकी प्रकृति के अनुसार प्राथमिकता देते हुए समयबद्ध ढंग से निपटाया जाए। यह बात अतिरिक्त उपायुक्त (एडीसी) सोनू भट्ट ने जिले में सडक़ संबंधी शिकायतों के त्वरित और प्रभावी समाधान को सुनिश्चित करने के उद्देश्य विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक में कही। बैठक में म्हारी सडक़ ऐप पर प्राप्त शिकायतों, उनके निस्तारण की वर्तमान स्थिति तथा लंबित मामलों की विस्तार से समीक्षा की गई। अतिरिक्त उपायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि नागरिकों द्वारा दर्ज की गई शिकायतों का निर्धारित समयावधि में समाधान सुनिश्चित किया जाए तथा अनावश्यक रूप से लंबित मामलों पर विशेष ध्यान दिया जाए। अधिकारियों ने अपने-अपने विभागों से संबंधित प्राप्त शिकायतों, उनके निवारण की प्रगति तथा लंबित मामलों के कारणों की जानकारी एडीसी को दी। बैठक के दौरान विभागों द्वारा सडक़ मरम्मत, स्ट्रीट लाइट, गड्ढों की भराई, जलभराव तथा यातायात से संबंधित शिकायतों के समाधान के लिए किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की गई। एडीसी सोनू भट्ट ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के निर्देशानुसार नागरिक शिकायतों का समाधान सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने कहा कि सभी विभाग यह सुनिश्चित करें कि शिकायतों को उनकी प्रकृति के अनुसार प्राथमिकता देते हुए समयबद्ध ढंग से निपटाया जाए। बैठक के दौरान एडीसी ने विशेष रूप से ओवरड्यू शिकायतों पर चिंता व्यक्त करते हुए संबंधित विभागों से उनका कारण पूछा और शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कई शिकायतें लंबे समय से लंबित हैं।

नीट प्रतिबंध समाप्त, गूगल प्ले स्टोर पर टेलीग्राम बहाल

नई दिल्ली ।

बहुराष्ट्रीय प्रौद्योगिकी कंपनी गूगल ने मंगलवार सुबह अपने प्ले स्टोर पर मैसेजिंग ऐप टेलीग्राम को बहाल कर दिया। यह कदम सरकार द्वारा राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट-यूजी) की पुनर्परीक्षा के दौरान प्रश्न पत्र लीक रोकने के उद्देश्य से लगाए गए अस्थाई प्रतिबंध की अवधि 22 जून की मध्यरात्रि को समाप्त होने के बाद उठाया गया है। गूगल द्वारा बहाली से पहले ही यह प्लेटफॉर्म कुछ मौजूदा उपयोगकर्ताओं के लिए चालू हो गया था। हालांकि, एप्पल के ऐप स्टोर पर मंगलवार सुबह करीब 10 बजे तक टेलीग्राम उपलब्ध नहीं था, और कंपनी को भेजे गए ईमेल का तत्काल कोई जवाब नहीं मिला। सरकार ने 22 जून तक टेलीग्राम को ऐप स्टोर से हटाने का निर्देश दिया था, जिसका उद्देश्य 21 जून को आयोजित नीट-यूजी पुनर्परीक्षा के दौरान प्रश्न पत्र लीक को रोकना था। पिछली परीक्षा 3 मई को प्रश्न पत्र लीक के आरोपों के बाद रद्द कर दी गई थी। पुनर्परीक्षा में अब तक किसी धोखाधड़ी की खबर नहीं है। टेलीग्राम को 30 जून तक पहले से भेजे गए संदेशों के संपादन की सुविधा बंद करने को भी कहा गया है ताकि प्रश्न पत्र लीक मामलों में साक्ष्यों के दुरुपयोग को रोका जा सके। टेलीग्राम के सीईओ पावेल ड्यूरोव ने इस प्रतिबंध की आलोचना की थी और आरोप लगाया था कि यह लीक नहीं रोकेगा। उन्होंने रिलायंस समूह पर व्हाट्सऐप के साथ मिलकर भारत में ऐप प्रतिबंध के लिए पैरवी करने का भी आरोप लगाया था।

एनएसई इमर्ज का मार्केट कैप 2.3 लाख करोड़ के पार

731 कंपनियां सूचीबद्ध, 160 मुख्य बोर्ड में पहुंचीं; महाराष्ट्र, गुजरात और दिल्ली का दबदबा

मुंबई ।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के इमर्ज प्लेटफॉर्म ने अपने मार्केट कैपिटलाइजेशन में 2.3 लाख करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर हासिल किया है। यह उपलब्धि भारत के छोटे और मध्यम उद्यमों के लिए एक बड़ा प्रोत्साहन है और इस प्लेटफॉर्म को व्यवसायों के लिए एक प्रमुख लॉन्चपैड के रूप में स्थापित करती है। मई 2026 तक, इस प्लेटफॉर्म पर 731 कंपनियां सूचीबद्ध थीं, जिन्होंने आईपीओ के माध्यम से करीब 23,000 करोड़ रुपये जुटाए हैं। इन कंपनियों का कुल बाजार मूल्यांकन लगभग 2.3 लाख करोड़ रुपये है। एनएसई ने पुष्टि की है कि इमर्ज प्लेटफॉर्म व्यवसायों के लिए एक प्रभावी लॉन्चपैड साबित हुआ है, जिसके तहत 160 कंपनियां सफलतापूर्वक मुख्य बोर्ड (मेनबोर्ड) में स्थानांतरित हो चुकी हैं। इस प्लेटफॉर्म पर सूचीबद्ध होने वाली कंपनियों में महाराष्ट्र, गुजरात और दिल्ली का वर्चस्व रहा है। इन तीनों राज्यों की कंपनियों ने मिलकर कुल जुटाई गई धनराशि का लगभग दो-तिहाई हिस्सा जुटाया है। महाराष्ट्र 204 लिस्टेड कंपनियों के साथ अग्रणी है, जिन्होंने 6,256 करोड़ रुपये जुटाए हैं। गुजरात 182 कंपनियों और 4,846 करोड़ रुपये के साथ दूसरे स्थान पर है, जबकि दिल्ली की 102 एसएमई ने 3,745 करोड़ रुपये जुटाए हैं। इन तीन राज्यों की कुल 488 कंपनियां इमर्ज प्लेटफॉर्म पर सूचीबद्ध हैं।

सोना 1,161 रुपए और चांदी 6,469 रुपए तक लुढ़की

नई दिल्ली ।

सोने और चांदी के वायदा भाव में मंगलवार को उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई। घरेलू मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) और अंतर्राष्ट्रीय कॉमैक्स (कॉमेक्स) दोनों पर कीमती धातुओं के दाम गिरावट के साथ खुले, और खबर लिखे जाने तक नरमी बरकरार रही, जिससे निवेशकों में चिंता देखी गई। घरेलू बाजार में एमसीएक्स पर सोने का अगस्त बेंचमार्क कॉन्ट्रैक्ट 2,093 रुपए की गिरावट के साथ 1,46,776 रुपए प्रति 10 ग्राम पर खुला। यह कॉन्ट्रैक्ट खबर लिखे जाने तक 1,161 रुपए की गिरावट के साथ 1,46,957 रुपए पर कारोबार कर रहा था, जबकि इसका पिछला बंद भाव 1,48,118 रुपए था। इस साल सोना 1,80,779 रुपए के सर्वोच्च स्तर को छू चुका है। इसी तरह चांदी का जुलाई बेंचमार्क कॉन्ट्रैक्ट भी 3,903 रुपए की गिरावट के साथ 2,27,676 रुपए प्रति किलोग्राम पर खुला। खबर लिखे जाने तक यह कॉन्ट्रैक्ट 6,469 रुपए की भारी गिरावट के साथ 2,27,841 रुपए पर कारोबार कर रहा था। इसका पिछला बंद भाव 2,34,310 रुपए था।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 893 निफ्टी 278 अंक गिरा

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। आज कारोबार के दौरान आईटी , मेटल और सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के शेयरों में भारी बिकवाली रही। इसके अलावा विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली से भी बाजार टूटा। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 893.39 अंक करीब नीचे आकर 76,200.68 पर बंद हुआ जबकि एनएससई निफ्टी 278.80 अंक की गिरावट के साथ ही 23,824.10 पर पहुंच गया।वहीं व्यापक बाजार में, निफ्टी मिडकैप और निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स में 1.05 गिरावट दर्ज की गयी है। सेक्टरवार देखें, तो निफ्टी मेटल 3 फीसदी से ज्यादा नीचे आया। इसके अलावा निफ्टी आईटी और सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों का

प्रदर्शन भी कमजोर रहा, वहीं निफ्टी फार्मा और निफ्टी हेल्थकेयर के शेयर लाभ में रहे। निफ्टी50 इंडेक्स में इंफोसिस, विप्रो, टीसीएस और जेएसडब्ल्यू स्टील के शेयर सबसे अधिक गिरे जबकि टाटा स्टील, हिंडाल्को, बीईएल और जियो फाइनेंशियल सर्विसेज के शेयरों में 2 फीसदी से ज्यादा की गिरावट रही।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई ।

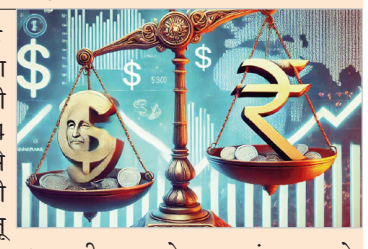

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया मंगलवार को 11 पैसे की गिरावट के साथ ही 94.74 पर बंद हुआ। वहीं इससे पहले आज सुबह विदेशी पूंजी की निकासी और घरेलू शेयर बाजारों में कमजोर शुरुआत की वजह से रुपया मंगलवार को शुरुआती कारोबार में छह पैसे की गिरावट के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.69 पर खुला। डॉलर के मजबूत होने और करीब 13 महीने के उच्च स्तर के आसपास बने रहने से ही घरेलू मुद्रा पर दबाव है। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 94.73 प्रति डॉलर पर खुला। बाद में थोड़ा मजबूत होकर डॉलर के मुकाबले 94.69 पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से छह पैसे की गिरावट दिखाता है। रुपया सोमवार को 30 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.63 पर बंद हुआ था।

आरेकल ने 21,000 नौकरियां घटाई, एआई को बताया मुख्य कारण

एक साल में कार्यबल 1.62 लाख से घटकर 1.41 लाख हुआ

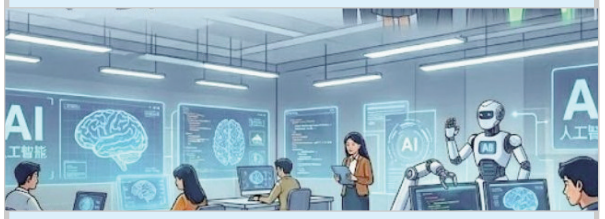

नई दिल्ली।

दिग्गज टेक कंपनी आरेकल कार्प ने पिछले एक साल में अपने वैश्विक कार्यबल में लगभग 21,000 कर्मचारियों की भारी कटौती की है। कंपनी ने अपनी वार्षिक नियामक फाइलिंग में इस छंटनी का मुख्य कारण आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) तकनीकों को अपनाना और उनके व्यापक उपयोग को बताया है। सोमवार को जारी फाइलिंग में आरेकल ने स्वीकार किया कि उसके परिचालन में एआई तकनीकों के बढ़ते एकीकरण ने कुछ पदों की आवश्यकता कम कर दी है, जिसका असर कर्मचारियों की संख्या पर पड़ा। 31 मई को समाप्त हुए वित्त वर्ष के अंत तक कंपनी के वैश्विक पूर्णकालिक कर्मचारियों की संख्या घटकर 1.41 लाख रह गई, जो एक वर्ष पहले 1.62 लाख थी। इस बड़ी कटौती के चलते कंपनी को पुनर्गठन पर लगभग 1.8 अरब डॉलर (करीब 15,000 करोड़ रुपए) का महत्वपूर्ण खर्च उठाना पड़ा।

ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट के अनुसार, ओपनएआई जैसे ग्राहकों के लिए महंगे एआई डेटा सेंटर विकसित करने से आरेकल पर वित्तीय दबाव बढ़ा है।

रेड टेप को कैरी बैग चार्ज पड़ा भारी, उपभोक्ता आयोग ने ठोका 8,000 का जुर्माना

50,000 का मुआवजा और 22,000 रुपए मुकदमेबाजी खर्च की मांग भी की गई

रोहतक ।

हरियाणा के रोहतक स्थित उपभोक्ता आयोग ने जूते के प्रसिद्ध ब्रांड रेड टेप को एक कैरी बैग के लिए 10 रुपए वसूलने पर बड़ा झटका दिया है। आयोग ने इसे अनुचित व्यापार प्रथा मानते हुए कंपनी को ग्राहक से ली गई राशि वापस करने के साथ-साथ 8,000 रुपए का मुआवजा और मुकदमेबाजी लागत चुकाने का निर्देश दिया है। यह फैसला ऐसे समय में आया है जब कई कंपनियां मनमाने ढंग से अतिरिक्त शुल्क वसूलती हैं, और यह ग्राहकों के लिए एक महत्वपूर्ण जीत है। मामला 1 अप्रैल, 2023 का है, जब एक ग्राहक ने रेड टेप के रोहतक आउटलेट से 2,069.70 रुपए में जूते खरीदे थे। बिल के साथ स्टोर ने कैरी बैग के लिए 10 रुपए अतिरिक्त वसूले। ग्राहक ने इस शुल्क का विरोध करते हुए बिना शुल्क के बैग उपलब्ध कराने का अनुरोध किया, लेकिन कर्मचारियों ने कंपनी की नीति का हवाला देते हुए इनकार कर दिया। इसके बाद ग्राहक ने इसे कानूनी रूप से गलत मानते हुए उपभोक्ता आयोग का दरवाजा खटखटाया, जिसमें 10 रुपए की वापसी के साथ-साथ 50,000 का मुआवजा और 22,000 रुपए मुकदमेबाजी खर्च की मांग की गई। रेड टेप ने अपने बचाव में तर्क दिया कि यह शुल्क पर्यावरण को बढ़ावा देने और मुफ्त बैग के दुरुपयोग को कम करने के लिए लिया गया था। कंपनी ने यह भी कहा कि स्टोर के प्रवेश द्वार पर ग्राहकों को अपने बैग लाने के लिए सूचित करने वाले साइनबोर्ड लगे थे, कैरी बैग खरीदना वैकल्पिक था और उस पर कोई ब्रांड लोगो नहीं था। हालांकि, उपभोक्ता आयोग की पीठ, जिसमें अध्यक्ष नागेंद्र सिंह कादियन और सदस्य तृप्ति पन्नू व विजेंद्र सिंह शामिल थे, ने कंपनी के बचाव को पूरी तरह से खारिज कर दिया। आयोग ने बिल और कैरी बैग की जांच की, जिसमें 10 रुपए का शुल्क अलग से दिखाया गया था। सबसे महत्वपूर्ण बात यह थी कि कंपनी के अपने हलफनामे में स्वीकार किया गया था कि उसने अनावश्यक रूप से एक कैरी बैग के लिए 10 रुपये वसूले हैं। आयोग ने इस बयान को ही कंपनी के बचाव को कमजोर करने वाला पाया और इसे सेवा में कमी तथा अनुचित व्यापार प्रथा करार दिया। आयोग ने रेड टेप को ग्राहक से लिए गए 10 रुपए वापस करने, मुआवजे के तौर पर 4,000 रुपए और मुकदमेबाजी

खर्चों के लिए 4,000 रुपए का भुगतान करने का निर्देश दिया। कुल मिलाकर, कंपनी को 8,010 रुपए का भुगतान करना होगा। आदेश का पालन करने के लिए 30 दिन का समय दिया गया है, अन्यथा कंपनी को हर सप्ताह 50 रुपए का अतिरिक्त जुर्माना देना होगा जब तक कि पूरी राशि का भुगतान नहीं हो जाता। यह निर्णय उपभोक्ताओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक होने और मनमानी वसूली के खिलाफ आवाज उठाने के लिए प्रोत्साहित करेगा।

एयर इंडिया में प्रदीप सिंह खरोला की वापसी

पूर्व सीएमडी को चेयरमैन का एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर नियुक्त किया गया

नई दिल्ली।

एयर इंडिया के पूर्व चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर (सीएमडी) प्रदीप सिंह खरोला की एक बार फिर एयरलाइन में वापसी हुई है। एयरलाइन सूत्रों के अनुसार, उन्हें चेयरमैन का एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर नियुक्त किया गया है। कंपनी के शीर्ष प्रबंधन में संभावित बदलावों के बीच इस नियुक्ति को महत्वपूर्ण माना जा रहा है।प्रदीप सिंह खरोला वर्ष 2017 से 2019 तक एयर इंडिया के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर के पद पर रहे थे। उनके कार्यकाल के दौरान एयरलाइन कई परिचालन और वित्तीय चुनौतियों से गुजर रही थी। बाद में उन्हें नागरिक उड्डयन सचिव की जिम्मेदारी सौंपी गई, जहां उन्होंने विमानन क्षेत्र से जुड़े कई महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णयों में भूमिका निभाई। एयर इंडिया के निजीकरण की प्रक्रिया में भी खरोला की अहम भूमिका रही थी। नागरिक उड्डयन मंत्रालय में रहते हुए उन्होंने एयरलाइन के विनिवेश और पुनर्गठन से जुड़े कई प्रशासनिक एवं नीतिगत कार्यों का नेतृत्व किया था। कंपनी में उनकी वापसी ऐसे समय हुई है, जब एयर इंडिया के शीर्ष प्रबंधन में बदलाव की चर्चा तेज है। एयर इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर और मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) कैंपबेल विल्सन ने पहले ही आने वाले महीनों में पद छोड़ने की घोषणा कर दी है। ऐसे में खरोला

की नियुक्ति को संगठनात्मक स्थिरता और प्रबंधन के अनुभव को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

सरकारी तेल कंपनियों के मुनाफे में सुधार की उम्मीद

कच्चे तेल की घटती कीमतों से ईंधन विपणन मार्जिन बेहतर होने का अनुमान

नई दिल्ली ।

सरकारी पेट्रोलियम विपणन कंपनियों (ओएमसी) के लिए मुनाफे में सुधार की उम्मीद जगी है। जेपी मॉर्गन की एक रिपोर्ट के अनुसार, कच्चे तेल की घटती कीमतों से ईंधन विपणन मार्जिन में सुधार इसका मुख्य कारण है। हालांकि, बढ़ते कर्ज और ईंधन कर को लेकर अनिश्चितता इस क्षेत्र की लंबी अवधि की कमाई की संभावनाओं को सीमित कर सकती है। जेपी मॉर्गन की रिपोर्ट बताती है कि सरकारी रिफाइनरियों और खुदरा ईंधन विक्रेताओं के पेट्रोल और डीजल की बिक्री पर संयुक्त मार्जिन अब पश्चिम एशिया संघर्ष से पहले के स्तर से ऊपर है। यह कच्चे तेल की कम कीमतों और केंद्रीय उत्पाद शुल्क में कटौती का परिणाम है। संघर्ष के दौरान वैश्विक कीमतों में उछाल के बावजूद घरेलू कीमतें स्थिर रहने से कंपनियों को घाटा हुआ था, लेकिन अब स्थिति सुधर रही है। एलपीजी पर अभी भी नुकसान अधिक है, लेकिन तेल कीमतों के साथ इसमें भी कमी आने की संभावना है। रिपोर्ट के अनुसार चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में माल भंडार के नुकसान का असर दिखेगा, लेकिन दूसरी तिमाही में लाभ बेहतर होने की उम्मीद है।

ईंधन खुदरा विक्रेताओं को मार्जिन में राहत पर कर अनिश्चितता बनी चुनौती

मुंबई ।

एक रिपोर्ट के अनुसार भारतीय ईंधन विपणन कंपनियों (ओएमसी) के मार्जिन में सुधार हुआ है, जिससे उन्हें कुछ राहत मिली है। हालांकि, रिपोर्ट ने बढ़ते कर्ज के बोझ और ईंधन पर कर नीति को लेकर अनिश्चितता के कारण इस क्षेत्र की दीर्घकालिक कमाई की संभावनाओं को सीमित बताया है। रिपोर्ट बताती है कि कच्चे तेल की कीमतों में कमी और केंद्र सरकार द्वारा उत्पाद शुल्क में कटौती के चलते सरकारी तेल विपणन कंपनियों के पेट्रोल और डीजल बिक्री पर संयुक्त मार्जिन अब पश्चिम एशिया संघर्ष-पूर्व स्तर से ऊपर पहुँच गया है।

संघर्ष के दौरान वैश्विक तेल कीमतों में उछाल के बावजूद देश में खुदरा कीमतें काफी हद तक स्थिर रहीं।

एलपीजी पर होने वाला नुकसान भी तेल कीमतों में गिरावट के साथ जल्द ही कम होने की उम्मीद है।

जिससे कंपनियों की वित्तीय स्थिति में और सुधार होगा। हालांकि, रिपोर्ट ने मार्जिन में इस सुधार को लेकर सतर्कता बरती है। पिछले कुछ महीनों में ओएमसी पर काफी कर्ज चढ़ा है।

जिससे उनके मूल्यांकन पर असर पड़ा है। इसके अतिरिक्त, लाभ का एक बड़ा हिस्सा सरकार द्वारा मार्च में की गई 10 रुपये प्रति लीटर की उत्पाद शुल्क कटौती के कारण है।

जो वैश्विक तेल कीमतें स्थिर होने पर भविष्य में फिर से लगाया जा सकता है।

सरकार ने खुदरा कीमतों में बढ़ोतरी को रोकने के लिए यह कटौती की थी।

यदि कच्चे तेल की कीमतें कम रहती हैं, तो भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड और इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन को निकट भविष्य में सबसे अधिक लाभ होने की उम्मीद है।

जरूरत पड़ने पर ऐसे बढ़ाएं पर्सनल लोन की लिमिट, टॉप-अप विकल्प हो सकता है मददगार

मौजूदा पर्सनल लोन पर बिना नई अर्जी के पाएं अतिरिक्त फंड्स

मुंबई।

पर्सनल लोन वित्तीय जरूरतों को पूरा करने का एक लोकप्रिय साधन है। कई बार बड़े खर्चों या आपातकालीन स्थितियों के लिए ली गई शुरुआती लोन राशि कम पड़ जाती है। ऐसे में, यदि आपको और पैसों की जरूरत पड़ती है, तो पर्सनल लोन टॉप-अप सुविधा आपके लिए बेहद उपयोगी साबित हो सकती है। यह आपको बिना नया लोन आवेदन किए, अपने मौजूदा लोन पर अतिरिक्त फंड्स प्राप्त करने का अवसर देती है। पर्सनल लोन टॉप-अप सुविधा उन लोगों के लिए एक सुविधाजनक समाधान है, जिन्हें अपने मौजूदा पर्सनल लोन के ऊपर अतिरिक्त पैसों की आवश्यकता होती है। यह आपको ओरिजिनल लोन से ज्यादा फंड्स देती है और इसकी सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसके लिए किसी नई एप्लिकेशन की जरूरत नहीं होती। टॉप-अप लोन भी स्टैंडर्ड पर्सनल लोन की तरह ही काम करता है, जहां बॉरोअर पैसे को किसी भी काम के लिए इस्तेमाल कर सकता है और इसके लिए कोई कोलैटरल (गिरवी) देने या खर्च पर कोई लिमिट तय करने की जरूरत नहीं होती। जब आप टॉप-अप लेते हैं, तो मौजूदा और टॉप-अप लोन अमाउंट को मिलाकर आपकी ईएमआई को रिवाइज्ड लोन अमाउंट और टर्म के हिसाब से दोबारा कैलकुलेट किया जाता है। हालांकि, इस सुविधा का लाभ उठाने के लिए कुछ शर्तों का पालन करना पड़ता है। बैंक या वित्तीय संस्थान टॉप-अप राशि स्वीकृत करने से पहले आपकी पात्रता (इनकम, मौजूदा डेट्स, क्रेडिट स्कोर और लोन रीपेमेंट हिस्ट्री) की दोबारा जांच करेंगे। इसके लिए आपको अपने वित्तीय संस्थान से संपर्क करना होगा और लोन अमाउंट बढ़ाने के लिए एक रिक्वेस्ट लेटर जमा करना होगा। इसके साथ आवश्यक दस्तावेज और प्रोसेसिंग फीस भी देनी पड़ सकती है। अप्रूवल के बाद, कुछ मामलों में आपको मौजूदा लोन को बंद करके एक नया एग्रीमेंट साइन करना पड़ सकता है, जिसमें बदली हुई राशि, ईएमआई और ब्याज दर का उल्लेख होगा। टॉप-अप लोन की कोई तय सीमा नहीं होती; यह बॉरोअर के रीपेमेंट हिस्ट्री और प्रोफाइल पर निर्भर करता है। यह भी ध्यान रखना जरूरी है कि टॉप-अप पर्सनल लोन का टेन्योर ओरिजिनल लोन के बचे हुए टेन्योर से ज्यादा नहीं हो सकता। यदि आप लंबा लोन टेन्योर चाहते है।

स्पेसएक्स शेयर रिकॉर्ड निचले स्तर पर

कंपनी 20 अरब डॉलर के बॉन्ड जारी कर एआई का करेगी विस्तार

नई दिल्ली ।

एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स के शेयरों में लगातार तीसरे कारोबारी दिन भारी गिरावट दर्ज की गई। सोमवार को शेयर 16 फीसदी टूटकर 154.60 पर बंद हुए, जो लिस्टिंग के बाद का सबसे निचला स्तर है। इस गिरावट के साथ, कंपनी का बाजार मूल्य तीन दिनों में 600 अरब डॉलर से अधिक घट गया है। यह गिरावट मुख्य रूप से कंपनी की एक नई फंडिंग योजना के कारण मानी जा रही है, जिसके तहत स्पेसएक्स अपनी कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) से जुड़ी महत्वाकांक्षी योजनाओं को आगे बढ़ाने के लिए 20 अरब डॉलर तक के निवेश-योग्य बॉन्ड जारी करने की तैयारी में है। स्पेसएक्स ने हाल के महीनों में एआई कारोबार पर तेजी से ध्यान केंद्रित किया है, जिसमें फरवरी में एलन मस्क की एक्सएआई का अधिग्रहण और सोमवार को एआई स्टार्टअप रिफ्लेक्शन एआई के साथ कंप्यूटिंग संसाधन समझौते की घोषणा शामिल है। हालांकि, अपने 135 रुपए के आईपीओ मूल्य से शेयर अभी भी लगभग 15 फीसदी ऊपर है। शुरुआती लिस्टिंग में खुदरा निवेशकों की भारी दिलचस्पी दिखी थी। कीबैंक कैपिटल मार्केट्स ने होल्ड के समान रेटिंग दी है, मानते हुए कि कंपनी अंतरिक्ष में अग्रणी है, पर लंबी अवधि की संभावनाएँ पहले से मूल्य में शामिल हैं। हालांकि, इसका बाजार पूंजीकरण अभी भी 2 ट्रिलियन डॉलर से अधिक है, जो इसे शीर्ष छह सबसे मूल्यवान कंपनियों में रखता है। निवेशकों की निगाहें अब कंपनी के एआई निवेश से मिलने वाले रिटर्न पर टिकी हैं।

तरलता संकट से जूझते बैंकों को आरबीआई का सहारा

जीएसटी और अग्रिम कर भुगतान से गहराया नकदी दबाव, केंद्रीय बैंक ने डाले 1.41 लाख करोड़

मुंबई ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बैंकिंग प्रणाली में नकदी की कमी से निपटने के लिए मंगलवार को सात-दिवसीय परिवर्तनीय दर रेपो (वीआरआर) नीलामी के जरिए 1,41,171 करोड़ रुपए का निवेश किया। यह हस्तक्षेप ऐसे समय हुआ है जब प्रणाली में नकदी अधिशेष से घटकर घाटे में चली गई। आरबीआई की प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, यह धनराशि 5.26 प्रतिशत की कट-ऑफ और भारित औसत पर डाली गई। विशेषज्ञों के मुताबिक, माल एवं सेवा कर (जीएसटी) और अग्रिम कर भुगतान के कारण धन की निकासी से बैंकिंग प्रणाली 21 जून को 30,685.11 करोड़ रुपए के अधिशेष से 22 जून को 19,971.89 करोड़ रुपए के घाटे में आ गई। इस नकदी संकट ने ओवरनाइट मनी मार्केट दरों पर दबाव बढ़ा दिया है, जहां भारित औसत कॉल मनी दर 5.43 प्रतिशत पर रही, जो आरबीआई की रेपो दर से 0.18 प्रतिशत अधिक है। इसी तरह, ट्राइ-पार्टी रेपो (टीआरईपीएस) दरें भी नीतिगत ब्याज दर से अधिक पर

कारोबार कर रही थीं। नकदी दबाव को कम करने और ओवरनाइट मनी मार्केट दरों को नियंत्रित रखने के लिए, केंद्रीय बैंक पिछले कुछ दिनों से सक्रिय है। आरबीआई ने विभिन्न अवधियों की वीआरआर नीलामियों के माध्यम से कुल लगभग 2.43 लाख करोड़ रुपए की अस्थायी नकदी बैंकिंग प्रणाली में डाली है। यह आरबीआई का एक माध्यम है जिसके जरिये वह बैंकिंग प्रणाली में नकदी की अस्थायी कमी या अधिकता को संतुलित करता है।

युद्धविराम से आगेः क्या विश्व अहिंसा की ओर बढ़ेगा?

ललित गर्ग

इजरायल के लिए यह स्थिति राजनीतिक रूप से असहज है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू लंबे समय से ईरान की परमाणु और मिसाइल क्षमताओं को अपने देश के अस्तित्व के लिए खतरा बताते रहे हैं। इजरायल को आशा थी कि युद्ध के माध्यम से ईरान की सामरिक क्षमता को निर्णायक रूप से कमजोर किया जाएगा।

अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच हाल ही में हुआ युद्धविराम ऐसे समय में सामने आया है, जब पश्चिम एशिया युद्ध की लपटों में घिरकर वैश्विक स्थिरता के लिए सबसे बड़ा खतरा बन चुका था। कई सप्ताह तक चले संघर्ष ने क्षेत्र को ऐसे ज्वालामुखी में बदल दिया था, जिसकी प्रत्येक विस्फोटक घटना विश्व अर्थव्यवस्था को झकझोर रही थी। तेल बाजारों में भारी उथल-पुथल थी, निवेशकों में घबराहट बढ़ रही थी और वैश्विक मंदी की आशंकाएं गहराने लगी थीं। ऐसे में युद्धविराम ने विश्व को तत्काल राहत तो दी है, लेकिन सबसे बड़ा प्रश्न यही है कि क्या यह समझौता स्थायी शांति की नींव बनेगा या केवल अगले युद्ध से पहले का एक अस्थायी विराम सिद्ध होगा? इतिहास साक्षी है कि युद्धविराम और शांति समझौते तभी टिकाऊ सिद्ध होते हैं, जब उनके पीछे केवल सामरिक विवशता नहीं, बल्कि राजनीतिक इच्छाशक्ति, पारस्परिक विश्वास और मानवता के प्रति प्रतिबद्धता भी हो। अन्यथा वे केवल संघर्षों के बीच का अंतराल बनकर रह जाते हैं। पश्चिम एशिया का इतिहास ऐसे असंख्य समझौतों का गवाह है, जो कागजों पर तो बने, लेकिन जमीन पर टिक नहीं सके।

इस युद्ध के परिणामों का विश्लेषण किया जाए तो सबसे बड़ा लाभार्थी ईरान दिखाई देता है। अमेरिका और इजरायल के सैन्य दबाव, आर्थिक प्रतिबंधों और अंतरराष्ट्रीय अलगाव के बावजूद तेहरान न केवल अपने राजनीतिक ढांचे को बचाने में सफल रहा, बल्कि उसने अपने विरोधियों को वार्ता की मेज पर आने के लिए भी बाध्य किया। ईरान अब अपने नागरिकों के समक्ष यह दावा कर सकता है कि उसने दुनिया की सबसे शक्तिशाली सैन्य ताकतों के सामने घुटने नहीं टेके। ईरानी नेतृत्व इसे प्रतिरोध की जीत के रूप में प्रस्तुत करेगा। दूसरी ओर इस संघर्ष ने अमेरिका की अजेयता की छवि को भी चुनौती दी है। वियतनाम, इराक और अफगानिस्तान के बाद यह एक और अवसर है, जिसने यह स्पष्ट किया कि केवल सैन्य शक्ति राजनीतिक परिणाम सुनिश्चित नहीं कर सकती। वाशिंगटन ने दबाव बनाया, अपनी सैन्य क्षमता का प्रदर्शन किया, लेकिन अंततः उसे वार्ता और समझौते का रास्ता अपनाना पड़ा। इससे यह संदेश गया है कि इक्कीसवीं सदी की दुनिया अब केवल शक्ति संतुलन से नहीं, बल्कि संवाद, कूटनीति और

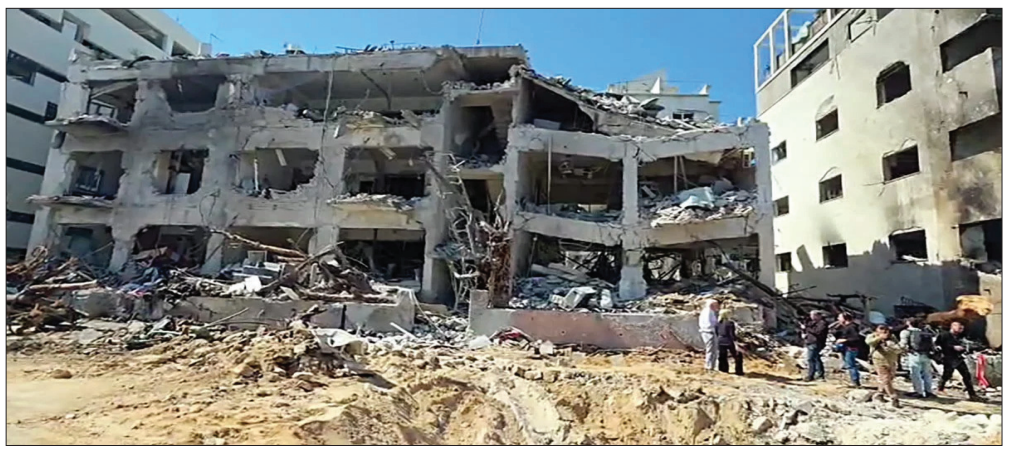

बहुपक्षीय सहयोग से संचालित होगी।

इजरायल के लिए यह स्थिति राजनीतिक रूप से असहज है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू लंबे समय से ईरान की परमाणु और मिसाइल क्षमताओं को अपने देश के अस्तित्व के लिए खतरा बताते रहे हैं। इजरायल को आशा थी कि युद्ध के माध्यम से ईरान की सामरिक क्षमता को निर्णायक रूप से कमजोर किया जाएगा। किंतु युद्धविराम के बाद ईरान स्वयं को विजेता के रूप में प्रस्तुत कर रहा है। इससे इजरायल के भीतर यह बहस और तीव्र हो सकती है कि क्या क्षेत्रीय सुरक्षा चिंताओं की तुलना में महाशक्तियों ने अपने सामरिक हितों को अधिक महत्व दिया। भारत के लिए यह समझौता विशेष महत्व रखता है। भारत अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं के लिए पश्चिम एशिया पर अत्यधिक निर्भर है। युद्ध की स्थिति में तेल आपूर्ति बाधित होने, समुद्री व्यापार मार्गों पर संकट उत्पन्न होने और कीमतों में वृद्धि की आशंका ने भारत की चिंता बढ़ा दी थी। युद्धविराम से तेल कीमतों पर दबाव कम होगा, महंगाई नियंत्रित रहेगी और खाड़ी देशों में कार्यरत लाखों भारतीयों की सुरक्षा संबंधी चिंताएं भी घटेंगी। लेकिन भारत का महत्व केवल एक उपभोक्ता राष्ट्र के रूप में नहीं है, वह आज वैश्विक शांति के एक नैतिक प्रवक्ता के रूप में भी उभर रहा है।

दरअसल, यह युद्ध एक बड़े प्रश्न को जन्म देता है-क्या मानव सभ्यता युद्धों के सहारे अपने भविष्य का निर्माण कर सकती है? आज महाशक्तियों ने ऐसी विनाशकारी सैन्य क्षमता अर्जित कर ली है कि किसी भी देश की एक छोटी-सी भूल संपूर्ण मानवता को विनाश की ओर धकेल सकती है। परमाणु हथियारों, जैविक अस्त्रों और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित युद्ध प्रणालियों के युग में युद्ध अब केवल सीमाओं का प्रश्न नहीं रह गया है, वह समूची मानव सभ्यता के अस्तित्व का प्रश्न बन गया है। यही कारण है कि आज दुनिया को शक्ति की नहीं, शांति की राजनीति की आवश्यकता है। हिंसा, युद्ध, आतंकवाद और शस्त्रीकरण की प्रतिस्पर्धा ने मानवता को भय, अविश्वास और असुरक्षा के गर्त में धकेल दिया है। यदि विश्व को बचाना है, तो उसे निःशस्त्रीकरण, अहिंसा, सह-अस्तित्व और संवाद की दिशा में आगे बढ़ना ही होगा।

इस संदर्भ में भारत की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण बन जाती है। भारत ने सदैव विश्व को शांति, करुणा और अहिंसा का संदेश दिया है। महात्मा गांधी ने कहा था, 'आंख के बदले आंख पूरे विश्व को अंधा बना देगी।' आज यह कथन पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक हो उठा है। भारत की सांस्कृतिक चेतना 'वसुधैव कुटुम्बकम्' के सिद्धांत पर आधारित रही है, जो सम्पूर्ण विश्व को एक परिवार मानती है। यही कारण है कि भारत ने सदैव युद्ध के स्थान पर संवाद और टकराव के स्थान पर सहमति का समर्थन किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी विश्व के अनेक मंचों पर स्पष्ट रूप से कहा है कि 'यह युग युद्ध का नहीं है।' संयुक्त राष्ट्र, जी-20, ब्रिक्स तथा अन्य अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत ने बार-बार इस बात पर बल दिया है कि किसी भी समस्या का समाधान युद्ध नहीं, बल्कि वार्ता है। यदि अंततः देशों को बातचीत की मेज पर ही लौटना पड़ता है, तो युद्ध की भयावह कीमत चुकाने की आवश्यकता ही क्या है?

भारत की विदेश नीति आज एक नए स्वरूप में सामने आ रही है। रूस-यूक्रेन युद्ध हो, इजरायल-फिलिस्तीन संघर्ष हो अथवा पश्चिम एशिया का वर्तमान संकट-भारत ने किसी पक्ष विशेष का अंध समर्थन करने के बजाय संतुलन, संवाद और शांतिपूर्ण समाधान की नीति अपनाई है। यही संतुलित दृष्टिकोण भविष्य में भारत को वैश्विक मध्यस्थ की भूमिका निभाने की दिशा में अग्रसर कर सकता है। लेकिन केवल सरकारें ही शांति स्थापित नहीं कर सकतीं। शांति का आधार समाजों, संस्कृतियों और मनुष्यों के भीतर निर्मित होता है। जब तक राष्ट्रवाद आक्रामकता का रूप लेता रहेगा, जब तक हथियार उद्योग युद्धों को लाभ का साधन बनाकर चलता रहेगा और जब तक राजनीतिक नेतृत्व युद्ध को लोकप्रियता अर्जित करने के उपकरण के रूप में उपयोग करता रहेगा, तब तक स्थायी शांति का सपना अधूरा रहेगा। आज आवश्यकता इस बात की है कि विश्व समुदाय कुछ ठोस कदम उठाए-परमाणु एवं सामरिक हथियारों की होड़ को नियंत्रित किया जाए, संयुक्त राष्ट्र की भूमिका को अधिक प्रभावी बनाया जाए, अंतरराष्ट्रीय विवादों के समाधान के लिए स्थायी संवाद तंत्र विकसित किए जाएं और शिक्षा प्रणालियों में शांति एवं अहिंसा के मूल्यों को शामिल किया जाए। साथ ही युद्ध अर्थव्यवस्था के स्थान पर मानव कल्याण आधारित विकास मॉडल को प्राथमिकता दी जाए। अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच हुआ युद्धविराम निश्चय ही राहत का क्षण है, किंतु इसे स्थायी शांति में परिवर्तित करना अभी शेष है। यदि यह केवल सामरिक पुनर्संरचना का चरण बनकर रह गया, तो भविष्य में और भी अधिक विनाशकारी संघर्षों का मार्ग प्रशस्त हो सकता है। लेकिन यदि विश्व समुदाय इस अवसर को आत्ममंथन का क्षण मानकर अहिंसा, संवाद और सह-अस्तित्व की नई वैश्विक संस्कृति विकसित करता है, तो यह युद्धविराम मानव इतिहास के एक नए अध्याय का प्रारंभ भी बन सकता है। दुनिया को आज युद्ध का अंधेरा नहीं, शांति का उजाला चाहिए। मानवता के समक्ष यही सबसे बड़ी चुनौती है और यही सबसे बड़ा अवसर भी।

संपादकीय

भयावह जलवायु संकट

ब्राजील के बेलेम में संपन्न कॉप-30 सम्मेलन में जारी 'जलवायु जोखिम सूचकांक-2026' रिपोर्ट में उल्लेखित आंकड़े भारत से जुड़ी जलवायु संकट की भयावह तस्वीर दिखाते हैं। रिपोर्ट बताती है कि भारत दुनिया में जलवायु आपदाओं से सबसे ज्यादा प्रभावित पहले दस देशों में शामिल हैं। यह डराने वाली रिपोर्ट बताती है कि पिछले तीन दशक में भारत में आई जलवायु संकट से जुड़ी आपदाओं में करीब अस्सी हजार लोगों को मौत का ग्रास बनना पड़ा। इतना ही नहीं करीब 170 अरब अमेरिकी डॉलर का नुकसान भी देश को उठाना पड़ा है। ये आंकड़े जलवायु संकट के देश पर पड़ने वाले घातक प्रभावों की तस्वीर उकेरते हैं। जो बताते हैं कि इस संकट से उबरने के प्रयासों में और तेजी लाने की जरूरत है। निश्चित तौर पर इस दिशा में यदि युद्ध स्तरीय प्रयास तेज नहीं किए जाते तो भविष्य में परिणाम और घातक हो सकते हैं। ये प्रयास केवल सरकारी स्तर पर ही नहीं, सामाजिक स्तर पर भी तेज करने की जरूरत है। जागरूकता अभियानों में भी तेजी लाने की जरूरत है। इस संकट ने फसलों पर पड़ने वाले व्यापक प्रभाव से हमारी खाद्य शृंखला पर भी संकट मंडरा सकता है। हमें 140 करोड़ से अधिक आबादी वाले देश का पेट भरने के लिये इस दिशा में शोध-अनुसंधान के साथ व्यापक किसान जागरूकता कार्यक्रम भी चलाने की जरूरत है। दरअसल, जलवायु संकट के चलते देश में जो ज्यादा नुकसान हुआ है, उसके पीछे लगातार आ रहे चक्रवात, कुछ इलाकों में सूखे और बाढ़ की लगातार पैदा होती स्थितियां हैं। जाहिर इसके मूल में तेजी से बढ़ता वातावरण का तापमान ही है। जिसका मुख्य कारक ग्लोबल वार्मिंग ही है। निश्चित रूप से भारत में जलवायु संकट की स्थिति लगातार विकट होती जा रही है। निर्विवाद रूप से देश के सामने पैदा मौसमी आपदाओं से हमारे विकास में भी बाधा उत्पन्न हो रही है। जो जीविका संकट भी पैदा कर रहा है। दरअसल, बेलेम में संपन्न कॉप-30 सम्मेलन में जारी की गई 'जलवायु जोखिम सूचकांक-2026' रिपोर्ट उन संकटपूर्ण स्थितियों का भी खुलासा करती है जो जलवायु संकट के कारण पैदा हो रहे हैं। रिपोर्ट बताती है कि पिछले वर्ष भारी बारिश व विनाशक रूप में आई बाढ़ से देश में करीब अस्सी लाख लोग बुरी तरह प्रभावित हुए हैं।

चिंतन-मनन

शाश्वत प्रेम अंतहीन है

प्रेम कितना ही होता जाए, अधूरा ही बना रहता है। वह परमात्मा जैसा है। कितना ही विकसित होता जाए, पूर्ण से पूर्णतर होता जाता है, फिर भी विकास जारी है। जैसे प्रेम का अधूरापन ही उसकी शाश्वतता है। ध्यान रखना कि जो चीज पूरी हो जाती है, वह मर जाती है। पूर्णता मृत्यु है; क्योंकि फिर बचा नहीं कुछ करने को, होने को कुछ बचा नहीं, आगे कोई गति न रही। जो चीज पूर्ण हो गयी, वह मर गयी। मर ही जायेगी, क्योंकि फिर क्या होगा? सिर्फ वही जी सकता है जो शाश्वत रूप से अपूर्ण है, अधूरा है, आधा है। तुम कितना ही भरो, वह अधूरा रहेगा। आधा होना उसका स्वभाव है। तुम कितने ही तृप्त होते जाओ, फिर भी पाओगे कि हर तृप्ति और अतृप्त कर जाती है। जितना पीते हो, उतनी ही प्यास बढ़ती चली जाती है। यह ऐसा जल नहीं है कि पी लो और तृप्त हो जाओ। यह प्यास को और जलाएगा। इसलिए प्रेमी कभी तृप्त नहीं होता। उसके आनंद का कोई अन्त नहीं है। क्योंकि आनंद का वहीं अन्त हो जाता है, जहां चीजें पूरी हो जाती हैं। कामी तृप्त हो सकता है, प्रेमी नहीं। काम का अन्त है, सीमा है; प्रेमी का कोई अन्त नहीं, कोई सीमा नहीं। प्रेम आदि-अनादि है। वह ठीक परमात्मा के स्वरूप का है। इस जगत में प्रेम परमात्मा का प्रतिनिधि है, समय की धारा में समयातीत का प्रवेश है, मनुष्य की दुनिया में अतिमानवीय किरण का आगमन है। प्रेम प्रतीक है यहां परमात्मा का और उसका स्वभाव परमात्मा जैसा है। परमात्मा कभी पूरा नहीं होगा, नहीं तो समाप्त हो जाएगा। उसकी पूर्णता बड़ी गहन अपूर्णता जैसी है। उपनिषद कहते हैं कि उस पूर्ण से पूर्ण को निकाल लो तो भी वह पूर्ण ही रहता है। उस पूर्ण में और पूर्ण को डाल दो, तो भी वह उतना ही रहता है, जितना था। वह जैसा है, वैसा ही है; उसमें घट-बढ़ नहीं होती। प्रेम भी जैसा पहले दिन होता है, वैसा ही अंतिम दिन भी होगा। जो चुक जाये, उसे तुम प्रेम ही मत समझना; वह काम वासना रही होगी। जिसका अन्त आ जाये, वह शरीर से सम्बन्धित है। आत्मा से जिस चीज का भी सम्बन्ध है, उसका कोई अन्त नहीं है। शरीर भी मिटता है, मन भी मिटता है; आत्मा तो चलती चली जाती है। वह यात्रा अनन्त है। मंजिल कोई है नहीं, क्योंकि अगर मंजिल हो तो मृत्यु हो जायेगी। तो कबीर कहते हैं : ढाई आखर प्रेम का! वे प्रेम के ढाई अक्षर की तरफ इशारा तो करते ही हैं, गहरा इशारा है प्रेम के आधेपन का। प्रेमी और प्रेयसी के बीच एक अदृश्य धारा है, एक अदृश्य आंदोलन है, एक सेतु है जिससे वे दोनों जुड़ गये हैं और एक हो गये हैं।

मोदी सरकार में सत्ता,संगठन में बदलाव के संकेतों की राजनीति ?

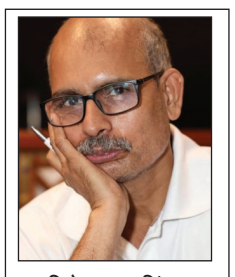

विनोद कुमार सिंह

बदलते राजनीतिक समीकरणों, राज्यसभा चुनावों और भाजपा के विस्तार अभियान के बीच संभावित फेरबदल की पड़ताल...

विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत की ओर सभी राजनीति पंडितओ का एक फिर से आकर्षण का केन्द्र बना हुआ है।जिसे चर्चा का बाजार फिर से गर्म है।उनका मानना है कि भारतीय राजनीति में कई बार घटनाओं से अधिक महत्वपूर्ण उनके संकेत होते हैं।सत्ता के गलियारों में जब अचानक गतिविधियाँ बढ़ने लगें,संगठनात्मक बैठकों का दौर तेज हो जाए,राज्यों में नेतृत्व परिवर्तन की चचाएँ होने लगें,राज्यसभा चुनाव सम्पन्न हो जाएँ और विभिन्न दलों के नेता नई राजनीतिक पारी की तलाश में सत्ताधारी दल की ओर रुख करने लगें,तब अनुभवी राजनीतिक पर्यवेक्षक समझ जाते हैं कि राजनीति किसी बड़े परिवर्तन की पटकथा की भूमिका लिख रही है।आज देश की राजधानी दिल्ली में कुछ ऐसा ही वातावरण दिखाई दे रहा है।केंद्र की मोदी सरकार और भारतीय जनता पार्टी के संगठन को लेकर चल रही चचाएँ यह संकेत दे रही हैं कि आने वाले दिनों में सत्ता और संगठन दोनों स्तरों पर महत्व पूर्ण परिवर्तन देखने को मिल सकते हैं।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार अपने तीसरे कार्यकाल के प्रारम्भिक चरण में है।किसी भी सरकार के लिए यह वह समय होता है,जब चुनावी उत्साह धीरे-धीरे प्रशासनिक यथार्थ में बदलता है और राजनीतिक नेतृत्व आगामी वर्षों की रणनीति तैयार करना शुरू करता है।भाजपा की कार्यशैली को देखते हुए यह मानना कठिन नहीं कि पार्टी नेतृत्व 2027 के महत्व पूर्ण विधानसभा चुनावों और 2029 के लोकसभा चुनावों की तैयारी अभी से आरम्भ कर चुका है।यही कारण है कि मंत्रिमंडल विस्तार और संगठनात्मक पुनर्गठन की चचाएँ केवल राजनीतिक अटकलें नहीं,बल्कि व्यापक रणनीतिक सोच का हिस्सा प्रतीत होती हैं।हाल में सम्पन्न राज्यसभा चुनावों ने भी राजनीतिक समीकरणों को नई दिशा दी है। भाजपा ने विभिन्न सामाजिक वर्गों,क्षेत्रों और पेशेवर पृष्ठभूमि से आने वाले चेहरों को संसद के उच्च सदन में भेजकर यह संकेत दिया है कि पार्टी भविष्य की राजनीति के लिए नया नेतृत्व तैयार कर रही है। भारतीय राजनीति में राज्यसभा केवल विधायी सदन नहीं,बल्कि अनेक बार केंद्रीय नेतृत्व की प्रयोगशाला भी रही है।अतीत में अनेक ऐसे नेता रहे हैं,जिन्हें पहले राज्यसभा के माध्यम से राष्ट्रीय राजनीति में स्थापित किया गया और बाद में मंत्रिपरिषद में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियाँ सौंपी गईं। इसलिए यह स्वाभाविक है कि राज्यसभा में पहुँचे कुछ नए चेहरे भविष्य के संभावित केंद्रीय मंत्री के रूप में भी देखे जा रहे हैं ।राजनीतिक चचाओं का एक महत्वपूर्ण पहलू उन नेताओं को लेकर भी है जिन्होंने हाल के वर्षों में विभिन्न दलों को छोड़कर भाजपा का दामन थामा है।भारतीय राजनीति में दल-बदल कोई नई घटना नहीं है,किन्तु जब सत्तारूढ़ दल में प्रभावशाली नेता शामिल होते हैं तो उनके राजनीतिक भविष्य को लेकर अटकलें तेज होना स्वाभाविक है।भाजपा नेतृत्व के सामने चुनौती यह है कि वह पुराने कार्यकताओं की अपेक्षाओं, नए नेताओं की महत्वाकांक्षाओं और क्षेत्रीय राजनीतिक आवश्यकताओं के बीच संतुलन स्थापित करे।यही कारण है कि मंत्रिमंडल और संगठन में संभावित बदलाव को केवल प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं,बल्कि राजनीतिक संतुलन साधने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है।इन चचाओं के बीच हाल में एक केंद्रीय राज्य मंत्री के इस्तीफे को राष्ट्रपति द्वारा स्वीकार किए जाने की घटना ने भी राजनीतिक हलकों में नई जिज्ञासा पैदा कर दी है।भारतीय राजनीति में हर इस्तीफा केवल व्यक्तिगत निर्णय नहीं माना जाता।कई बार वह व्यापक राजनीतिक पुनर्संरचना का संकेत भी बन जाता है।यद्यपि आधिकारिक रूप से इसे सामान्य संवैधानिक प्रक्रिया बताया गया है,फिर भी राजनीतिक विश्लेषक इसे संभावित फेरबदल से जोड़कर देख रहे हैं।दिल्ली की राजनीति में अक्सर घटनाओं का महत्व उनके तत्काल प्रभाव से नहीं,बल्कि उनके दूरगामी संकेतों से निर्धारित होता है।भाजपा की राजनीति का एक विशिष्ट पक्ष यह रहा है कि वह सरकार और संगठन दोनों को समान महत्व देती है।अटलबिहारी वाजपेयी के दौर से लेकर नरेन्द्र मोदी के वर्तमान नेतृत्व तक पार्टी ने समय-समय पर नेताओं को सरकार से संगठन और संगठन से सरकार में भेजकर नई भूमिकाएँ सौंपी हैं। इस दृष्टि से संभावना व्यक्त की जा रही है कि कुछ वर्तमान मंत्री संगठन में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियाँ संभाल सकते हैं,जबकि संगठन में सक्रिय कुछ नेताओं को सरकार में अवसर मिल सकता है।आगामी वर्षों में जिन राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं,वहाँ भाजपा संगठन को और अधिक सक्रिय तथा प्रभावी बनाने की आवश्यकता महसूस कर रही है।इसलिए अनुभवी नेताओं को संगठनात्मक जिम्मेदारी सौंपना पार्टी की रणनीति का हिस्सा हो सकता है। मंत्रिमंडल विस्तार की चर्चा के साथ-साथ प्रदर्शन का प्रश्न भी स्वाभाविक रूप से उठता है। प्रत्येक सरकार अपने मंत्रियों का मूल्यांकन करती है और राजनीतिक प्रभाव,प्रशासनिक क्षमता तथा जनस्वीकार्यता के आधार पर जिम्मेदारियों का पुनर्वितरण करती है।मोदी सरकार की कार्यशैली को देखते हुए यह माना जाता है कि प्रदर्शन और राजनीतिक उपयोगिता दोनों को महत्व दिया जाता है।ऐसे में कुछ मंत्रियों की भूमिका बढ़ सकती है।कुछ के विभाग बदल सकते हैं और कुछ नए चेहरे सरकार में स्थान पा सकते हैं।यह भी संभव है कि युवाओं,महिलाओं, अनुसूचित जाति-जनजाति समुदायों तथा क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व को ध्यान में रखते हुए मंत्रिमंडल में नई सामाजिक और राजनीतिक संतुलनकारी संरचना दिखाई दे। सहयोगी दलों की भूमिका भी इस पूरी प्रक्रिया में महत्वपूर्ण है। वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियों में एनडीए केवल भाजपा का विस्तार नहीं,बल्कि अनेक क्षेत्रीय आकांक्षाओं का गठबंधन भी है। इसलिए यदि मंत्रिमंडल में फेरबदल होता है तो सहयोगी दलों की अपेक्षाओं और उनके राजनीतिक महत्व को भी ध्यान में रखा जा सकता है।गठबंधन राजनीति की सफलता केवल बहुमत के आंकड़ों पर नहीं,बल्कि सम्मानजनक भागीदारी और राजनीतिक विश्वास पर भी निर्भर करती है।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की राजनीतिक शैली का अध्ययन करने वाले जानते हैं कि वे अपने निर्णयों को अंतिम क्षण तक गोपनीय रखने में विश्वास करते हैं।पिछले वर्षों में हुए मंत्रिमंडल विस्तारों ने यही सिद्ध किया है कि राजनीतिक विश्लेषकों की अनेक भविष्यवाणियाँ अंतिम सूची आने तक केवल अटकलें ही बनी रहती हैं।यही कारण है कि आज दिल्ली में चचाएँ बहुत हैं,संकेत अनेक हैं, किंतु निश्चित जानकारी बहुत कम है।बदलते राजनीतिक समीकरणों, राज्यसभा चुनावों और भाजपा के विस्तार अभियान के बीच संभावित फेरबदल की पड़ताल करने पर यह स्पष्ट दिखाई देता है कि भाजपा और केंद्र सरकार दोनों आने वाले राजनीतिक चरण के लिए स्वयं को तैयार कर रहे हैं।भारतीय राजनीति में परिवर्तन की आहट हमेशा पहले सुनाई देती है और घोषणा बाद में होती है।वर्तमान परिस्थितियाँ भी कुछ ऐसा ही संकेत दे रही हैं।सत्ता और संगठन की इस नई बिसात पर कौन आगे बढ़ेगा,कौन नई भूमिका में दिखाई देगा,कौन मंत्रिमंडल में स्थान पाएगा और कौन संगठन की जिम्मेदारी संभालेगा,इसका अंतिम निर्णय तो भाजपा नेतृत्व ही करेगा। लेकिन इतना निश्चित है कि आने वाले दिनों में दिल्ली की राजनीति कुछ नए चेहरे,नई जिम्मेदारियाँ और नए राजनीतिक संदेश लेकर सामने आ सकती है।भारतीय लोकतंत्र की यही विशेषता है कि यहाँ सत्ता केवल शासन नहीं करती, बल्कि निरंतर स्वयं को पुनर्गठित भी करती रहती है।संभवतः देश की राजनीति इसी पुनर्गठन के एक नए दौर की दहलीज पर खड़ी है।

सुरक्षा मानकों पर सवालः आखिर कब रुकेंगी ऐसी दर्दनाक अग्नि दुर्घटनाएं?

सुनील कुमार महला

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के अलीगंज क्षेत्र में 22 जून 2026 को एक दो-मंजिला व्यावसायिक भवन में लगी भीषण आग ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया। उपलब्ध जानकारी के अनुसार इस दर्दनाक हादसे में तीन महिलाओं सहित 15 लोगों की मृत्यु हो गई, जबकि सात अन्य घायल बताए जा रहे हैं। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार मृतकों में अधिकांश विद्यार्थी थे, जो भवन की दूसरी मंजिल पर संचालित डिजिटल लाइब्रेरी और एनिमेशन सेंटर में अध्ययन कर रहे थे। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार आग ग्राउंड फ्लोर पर स्थित एक पेट शॉप में शॉर्ट सर्किट के कारण लगी और कुछ ही मिनटों में पूरे भवन में फैल गई। यह भी सामने आया है कि प्रवेश द्वार थंब इम्प्रेशन प्रणाली से संचालित था, जो आपातकालीन स्थिति में समय पर नहीं खुल पाया। साथ ही, भवन में आपातकालीन निकास(एमरजेंसी एक्जिट) मार्ग की पर्याप्त व्यवस्था नहीं थी और भवन की सीढ़ियां भी अत्यंत संकरी थीं। यदि भवन का निर्माण स्वीकृत नक्शे के विपरीत किया गया था, अग्नि सुरक्षा मानकों की अनदेखी की गई थी, फायर सेफ्टी उपकरण पर्याप्त नहीं थे तथा हाइड्रेंट सिस्टम भी काम नहीं कर रहा था, तो यह निश्चित रूप से घोर लापरवाही का ही मामला कहा जा सकता है। इस दुखद घटना पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, बसपा प्रमुख मायावती और सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव सहित अनेक नेताओं ने गहरा शोक व्यक्त किया है।

हम सभी यह बात अच्छी तरह से जानते हैं कि आज कोचिंग संस्थानों, पुस्तकालयों, विद्यालयों और विभिन्न प्रशिक्षण केंद्रों में बड़ी संख्या में विद्यार्थी अध्ययन करते हैं व प्रशिक्षण लेते हैं। ऐसे में आगजनी जैसी दुर्घटनाओं से बचाव के लिए सुरक्षा इंतजाम अत्यंत महत्वपूर्ण और अनिवार्य हैं। प्रत्येक संस्थान में अग्निशमन यंत्र, फायर अलार्म, धुआँ संवेदक (स्मोक डिटेक्टर) तथा आपातकालीन निकास मार्ग की समुचित व्यवस्था तो होनी ही चाहिए। विद्युत तारों और उपकरणों की नियमित जांच के साथ-साथ विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों को आपातकालीन परिस्थितियों में सुरक्षित निकासी का प्रशिक्षण भी समय-समय पर दिया जाना चाहिए। बच्चों और विद्यार्थियों की सुरक्षा में तो सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए, जैसा कि बच्चे तो किसी भी देश का भविष्य होते हैं। वैसे बच्चों की ही नहीं,हर किसी की सुरक्षा सुनिश्चित की जानी चाहिए, क्यों कि जान हर किसी की कीमती होती है। अग्नि सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन, नियमित निरीक्षण तथा समय-समय पर मॉक ड्रिल आयोजित करना आज समय की आवश्यकता हो गई है। सतर्कता और उचित तैयारी के माध्यम से अनेक बहुमूल्य जीवन बचाए जा सकते हैं।

पाठक जानते होंगे कि पिछले कुछ वर्षों में देश में आगजनी की कई बड़ी घटनाओं ने जन-धन की भारी हानि पहुंचाई है और अग्नि सुरक्षा व्यवस्थाओं पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। दो साल पहले यानी कि वर्ष 2024 में दिल्ली के एक शिशु अस्पताल में लगी आग में कई नवजातों की मृत्यु हुई थी। इसी प्रकार से वर्ष 2025 में हैदराबाद के गुलजार हौज क्षेत्र में भीषण आग लगने से 17 लोगों की जान चली गई। इसी अवधि में जयपुर के एसएमएस अस्पताल के आईसीयू में लगी आग ने भी कई परिवारों को गहरे दुख में डाल दिया। वर्ष 2026 में ओडिशा के कटक स्थित एससीबी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के आईसीयू में आग लगने से अनेक मरीजों की मृत्यु हुई। वहीं लखनऊ के इस प्रशिक्षण केंद्र में हुई दुर्घटना ने एक बार फिर स्पष्ट कर दिया है कि अस्पतालों, शिक्षण संस्थानों, व्यावसायिक भवनों और औद्योगिक प्रतिष्ठानों में अग्नि सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन, नियमित निरीक्षण तथा प्रभावी आपातकालीन निकासी व्यवस्था अत्यंत आवश्यक है।

आगजनी की घटनाओं को रोकने के लिए अग्नि सुरक्षा नियमों का सख्ती से पालन करना आवश्यक है। भवनों, अस्पतालों, विद्यालयों, बाजारों और औद्योगिक इकाइयों में अग्निशमन यंत्र, धुआँ संवेदक, फायर अलार्म तथा आपातकालीन निकास मार्ग की उचित व्यवस्था होनी चाहिए। विद्युत तारों और उपकरणों की नियमित जांच कर शॉर्ट सर्किट की संभावना को कम किया जा सकता है। गैस सिलेंडरों तथा अन्य ज्वलनशील पदार्थों का सुरक्षित भंडारण भी आवश्यक है। लोगों को समय-समय पर अग्नि सुरक्षा प्रशिक्षण और मॉक ड्रिल के माध्यम से जागरूक किया जाना चाहिए। साथ ही भवन निर्माण के दौरान निर्धारित सुरक्षा मानकों का पालन तथा संबंधित विभागों द्वारा नियमित निरीक्षण सुनिश्चित किया जाए, तो आगजनी की घटनाओं और उनसे होने वाली जन-धन की हानि को काफी हद तक रोका जा सकता है। मानव जीवन अमूल्य है और उसकी सुरक्षा के प्रति किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार्य नहीं होनी चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

कतर के गैस संयंत्र पर धमाका, 54 लोग गंभीर रूप से घायल, 18 लापता की तलाश जारी

दोहा , एजेंसी। कतर के प्रमुख प्राकृतिक गैस निर्यात टर्मिनल में रविवार को भीषण विस्फोट हुआ। इस विस्फोट के बाद लगी आग में 54 लोग घायल हो गए और 18 लोग अभी भी लापता हैं। ईरान युद्ध के दौरान ईरानी हमले में इस गैस प्लांट को भारी नुकसान हुआ था। रविवार को इस प्लांट को मरम्मत के बाद फिर से चालू करने की कोशिश की गई। इसी कोशिश में विस्फोट हुआ। यह विस्फोट रास लाफान औद्योगिक क्षेत्र में हुआ, जो कतर के प्राकृतिक गैस उद्योग का प्रमुख केंद्र है। इस घटना से वैश्विक ऊर्जा बाजारों में और अधिक अस्थिरता पैदा होने की आशंका जताई जा रही है, क्योंकि कतर दुनिया के सबसे बड़े प्राकृतिक गैस उत्पादकों में से एक है। ईरान द्वारा हॉर्मुज जलडमरूमध्य पर नियंत्रण कड़ा किए जाने के कारण कतर अपने ग्राहकों तक गैस की खेप नहीं भेज पा रहा था। इसी वजह से कतर ने अपनी गैस उत्पादन गतिविधियों को अस्थायी रूप से बंद कर दिया था। हालांकि, युद्ध को स्थायी रूप से समाप्त करने को लेकर जारी वार्ताओं के बीच ईरान द्वारा जलडमरूमध्य पर अपनी पकड़ कुछ ढीली करने के बाद कतर ने अपने निर्यात टर्मिनल को फिर से चालू करने की प्रक्रिया शुरू की थी। रविवार रात इसी प्रक्रिया के दौरान बरजान गैस आपूर्ति संयंत्र में विस्फोट हुआ और आग लग गई। सरकारी स्वामित्व वाली कंपनी कतर एनर्जी ने इस घटना की पुष्टि की है। विस्फोट के बाद हुए नुकसान का आकलन किया जा रहा है। शुरुआत जांच के बाद अधिकारियों ने बताया था कि केवल कुछ लोग ही घायल हुए हैं। हालांकि, कई घंटे बाद कतर के गृह मंत्रालय ने कहीं अधिक गंभीर स्थिति का खुलासा करते हुए बताया कि इस हादसे में 54 लोग घायल हुए हैं।

नेपाल के बारा में यात्री बस पलटी 11 यात्री हुए घायल

काठमांडू, एजेंसी। रक्सौल के नितनपुर चौक पर एक यात्री बस दुर्घटनाग्रस्त हो गई, जिससे 11 लोग घायल हो गए। इनमें से एक की हालत गंभीर है। सभी यात्री सप्तरी और पर्सा जिले के हैं। हादसे के बाद बस के चालक ने मौके से भाग लिया। पुलिस उसकी तलाश कर रही है। नेपाल के बारा जिले के जीतपुरसिमरा उपमहानगरपालिका-10 स्थित नितनपुर चौक पर रविवार सुबह एक यात्री बस दुर्घटनाग्रस्त होकर सड़क पर पलट गई, इससे 11 यात्री घायल हो गए। घायलों में एक व्यक्ति की हालत गंभीर बताई जा रही है। सभी नेपाल के सप्तरी व पर्सा जिले के रहने वाले हैं।हादसे के बाद चालक मौके से फरार हो गया, जिसकी तलाश जारी है। पुलिस के अनुसार, वीरगंज से सप्तरी के राजविराज की ओर जा रही यात्री बस रविवार सुबह करीब 11 बजे वीरगंज-पथलैया सड़क खंड के नितनपुर चौक के समीप एक अन्य वाहन को ओवरटेक करने के दौरान अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गई। घायलों को तत्काल विभिन्न अस्पतालों में भेजा गया। दुर्घटना के बाद क्षतिग्रस्त बस को हटाकर इलाका पुलिस कार्यालय सिमरा के नियंत्रण में रखा गया।

ऑस्ट्रेलिया में बर्ड फ्लू की पुष्टि, वन्यजीवों पर खतरा

केनबरा, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया में घातक एच5एन1 बर्ड फ्लू के पहले मामले की आधिकारिक रूप से पुष्टि हो गई है। शनिवार को पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया में पाए गए एक ब्राउन स्कुआ समुद्री पक्षी में इस वायरस की मौजूदगी की पुष्टि की गई। यह समुद्री पक्षी पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया के पर्थ शहर से लगभग 700 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व स्थित केप ले ग्रांड नेशनल पार्क के निकट पाया गया था। इसी क्षेत्र में मिले एक अन्य समुद्री पक्षी, साउदर्न जायंट पेट्रेल, के भी इस वायरस से संक्रमित होने की आशंका जताई गई है। रुआती जांच के बाद दोनों पक्षियों से लिए गए नमूनों को वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान संगठन भेजे गए, जहां एच5एन1 वायरस की पुष्टि की गई। विशेषज्ञों का मानना है कि इस वायरस ने दुनिया के अन्य महाद्वीपों में वन्यजीव आबादी को भारी नुकसान पहुंचाया है और ऑस्ट्रेलिया में इसकी मौजूदगी देश के पक्षियों और वन्यजीवों की सुरक्षा के लिए एक लंबी चुनौती की शुरुआत हो सकती है। एवियन इन्फ्लूएंजा वायरस हजारों वर्षों से मौजूद हैं और अधिकांश मामलों में पक्षियों में कोई गंभीर बीमारी नहीं पैदा करते। हालांकि, वर्ष 1996 में इन वायरसों में से एक ने विकसित होकर गंभीर बीमारी पैदा करने की क्षमता हासिल कर ली। इसके बाद से एचपीएआई एच5एन1 वायरस पोल्ट्री उद्योग के लिए बड़ा खतरा बन गया। दुनिया के कुल पक्षियों में लगभग 70 प्रतिशत हिस्सेदारी रखने वाली मुर्गियां इस वायरस का सबसे ज्यादा शिकार बन चुकी हैं।

स्विट्जरलैंड में अमेरिका-ईरान शांति वार्ता अधर में अटकी ! ईरानी प्रतिनिधिमंडल का वॉकआउट

बर्न, एजेंसी। मध्य पूर्व में शांति बहाली और तनाव कम करने के उद्देश्य से स्विट्जरलैंड में चल रही अमेरिका-ईरान की बेहद संवेदनशील कूटनीतिक वार्ता में एक अप्रत्याशित मोड़ आ गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा सोशल मीडिया पर ईरान को दी गई सीधी सैन्य चेतावनी के बाद, ईरानी प्रतिनिधिमंडल बैठक बीच में ही छोड़कर बाहर निकल गया। इस घटना के बाद से यह अटकलें तेज हो गई हैं कि दोनों देशों के बीच की यह नाजुक शांति वार्ता पूरी तरह पटरी से उतर चुकी है। बैठक स्थल से सामने आए एक वीडियो फुटेज ने कूटनीतिक गलियारों में हलचल मचा दी है। वीडियो में साफ दिख रहा है कि चर्चा के बीच ही ईरानी अधिकारियों का दल कमरे से बाहर निकल जाता है। इस दौरान कमरे में मौजूद अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ मूकदर्शक बनकर देखते रह गए।

बातचीत किस बारे में थी : यह बातचीत मध्य पूर्व में तनाव कम करने के चल रहे प्रयासों का हिस्सा थी और 14-सूत्रीय समझौता ज्ञापन के तहत आयोजित की गई थी। खबरों के अनुसार, वार्ताकारों ने कई अहम मुद्दों पर घंटों चर्चा की, जिनमें लेबनान में संघर्ष विराम बनाए रखना, होर्मुज जलडमरूमध्य से आवाजाही की स्वतंत्रता सुनिश्चित करना और

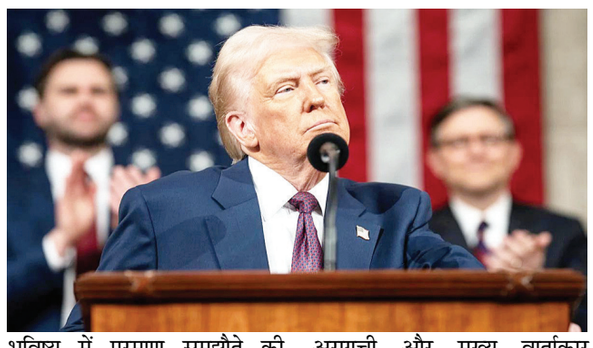

भविष्य में परमाणु समझौते की संभावना तलाशना शामिल था।

खबरों के मुताबिक, दोनों पक्ष क्षेत्र में और अस्थिरता को रोकने के उद्देश्य से तकनीकी और राजनीतिक उपायों पर विचार कर रहे थे। चर्चा का मुख्य केंद्र लेबनान था, जहां अधिकारियों ने दक्षिणी लेबनान के कुछ हिस्सों में जारी सैन्य गतिविधियों के बावजूद मौजूदा संघर्ष विराम को मजबूत करने के तरीकों की समीक्षा की। प्रतिभागियों ने तनाव बढ़ने से रोकने और पिछले समझौतों के पालन में सुधार के तरीकों पर भी विचार किया।

क्या ईरानी प्रतिनिधिमंडल ने हाथ मिलाने की योजना को ठुकरा दिया : औपचारिक चर्चा शुरू होने से पहले, आयोजकों ने दोनों देशों के प्रतिनिधियों के बीच प्रतीकात्मक रूप से हाथ मिलाने और समूह फोटो खिंचवाने की योजना बनाई थी। हालांकि, विदेश मंत्री अब्बास अरागची और मुख्य वार्ताकार मोहम्मद बाघेरी गालिबाफ सहित ईरानी वार्ताकारों ने इसमें भाग लेने से इनकार कर दिया।

खबरों के अनुसार, ईरानी अधिकारियों ने प्रस्तावित फोटो सेशन को गंभीर राजनयिक बातचीत के बजाय प्रचार का एक जरिया माना। बैठक स्थल के वीडियो फुटेज में अरागची को उस कमरे में प्रवेश करते हुए दिखाया गया जहां जेडी वेंस, अमेरिकी दूत स्टीव विटकोफ और अन्य अमेरिकी अधिकारी मौजूद थे। अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल के साथ बातचीत करने के बजाय, अरागची ने पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से हाथ मिलाकर अभिवादन किया और कुछ ही क्षणों बाद वहां से चले गए।

ट्रंप ने क्या कहा : ट्रंप ने लेबनान में हिजबुल्लाह की गतिविधियों को लेकर तेहरान को कड़ी चेतावनी दी। सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में, ट्रंप ने मांग की कि ईरान हिजबुल्लाह पर लगाम लगाए और चेतावनी दी कि ऐसा न करने पर अमेरिका की ओर से नई सैन्य कार्रवाई हो सकती है। ये टिप्पणियां उस समय आईं जब बातचीत चल ही रही थी, जिससे वार्ता में अनिश्चितता का एक नया पहलू जुड़ गया। ट्रंप ने लिखा, 'ईरान को लेबनान में अपने भारी-भरकम पैसे पाने वाले प्रॉक्सी (प्रतिनिधियों) को गड़बड़ी फैलाने से तुरंत रोकना चाहिए। अगर वे ऐसा नहीं करते हैं, तो हम ईरान पर फिर से बहुत ज़ोरदार हमला करेंगे, ठीक वैसे ही जैसे हमने पिछले हफ़्ते किया था, बल्कि उससे भी ज़्यादा ज़ोरदार!!!'

बाद में ईरानी मीडिया ने बताया कि प्रतिनिधिमंडल के जाने का फ़ैसला राष्ट्रपति की टिप्पणियों से जुड़ा था, जिसे तेहरान के अधिकारियों ने कूटनीतिक पहल के बजाय एक धमकी के तौर पर देखा। ईरानी मीडिया की रिपोर्टों से पता चला कि ट्रंप की टिप्पणियों के बाद बातचीत करने वालों ने अमेरिकी पक्ष के सामने औपचारिक रूप से अपनी आपत्तियां ज़ाहिर कीं। हालांकि किसी भी पक्ष ने आधिकारिक तौर पर बातचीत के विफल होने की घोषणा नहीं की है, लेकिन इस घटना ने नए सवाल खड़े कर दिए हैं कि क्या बढ़ती बयानबाज़ी के बीच यह नाजुक कूटनीतिक गति बनी रह पाएगी।

शिकागो शहर में गोलीबारी में सात लोगों की मौत, कई घायल; ट्रंप ने दोहराई सैन्य हस्तक्षेप की मांग

शिकागो , एजेंसी। अमेरिका के शिकागो शहर में सप्ताहांत के दौरान हुई गोलीबारी की कई घटनाओं में कम से कम सात लोगों की मौत हो गई, जबकि 38 अन्य घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, ये घटनाएं शुक्रवार शाम से शुरू हुईं। इन घटनाओं के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने देश के तीसरे सबसे बड़े शहर में सैन्य हस्तक्षेप की अपनी मांग दोहराई है। डोनाल्ड ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर लिखा, 'गवर्नर प्रिट्जकर मुझसे मदद क्यों नहीं मांग रहे हैं? मैं एक महीने में शिकागो को सुरक्षित शहर बना सकता हूं। एक साल में यह सबसे सुरक्षित शहरों में शामिल होगा।' इलिनॉय के गवर्नर जे.बी. प्रिट्जकर के कार्यालय ने इस पर तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। प्रिट्जकर वर्ष 2028 के संभावित डेमोक्रेटिक राष्ट्रपति पद के दावेदार माने जाते हैं और वे पहले भी ट्रंप की सैन्य हस्तक्षेप संबंधी मांगों को खारिज कर चुके हैं। ट्रंप के कार्यकाल में न्यू ऑरलियन्स, वॉशिंगटन डीसी और टेनेसी के मेम्फिस जैसे डेमोक्रेटिक नेतृत्व वाले शहरों में अपराध नियंत्रण अभियानों के लिए नेशनल गार्ड की तैनाती की जा चुकी है। हालांकि, शिकागो पुलिस विभाग के आंकड़ों के अनुसार पिछले वर्ष की पहली छमाही की तुलना में गोलीबारी की घटनाओं में मामूली वृद्धि हुई है, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में शहर में हिंसक अपराधों की दर में सामान्य तौर पर कमी दर्ज की गई है। पुलिस द्वारा साझा की गई प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, शुक्रवार शाम पांच बजे से अब तक कम से कम दो दर्जन गोलीबारी की घटनाएं हुई हैं। मारे गए लोगों में एक 21 वर्षीय युवक शामिल है, जिसे रविवार को सीने में गोली मारी गई। इसके अलावा शनिवार शाम एक 18 वर्षीय युवक की बगल में गोली लगने से मौत हुई, जबकि शुक्रवार को 50 वर्षीय व्यक्ति की सीने में गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने बताया कि शुक्रवार शाम शिकागो की एक सड़क पर खड़ी भीड़ पर एक एसयूवी से आए दो लोगों ने अंधाधुंध गोलीबारी कर दी।

जीत का जश्न बना रही थी महिला, पड़ोसी ने 911 पर किया फोन; अमेरिकी पुलिस ने घर में घुसते ही चलाई गोली

वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका के लॉस एंजिलिस में एक महिला की खुशी का जश्न कुछ ही मिनटों में मातम में बदल गया। 911 पर एक पड़ोसी की शिकायत के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने महिला के पालतू कुत्ते को गोली मार दी। इस पूरी घटना का वीडियो अब सामने आया है, जिसके बाद सोशल मीडिया पर पुलिस की कार्रवाई को लेकर भारी विवाद खड़ा हो गया है। वीडियो में दिख रहा है कि महिला अपने पसंदीदा बास्केटबॉल क्लब न्यूयॉर्क निक्स की ऐतिहासिक जीत का जश्न मना रही थी, लेकिन पुलिस ने इसे संभावित खतरे की स्थिति मान लिया।

लॉस एंजिलिस पुलिस विभाग के अनुसार, 13 जून को एक महिला ने 911 पर फोन कर शिकायत की थी कि उसकी पड़ोसी पिछले 20 मिनट से लगातार ओह माय गॉड चिल्ला रही है। शिकायत करने वाली महिला को आशंका थी कि पड़ोसी के घर में कोई गंभीर घटना हुई है। इसके बाद दो पुलिस अधिकारियों को वेलनेस चेक के लिए अपार्टमेंट भेजा गया। जब पुलिस मौके पर पहुंची तो पता चला कि महिला मैरी मार्सिले न्यूयॉर्क निक्स की 53 साल बाद मिली एनबीए चैंपियनशिप जीत का जश्न मना रही थीं।

क्या पुलिस के पहुंचते ही कुत्ते ने भौंकना शुरू कर दिया था? पुलिस द्वारा जारी बॉडीकैम वीडियो में दिखता है कि जैसे ही अधिकारी मैरी मार्सिले से बात करने लगे, उनका दो साल का पालतू कुत्ता जेम्सन जोर-जोर से भौंकने लगा। जेम्सन गोल्डन रिट्रीवर, सेंट बर्नार्ड और पूडल नस्ल का मिश्रित कुत्ता था और उसने न्यूयॉर्क निक्स की जर्सी पहन रखी थी। अधिकारियों ने महिला से कुत्ते को अंदर बांधने के लिए कहा। महिला ने माफी मांगते हुए कुत्ते को अंदर ले जाकर दरवाजा बंद कर दिया। इस दौरान एक अधिकारी को यह कहते हुए सुना गया कि वह इतने बड़े कुत्ते से कटवाना नहीं चाहता।

आखिर पुलिस ने कुत्ते पर गोली क्यों चलाई : कुछ देर बाद महिला ने दोबारा दरवाजा खोला। पुलिस ने उनसे पूछा कि क्या कुत्ते को सुरक्षित कर दिया गया है। महिला ने जवाब दिया कि उसका कुत्ता आक्रामक नहीं है। हालांकि, इसी दौरान करीब 48 किलोग्राम वजनी जेम्सन फिर बाहर आ गया।

गजब ! ऐसा भूकंप आया कि पूरा देश एक तरफ खिसक गया, 6 किमी आगे हुआ शिफ्ट

टोक्यो, एजेंसी। साल 2011 में जापान ने भयंकर दर्द सहा। तब मार्च के महीने में आया एक विनाशकारी भूकंप 20 हजार लोगों की मौत की वजह बन गया। हालांकि, अब नई जानकारी सामने आई है, जिससे खुलासा हुआ है कि सिर्फ तबाही ही नहीं, उस भूकंप ने दुनिया में जापान की जगह ही बदल कर रख दी थी। लोगों को चोट पहुंचाने और तबाही का पर्याय माने जाने वाले भूकंप ने एक ऐसी घटना को भी अंजाम दिया है, जिसने वैज्ञानिकों को भी हैरानी में डाल दिया है। कहानी जापान की है, जिसने साल 2011 में भयंकर दर्द सहा। देश में तब आए भूकंप को लेकर स्टडीज जारी हैं और अब खुलासा हुआ है कि झटकों के बाद पूरा देश ही एक दिशा में आगे बढ़ गया था। अब तक इसकी वजह साफ नहीं हुई थी, लेकिन वैज्ञानिकों

ने इस क्षेत्र में प्रगति कर बड़े रहस्य से पर्दा उठाया है। लगभग 15 साल पहले जापान में आए विनाशकारी भूकंप को लेकर वैज्ञानिकों ने नया खुलासा किया है। 2011 में 9 तीव्रता वाले भूकंप से जापान देश पूर्व की तरफ 5-6 मिलीमीटर आगे खिसक गया था। साल 2011 में आए भूकंप की तीव्रता 9 मापी गई थी। उस विनाशकारी त्रासदी में 20 हजार लोगों की मौत हो गई थी। शिकागो विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने सैटेलाइट नेटवर्क के जरिये डाटा जुटाया। भूकंप के कारण फॉल्ट लाइन (दरार) के पास चट्टानों के बड़े ब्लॉक अचानक एक-दूसरे के आगे फिसल गए। इस भूकंप से जो शक्तिशाली तरंगें निकलीं, वे पृथ्वी के भीतर गहराई में सीधे पृथ्वी के केंद्र तक गईं। ये तरंगें कोर से टकराकर सतह की ओर लौट आईं। इस दौरान तरंगों ने जापान के नीचे मौजूद टेक्टोनिक प्लेटों की सीमाओं को दोबारा सक्रिय कर दिया, जिससे जमीन में अतिरिक्त हलचल पैदा हुई। जापान ने जियो नेट नाम का एक विशाल नेटवर्क बना रखा है। इसमें 1,200 से अधिक जीपीएस स्टेशन लगे हैं।

भविष्य में मिलेगी मदद : इस खुलासे ने बताया कि पृथ्वी के कोर से टकराकर लौटने वाली तरंगें मुख्य भूकंपीय क्षेत्र को दोबारा सक्रिय कर सकती हैं। भविष्य में संवेदनशील इलाकों में भूकंप के खतरों का नए सिरे से आकलन करने में मदद करेगी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, जापान के उत्तर पूर्वी तट पर आए तूफान के बाद वैज्ञानिकों को हैरान करने वाली चीज दिखी थी। झटकों के करीब 16 मिनट बाद जापान में लगे तक्क स्टेशन्स ने पाया कि देश पूर्वी दिशा में खिसक गया है। खास बात है कि ये गतिविधियां पूरे देश में एकसाथ हुईं।

'न वो मेरी हर बात मानते हैं, न मैं उनकी...', ट्रंप से रिश्तों पर नेतन्याहू का बड़ा बयान; फिर बढ़ी टेंशन

तेलअवीव, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी भारी तनाव के बीच इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ अपने संबंधों को लेकर एक बड़ा और चौंकाने वाला बयान दिया है। एक अंतरराष्ट्रीय नीति सम्मेलन को संबोधित करते हुए नेतन्याहू ने कहा कि भले ही अमेरिका और इजरायल करीबी सहयोगी हों, लेकिन दोनों देशों के बीच हमेशा हर मुद्दे पर सहमति नहीं होती।

'हम स्वतंत्र देशों के नेता हैं' : प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने ट्रंप के साथ अपने तालमेल पर बात करते हुए कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप वह सब कुछ नहीं करते जो मैं चाहता हूं और न ही मैं वह सब कुछ करता हूं जो वह चाहते हैं। उन्होंने जोर

देकर कहा कि वे दोनों आजाद और गर्व करने वाले देशों के नेता हैं और यह स्वाभाविक है कि कभी-कभी उनकी राय एक-दूसरे से अलग हो।

नेतन्याहू का यह बयान ऐसे समय में आया है जब इजरायल हमास, हिज्बुल्लाह और ईरान समर्थित अन्य समूहों के साथ सुरक्षा चुनौतियों से जूझ रहा है। हालांकि अमेरिका इन मुद्दों पर इजरायल का साथ देता है, लेकिन ट्रंप प्रशासन हमेशा इजरायल की हर मांग को तुरंत स्वीकार नहीं करता।

अमेरिका-ईरान वार्ता : दूसरी ओर, जिनेवा में अमेरिका और ईरान के बीच चल रही कूटनीतिक हलचल पर भी बड़ी जानकारी सामने आई है। ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता के अनुसार, दोनों देशों के बीच लगभग 18 घंटे तक गहन चर्चा हुई। इस बातचीत में कतर और पाकिस्तान ने मध्यस्थ के रूप में काम किया। प्रवक्ता ने बताया कि नेगोशिएटिंग डेलिगेशन का काम फिलहाल एक चरण के लिए पूरा हो गया है और अब विशेषज्ञों की 'टेक्निकल टीमें' विवरणों पर काम जारी रखेंगी। जल्द ही मध्यस्थों की ओर से एक लिखित दस्तावेज जारी किया जाएगा, जिसमें उन सभी बिंदुओं की रूपरेखा होगी जिन पर सहमति बनी है। इस पूरी वार्ता में ईरान ने मुख्य रूप से दो बड़ी मांगें रखी हैं।

पहली मांग यह है कि ईरान को अंतरराष्ट्रीय बाजार में अपना तेल बेचने के लिए जरूरी परमिट दिए जाएं और तेल की बिक्री पर लगी पाबंदियां हटाई जाएं। दूसरी बड़ी शर्त 'फ्रोजन एसेट्स' से जुड़ी है। ईरान चाहता है कि अमेरिकी प्रतिबंधों की वजह से दुनिया के अलग-अलग देशों में फंसे उसके अरबों डॉलर वापस दिए जाएं। ईरानी प्रवक्ता ने स्पष्ट कर दिया कि इन दो मुद्दों का समाधान निकलना वार्ता की सफलता के लिए बेहद जरूरी है।

कोलंबिया में क्यों जले अमेरिकी झंडे? राष्ट्रपति चुनाव के नतीजों के बाद भारी बवाल, जानें क्या है ट्रंप कनेक्शन

बोगोटा, एजेंसी। कोलंबिया में हुए राष्ट्रपति चुनाव के नतीजे आने के बाद देश के हालात बहुत ज्यादा खराब हो गए हैं। डोनाल्ड ट्रंप के समर्थन वाले कट्टर दक्षिणपंथी नेता अबेलार्दो दे ला एस्प्रिएला ने इस चुनाव में बहुत ही कम अंतर से जीत दर्ज की है। इस खबर के बाद कोलंबिया के तीसरे सबसे बड़े शहर काली में हिंसक प्रदर्शनकारियों ने अमेरिकी झंडे जलाए हैं। इसके साथ ही दंगा-रोधी पुलिस के साथ भीड़ की काफी भारी झड़प भी हुई है जिसे रोकने के लिए आंसू गैस का इस्तेमाल किया गया।

राष्ट्रपति चुनाव में अबेलार्दो दे ला एस्प्रिएला को 49.66 प्रतिशत वोट मिले जबकि वामपंथी इवान सेपेदा को 48.70 प्रतिशत वोट हासिल हुए हैं। इन दोनों प्रमुख उम्मीदवारों के बीच केवल कुछ लाख वोटों का ही बहुत मामूली अंतर रहा है। जीत के बाद 47 साल के अबेलार्दो ने सोशल मीडिया पर अपनी खुशी जताते हुए कहा कि देश ने अपना सबसे महत्वपूर्ण मुकाबला जीत लिया है। उन्होंने बताया कि उनकी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से बात हुई जिन्होंने उन्हें बधाई और पूरा समर्थन दिया है।

दक्षिणपंथी राजनीति की वापसी : अबेलार्दो की इस अहम जीत के साथ ही कोलंबिया में एक बार फिर से दक्षिणपंथी राजनीति की सत्ता में वापसी हो गई है। पिछले 200 वर्षों के इतिहास में केवल 4 साल को छोड़कर ज्यादातर समय यहां दक्षिणपंथी दल ही शासन करते रहे हैं। वामपंथी दल इस बड़ी जीत को सीधे तौर पर कोलंबिया के चुनाव में अमेरिका का भारी हस्तक्षेप बता रहे हैं। इसलिए अब देश में हिंसक विरोध-प्रदर्शनों के आगे भी लगातार जारी रहने की पूरी संभावना जताई जा रही है।

अमेरिकी समर्थन और भविष्य की नीतियां : अबेलार्दो दे ला एस्प्रिएला के पास अमेरिका और कोलंबिया दोनों देशों की नागरिकता मौजूद है और वे खुद को बाघ कहते हैं। चुनाव प्रचार के दौरान उन्होंने कहा था कि वह सत्ता में आते ही विद्रोही समूहों के साथ चल रही शांति वार्ताएं खत्म कर देंगे। उन्होंने इन विद्रोही समूहों के खिलाफ अमेरिका के समर्थन से 90 दिनों तक लगातार हवाई हमले करने का भी ऐलान किया था। उनके इन आक्रामक फैसलों से देश में नई राजनीतिक और सामाजिक उथल-पुथल मचने की गहरी आशंका पैदा हो गई है।

कोलंबिया के सामने बड़ी चुनौतियां : कोलंबिया में फार्क गुरिल्ला गुट के साथ हुए ऐतिहासिक शांति समझौते को अब 10 साल पूरे हो चुके हैं। इस एक दशक के दौरान देश के कई हिस्सों में काफी विकास हुआ है लेकिन चुनौतियां अभी भी कायम हैं।

हिजबुल्ला प्रमुख बोले- इस्राइल-अमेरिका हार चुके; ट्रंप पर भी लगाए कई आरोप

बेरूत, एजेंसी। पश्चिम एशिया में तनाव कम करने की कोशिशों के बीच हिजबुल्ला प्रमुख शेख नईम कासिम ने अमेरिका और इस्राइल पर बड़ा हमला बोला है। उन्होंने दावा किया है कि ईरान और क्षेत्र के प्रतिरोधी गुटों को खत्म करने की अमेरिका-इस्राइल की योजना पूरी तरह विफल हो चुकी है। कासिम ने आरोप लगाया कि लेबनान में इस्राइल की सैन्य कार्रवाई अमेरिका के समर्थन के बिना संभव नहीं थी। उन्होंने कहा कि हालिया संघर्ष के बाद पश्चिम एशिया एक नए दौर में प्रवेश कर रहा है, जहां तथाकथित अमेरिकी-इस्राइली परियोजना को हार का सामना करना पड़ा है।

शेख नईम कासिम ने मध्य अशूरा परिषद को संबोधित करते हुए कहा कि ईरान ने भारी नुकसान और बलिदान झेलने के बावजूद खुद को पहले से अधिक मजबूत साबित किया है। उन्होंने कहा कि ईरान कभी भी अपने अधिकारों और क्षेत्रीय प्रभाव को नहीं छोड़ेगा। कासिम के मुताबिक, अमेरिका और इस्राइल ने क्षेत्र में प्रतिरोधी ताकतों को कमजोर करने की कोशिश की, लेकिन वे इसमें सफल नहीं हो सके। उन्होंने कहा कि अब क्षेत्र में नई राजनीतिक और सुरक्षा परिस्थितियां बन रही हैं। हिजबुल्ला प्रमुख ने उन युद्धविराम प्रस्तावों की आलोचना की, जिनमें इस्राइल को सैन्य कार्रवाई जारी रखने की छूट दी जाती है। कासिम ने कहा कि ऐसा कोई भी समझौता वास्तव में युद्धविराम नहीं, बल्कि आक्रामकता को जारी रखने का माध्यम है। उन्होंने आरोप लगाया कि अतीत में भी जब हिजबुल्ला ने युद्धविराम का पालन किया, तब

इस्राइल ने समझौतों का उल्लंघन किया। उन्होंने साफ कहा कि संगठन ऐसे किसी भी प्रस्ताव को स्वीकार नहीं करेगा, जिसमें पूरी तरह सैन्य कार्रवाई बंद करने की गारंटी न हो।

हिजबुल्ला किस तरह के युद्धविराम की मांग कर रहा है : कासिम ने कहा कि वास्तविक युद्धविराम का मतलब है कि हवा, जमीन और समुद्र से होने वाली सभी सैन्य गतिविधियां पूरी तरह बंद हों। इसके अलावा लेबनान में ढांचों को ध्वस्त करने की कार्रवाई भी समाप्त होनी चाहिए। उन्होंने यह भी मांग की कि इस्राइली सेना लेबनान के कब्जे वाले इलाकों से पूरी तरह पीछे हटे। हिजबुल्ला प्रमुख ने दावा किया कि संगठन को ईरान का मजबूत समर्थन प्राप्त है और तेहरान ने लेबनान की रक्षा को अपनी प्राथमिकताओं में शामिल किया है। उन्होंने यह भी कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद करना एक प्रभावी रणनीतिक हथियार साबित हो सकता है।

अमेरिका और ट्रंप को लेकर हिजबुल्ला ने क्या कहा : शेख नईम कासिम ने अमेरिका पर सीधे तौर पर इस्राइल का समर्थन करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि अमेरिकी मदद के बिना लेबनान में मौजूदा स्तर का संघर्ष संभव नहीं था। कासिम ने दावा किया कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप चाहें तो इस्राइल की सैन्य कार्रवाई को तुरंत रोक सकते हैं। उन्होंने कहा कि अगर वॉशिंगटन इस्राइल पर दबाव बनाए तो प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू अमेरिकी मांग को ठुकरा नहीं पाएंगे। कासिम ने दोहराया कि हिजबुल्ला किसी ऐसे समझौते को स्वीकार नहीं करेगा, जिसमें पूर्ण युद्धविराम शामिल न हो।

क्या कूटनीतिक प्रयासों के बीच बदल सकता है पश्चिम एशिया का समीकरण : हिजबुल्ला प्रमुख का यह बयान ऐसे समय आया है, जब अमेरिका और ईरान के बीच तकनीकी स्तर की बातचीत जारी है। पश्चिम एशिया में तनाव समाप्त करने के लिए 14 सूत्रीय समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए जाने के बाद कूटनीतिक गतिविधियां तेज हुई हैं। इस प्रक्रिया में लेबनान में इस्राइली सैन्य अभियान को समाप्त करना भी एक अहम मुद्दा माना जा रहा है। ऐसे में हिजबुल्ला के ताजा बयान से संकेत मिलता है कि क्षेत्र में शांति स्थापित करने की राह अभी भी चुनौतीपूर्ण बनी हुई है।

विटामिन डी की कमी से बच्चों को होती हैं बीमारियां

बच्चों की देखभाल हमारी बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। ज्यादातर बच्चों को खाने-पिलाने के लिए काफी मशकत करनी पड़ती है। सुबह के टिफिन से लेकर रात के खाना खिलाने तक बच्चों को कई बहाने बनाने पड़ते हैं। कारण ये भी है कि कई बच्चे अपने मां-बाप की एक नहीं सुनते और खामियाजा मां-बाप को भुगतना पड़ता है। जिसकी वजह से बच्चों में कई विटामिनों की कमी आ जाती है। एक खोज से पता चला है कि शरीर में विटामिन ''डी' की कमी से खासकर बच्चों को कई जानलेवा बीमारियां होने का रिस्क होता है। जिन बच्चों में क्रोनिक किडनी की बीमारी होती है उनमें विटामिन ''डी' की कमी पाई जाती है जिसमें किडनी की दीर्घकालिक बिमारी से गुर्दे संबंधी खराबी सामने आती है।

किडनी: साल और मौसमों की तुलना में सर्दी के मौसम में विटामिन ''डी' का स्तर नीचे पाया गया।''विटामिन''डी' का स्तर विटामिन''डी'रेगुलेटिंग जीन में भिन्नता से ज्यादा मौसम, बीमारी का प्रकार और पोषण संबंधी पूरकता से निर्धारित होता है।

'ग्लोमेरु लोपैथी' थी जो कई बीमारियों का मिश्रण: शोध के अनुसार विटामिन ''डी' की कमी से जूझने वाले करीबन दो तिहाई बच्चे कुछ असामान्य थे। उन्हें ''ग्लोमेरु लोपैथी' थी जो कई बीमारियों का मिशण्रहै और नेफ्रॉन पर असर डालता है।

क्रोनिक किडनी वाले बच्चों में विटामिन ''डी' की कमी : शोधकर्ताओं के अनुसार कुछ ''मोडिफाएबल' और कुछ ''नॉन मोडिफाएबल' कारण हो सकते हैं जिससे क्रोनिक किडनी की बीमारी वाले बच्चों में विटामिन''डी' की कमी हो सकती है।

कैंसर. हृदय, ऑटो इम्यून गड़बड़ी हो सकती है: शोधकर्ताओं का यह भी कहना है कि विटामिन डी की कमी से ओस्टेओपोरोसिस, कैंसर, हृदय संबंधी और ऑटो इम्यून गड़बड़ी हो सकती है।

बच्चों को कैसे ठीक किया जाए:

साल और मौसमों की तुलना में सर्दी के मौसम में विटामिन 'डी' का स्तर नीचे पाया गया

'सप्लीमेंट लेने पर फिर से सोचना चाहिए और विटामिन 'डी' की कमी को पूरा करना चाहिए

12 यूरोपीय देशों में किडनी की बिमारी वाले 500 बच्चों पर खोज की।

विटामिन डी की कमी से ओस्टेओपोरोसिस, कैंसर, हृदय संबंधी और ऑटो इम्यून गड़बड़ी हो सकती है।

सप्लीमेंट लेने पर फिर से सोचना चाहिए और विटामिन डी की कमी को क्रोनिक किडनी की बीमारी वाले बचचिों में कैसे पकड़ा और ठीक किया जाए इसपर हस्तक्षेप होना चाहिए।

शोधकर्ताओं ने बताया: हमारी शोध टीम ने 12 यूरोपीय देशों में किडनी की बिमारी वाले 500 बच्चों पर खोज की। क्लीनिकल जर्नल ऑफ अमेरिकन सोसाइटी ऑफ नेफ्रोलॉजी ने जो निष्कर्ष दिया उससे इन जवान बच्चों के स्वास्थ्य को बचाया जा सका।

जिन बच्चों ने विटामिन डी लिया: जिन बच्चों को किड्नी की बीमारी रही है और जिन्होंने विटामिन डी सप्लीमेंट लिए हुए थे उनके विटामिन डी का स्तर उन बच्चों से दो गुना था जिन्होंने कोई सप्लीमेंट नहीं लिया था।

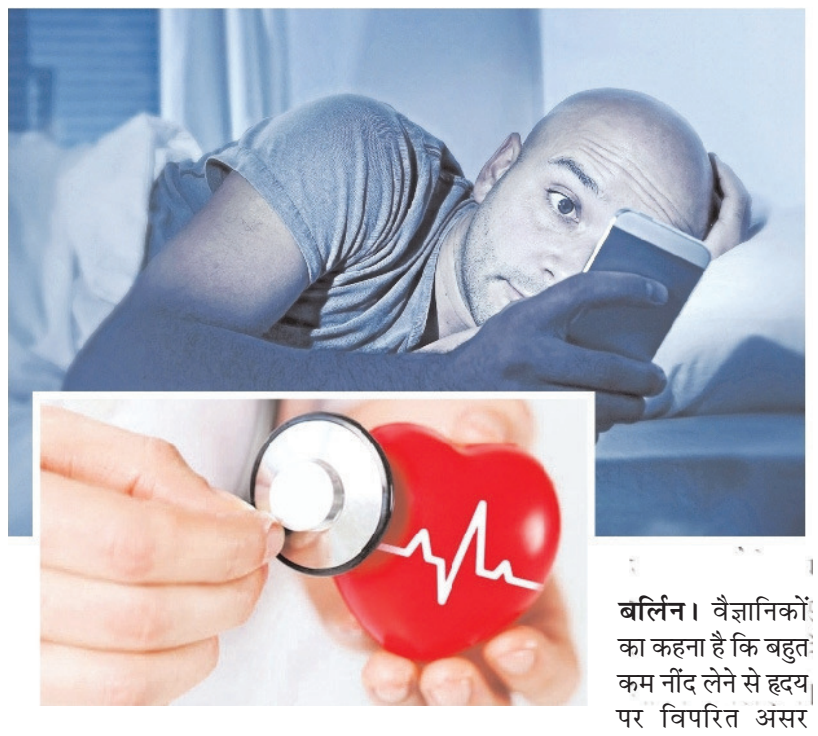

'दिल के लिए घातक है कम नींद लेना'

बर्लिन। वैज्ञानिकों का कहना है कि बहुत कम नींद लेने से हृदय पर विपरित असर पड़ता है। वैज्ञानिकों ने पाया कि तनाव भरी वैसी नौकरियां, जिनमें 24 घंटे वाली शिफ्ट की जरूरत होती है और सोने के लिए बहुत ही कम समय मिलता है, उनसे रक्तचाप और दिल की गति बढ़ जाती है।वैसे लोग जो अग्निशमन और आपातकालीन चिकित्सा सेवा सहित अन्य तनाव भरी नौकरियों में कार्यरत होते हैं, उन्हें प्राय: 24 घंटे की शिफ्ट में काम करने के लिए बुलाया जाता है तथा उनके पास नींद पूरी करने के कम समय होता है।जर्मनी के बॉन विविद्यालय के डेनियल कुटिंग ने बताया, ''पहली बार, हमने कम नींद लेने को 24 घंटे वाली शिफ्ट से जोड़कर दिखाया है, जिससे हृदय संकुचन, रक्तचार और हृदय गति में उल्लेखनीय वृद्धि हो सकती है।' इस अध्ययन के लिए शोधार्थियों ने 20 स्वस्थ रेडियोलॉजिस्ट को शामिल किया, जिसमें 19 पुरुष और एक महिला थी। अध्ययन में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों के तनाव का विश्लेषण 24 घंटे की शिफ्ट से पहले और बाद में किया गया। ये प्रतिभागी इस दौरान औसतन तीन घंटे की नींद ले रहे थे।कुटिंग ने कहा, ''इससे पहले हृदय की गतिविधि की जांच बहुत कम नींद लेने के संबंध में तनाव के विश्लेषण के साथ किया गया था। यह हृदय संकुचन जैसे मामलों के लिए सबसे संवदेनशील पैमाना है।' अनुसंधानकर्ता ने प्रतिभागियों से खून और मूत्र के नमूने भी रक्तचाप और दिल की गति मापने के लिए थे।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष — चू चे चो ला ली लू ले लो आ
अध्ययन-अध्यापन में समय गुजरेगा। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। शुभांक-1-4-6

वृष — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो
महत्त्वपूर्ण निर्णय के लिए दूरदर्शिता से काम लें। कोष में कमी व व्यय की अधिकता से परेशान होंगे। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। जल्दबाजी में कोई भूल संभव है। कार्य भार बढ़ेगा। स्वविवेक से कार्य करें। कार्यक्षेत्र में तनाव पैदा होगा। समय व्ययकारी सिद्ध होगा। शुभांक-2-5-7

मिथुन — का की कू घ ड छ के को हा
परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। अच्छे समय इन्तजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें। नैतिक दायरे में रहें। शुभांक-3-6-7

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो
सामाजिक मान-सम्मान बढ़ेगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। मनोबल ऊंचा रखें और काम में लगे रहें। शुभांक-4-6-8

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे
अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। साक्षात्कार के लिए दिन शुभ रहेगा। शुभांक-5-8-9

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
कुछ पिछले संकट अब सिर उठा सकते हैं। अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। निकटजनों के लिए अर्थव्यवस्था हेतु जोड़-तोड़ करना पड़ेगा। बुरी संगति से बचें। सुविधाओं में शनै:-शनै: बाधा आएगी। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी के कारण तनाव पैदा हो सकता है। शुभांक-4-7-9

तुला — रा री रु रे रो ता ती तू ते
पूर्व में किये कार्यों से लाभ मिलेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। शांतिपूर्वक कार्य करें। धार्मिक यात्रा का योग हैं। शुभांक-5-7-9

वृश्चिक — तो ना नी नू ने नो य यी यू
दाम्पत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने में सफल होंगे। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति ठीक रहेगी। शुभांक-2-5-9

धनु — ये यो भा भी भू धा फा ढा भे
संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। शुभांक-4-6-8

मकर — भे जा जी खी खू खे खो गा गी
मनोरथ सिद्ध होंगे, पूरे मनोयोग से काम में लगे रह। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। शुभांक-3-5-7

कुंभ — गू गे गो सा सी सू से सो दा
स्वास्थ्य में ताजगी बनी रहने से नई ऊर्जा का संचार होगा। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। शुभांक-6-9-9

मीन — दी दू थ झ ञ दे दो चा ची
सुनियोजित तरीके से कार्य आरम्भ करें, सफल होंगे। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-3-6-7

लॉफिंग ज़ोन

वकील (महिला से)- अब आप अदालत को बताएं कि आपने अपने पति को धनुष-बाण से क्यों मारा?

महिला - 'क्योंकि मैं अपने सोए हुए बच्चों को जगाना नहीं चाहती थी!'

☺ ☺ ☺

दो जेलर अरसे बाद एक-दूसरे से मिले.

पहले ने पूछा- क्या तुम्हारी बीवी अब भी कैदियों के लिए गाना गाती है?

दूसरा जेलर - नहीं, कैदियो की शिकायत थी कि उनकी सजा में यह शामिल नहीं है.

☺ ☺ ☺

एक ग्रामीण अपने गधे के पैर बांध रहा था तो सिपाही बोला, 'अपने भाई के पैर क्यों बांध रहे हो?'

ग्रामीण, 'कहीं यह भी पुलिस में भर्ती न हो जाए इसलिए.'

☺ ☺ ☺

नौकर (मालिक से) - हुजूर, मै अब आपके यहां काम नहीं करूंगा.

मालिक - क्यों? क्या हुआ? क्या तकलीफ है तुम्हें यहां?

नौकर - साहब बात यह है कि बेगम साहिबा का व्यवहार मेरे साथ अच्छा नहीं है. जब मन करता है, मुझे उसी तरह डांटने लगती है, जैसे आपको डांटा करती हैं.

☺ ☺ ☺

काकुरो पहेली - 4093

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

↓6 →10	1	2	3	4
1				
2				
3				

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो - 4092 हल

■	■	■	↓9	↓17	■	■	↓10	↓3	■
■	■	↓23 →11	2	9	■	→4	3	1	■
■	↓16 →24	9	7	8	■	↓12 →6	4	2	■
→17	9	8	■	■	→4	3	1	↓21	■
→9	7	2	↓10	↓11	→18	9	2	7	↓16
■	→7	4	1	2	↓4	■	↓30 →15	6	9
■	■	↓19 →12	2	9	1	↓11 →24	9	8	7
■	↓3 →11	8	3	→12	3	2	7	↓16	■
→7	1	2	4	■	→22	9	6	7	■
→11	2	9	■	■	■	→17	8	9	■

फिल्म वर्ग पहेली- 4093

बायें से दायें:-

१. अक्षय खन्ना, करीना की प्रियदर्शन निर्देशित एक कॉमेडी फिल्म-४
३. 'झिलमिल सितारों का आँगन' गीत वाली धर्मेन्द्र, राखी की फिल्म-३,२
५. अजय, नाना, फरदीन, उर्मिला, रेखा की 'ये सर्द आहें' गीत वाली फिल्म-२
६. 'जिस दिल में बसा था प्यार तेरा' गीत वाली प्रदीपकुमार, कल्पना की फिल्म-३
८. सुनीलदत्त, नूतन की 'बड़ी देर भई नंदलाला' गीत वाली फिल्म-४
१०. 'पर्दे में रहने दो' गीत वाली धर्मेन्द्र, संजीवकुमार, आशा पारेख की फिल्म-३
१२. 'सीता और गीता' में संजीव के साथ वाली हेमामालिनी के पात्र का नाम-२
१३. 'शिकदुम शिकदुम' गीत वाली अभिषेक, उदय चोपड़ा, जॉन अब्राहम, ईशा देओल, रिमी सेन की फिल्म-२
१६. विकास भल्ला, काजोल की 'मेरे चेहरे पे लिखा है' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'आने वाला पल जाने' गीत वाली अमोल पालेकर, बिंदिया की फिल्म-४
२०. जैकी, मोहसिन खान, नीलम की 'एक तू ही मेरा' गीत वाली फिल्म-४
२२. 'तेरा काम है जलना' गीत वाली राज कपूर और नर्गिस की फिल्म-२
२३. शाहरूख, चंद्रचूड़, ऐश्वर्या, प्रिया की 'मेरे खयालों की' गीत वाली फिल्म-२
२४. सुदर्शन नाग निर्देशित सनी देओल, नीलम की १९९१ की एक फिल्म-३
२८. जैकी श्रॉफ, रति की 'जितना कभी किसी ने' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'हम भूलेंगे' गीत वाली अमिताभ, अरशद, करिश्मा की फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१.शॉवरअली, तरूण अरोड़ा, मेघना की फिल्म-३
२. 'भागे रे मन' गीत वाली फिल्म-३
३. सनी, सलमान, करीश्मा, तब्बू की फिल्म-२
४. अमिताभ, दीपक, डिम्पल, करिश्मा की 'कभी खुशियों की' गीत वाली फिल्म-४
५. 'तेरे नाम' में सलमान की नायिका थी-३
७. कमल हासन, शाहरूख, रानी की फिल्म-१,२
९. 'जिंदगी इम्तिहान' गीत वाली अमिताभ, संजीव, ऋषि, हेमा, शर्मिला की फिल्म-३
१०. नागार्जुन, अमला की एक फिल्म-२
११. सुनील शेट्टी, रवीना, करिश्मा, की फिल्म-३
१३. संजय सूरी, रेवती, गुल पनाग की 'बेनाम सा ये दर्द' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'तुम ने दी आवाज' गीत वाली फिल्म-३
१५. सनी, अजय जडेजा, सेलिना की 'तुमको कितना है' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'इस टूटे दिल' गीत वाली फिल्म-२
१७. राजेंद्रकुमार, शर्मिला टैगोर की एक फिल्म-३
१८. 'अकेले ही अकेले चला' गीत वाली दिलीपकुमार, सायरा बानो की फिल्म-२
१९. आयूब खान, आयशा जुल्का की फिल्म-३
२१. 'ऐ मेरी जिंदगी' गीत वाली जॉन अब्राहम, तारा शर्मा की फिल्म-२
२२. राजकुमार, मीना की 'ठाड़े रहियो ओ बांके यार' गीत वाली फिल्म-३
२५. 'मुझे तेरे जैसी' गीत वाली फिल्म-२
२६. मनोज बाजपेयी, अरशद, तब्बू, शीबा की फिल्म-२
२७. 'कैसे कटे दिन' गीत वाली राजेश खन्ना, गोविंदा, जूही, माधवी की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 4092

पि	या	का	घ	र	■	ए	ल	ओ	सी
ता	श	■	र	■	घा	त	■	म	■
■	ना	च	■	चाँ	■	श	खी	■	फ
रो	■	मे	हं	दी	■	ज	■	खा	की
श	र्मी	ली	■	सो	च	■	श	■	श
नी	■	■	ब	ना	र	सी	बा	बू	■
■	ग	द	र	■	स	■	ना	म	■
बा	ज	■	सा	थी	■	मि	■	■	अं
जा	ल	■	त	■	दि	ल	का	श	जा
र	■	माँ	■	मि	ल	न	■	■	म

सूडोकु -4093

					1	4		
						5	8	
			7	2				
			2				6	7
4								3
5	8				9			
				8	5			
	7	6						
		9	3					

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -4092 हल

7	8	9	2	3	1	6	5	4
3	2	4	6	5	9	7	8	1
6	5	1	8	4	7	2	9	3
5	1	7	3	9	8	4	6	2
4	6	8	5	1	2	9	3	7
9	3	2	4	7	6	8	1	5
1	4	6	9	2	3	5	7	8
2	9	3	7	8	5	1	4	6
8	7	5	1	6	4	3	2	9

शब्द पहेली - 4093

बाएँ से दाएँ

2.पिता की बहन-2
5.कठोर-2
7.खून,रुधिर-2
8.मशरुम,फफूंद-3,2
9.इसे मकड़ी बुनती है-2
10.अपशिष्ट पदार्थ-2
11.धैर्य,संयम-2
13.स्फूर्ति,चंचलता-4
15.ओस,निशाजल-4
17.राशि निर्धारण-5
18.हलकापन-5
20.खालीपन,रिक्तता-4
23.स्नान करवाना-4
26.दंड-2
27.कार्य-2
28.कुर्बानी-2
29.कहानी का लेखक-5
30.प्रतिबिंब-2
31.गाना,नगमा-2
32.मां की मां-2

ऊपर से नीचे

1.बंदूक की गोली-4
3.व्याकुलता-4
4.दौरान,मध्य में-5
5.सत्ताधारी-4
6.नरम,अकठोर-4
10.शराब,सुरा-2
12.ईश्वर-2
14.गतिशीलता-5
16.नवीन,नया -2,3
19.उद्योगपति अनिल अंबानी की पत्नी का पूर्व नाम-5
20.प्रतिपूर्त व अनुपुर्त करना (अंग्रेजी-4)
21.मवाद-2
22.नाजुकता-4
23.मना करना-4
24.मैं का बहुवचन -2
25.नाकारा,बेकार-4

शब्द पहेली -4092 हल

का	म	या	ब	■	र	■	श	ब	न	म
■	म्मी	■	र	फू	च	क्क	र	■	र्म	■
आ	■	मा	स	■	ना	■	मा	ह	■	प्र
स	ह	ला	ना	■	का	■	ना	रा	य	ण
■	थ	■	■	■	र	■	■	■	ज्ञो	■
ह	क	ब	का	ना	■	अ	प	ना	प	न
■	र	■	■	■	ख	■	■	■	वी	■
मे	घा	ल	य	■	ल	■	क	म	त	र
घ	■	त	म	■	ना	■	ल	त	■	क्षा
■	यं	■	रा	सा	य	नि	क	■	कै	■
म	हा	रा	ज	■	क	■	ल	म्बो	द	र

मई में 159 दवाएं गुणवत्ता जांच में फेल, एक नकली दवा भी मिली

एजेंसी

नई दिल्ली। देश में दवाओं की गुणवत्ता जांच के दौरान मई महीने में 159 दवा नमूने तय मानकों पर खरे नहीं उतरे। इनमें 46 नमूने केंद्रीय प्रयोगशालाओं में और 113 नमूने राज्य स्तरीय प्रयोगशालाओं में जांच के दौरान फेल पाए गए। केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) की रिपोर्ट के मुताबिक, इन दवाओं को 'नॉट ऑफ स्टैंडर्ड क्वालिटी' यानी मानक गुणवत्ता के अनुरूप नहीं पाया गया। इसका मतलब है कि जांच के दौरान ये दवाएं गुणवत्ता के एक या अधिक मानकों को पूरा नहीं कर सकीं। स्वास्थ्य मंत्रालय की विज्ञप्ति के अनुसार किसी दवा के एक बैच के फेल होने का मतलब यह नहीं है कि उसी कंपनी की बाकी सभी दवाएं भी खराब हैं। यह निष्कर्ष केवल जांच किए गए बैच तक ही सीमित होता है। रिपोर्ट में यह भी सामने आया है कि असम से लिया गया एक दवा नमूना नकली (स्प्यूरियस) पाया गया। शुरुआती जांच में पता चला है कि इसे एक अनधिकृत निर्माता ने किसी दूसरी कंपनी के ब्रांड नाम का इस्तेमाल कर बनाया था। अधिकारियों के अनुसार, इस मामले की जांच जारी है और दोषियों के खिलाफ कानून के तहत कार्रवाई की जाएगी। सीडीएससीओ का कहना है कि दवाओं की गुणवत्ता पर नजर रखने के लिए नियमित रूप से नमूनों की जांच की जाती है। खराब या नकली दवाओं की पहचान होने पर उन्हें बाजार से हटाने की कार्रवाई की जाती है, ताकि लोगों की सेहत सुरक्षित रह सके।

धूल भरी आंधी से बिगड़ी दिल्ली की हवा, फिलहाल ग्रैप स्टेज-1 लागू नहीं

नई दिल्ली। राजधानी की वायु गुणवत्ता में अचानक गिरावट दर्ज की गई। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, शाम 4 बजे दिल्ली का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 228 दर्ज किया गया, जो 'खराब' श्रेणी में आता है। एक दिन पहले यह आंकड़ा 127 था। वायु गुणवत्ता में आई इस गिरावट के बाद वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) की जीआरएपी उप-समिति ने सोमवार शाम 4 बजे बैठक कर दिल्ली-एनसीआर की स्थिति और आगामी दिनों के मौसम तथा एक्यूआई पूर्वानुमानों की समीक्षा की आयोग की बैठक में बताया गया कि दिल्ली की हवा में अचानक आई गिरावट का मुख्य कारण क्षेत्र में चली धूल भरी आंधी रही। हालांकि, भारत मौसम विज्ञान विभाग और भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान के पूर्वानुमानों के अनुसार आने वाले दिनों में वायु गुणवत्ता में सुधार होने की संभावना है। पूर्वानुमानों के आधार पर जीआरएपी उप-समिति ने माना कि फिलहाल दिल्ली का एक्यूआई 'मध्यम' श्रेणी में बने रहने की संभावना है। इसी वजह से ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान (ग्रैप) के तहत स्टेज-1 प्रतिबंध लागू करने की आवश्यकता नहीं है।

तृणमूल कांग्रेस के बागी खेमे ने ममता बनर्जी को अध्यक्ष पद से हटाने और नई कार्यसमिति गठन का किया दावा

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस के बागी खेमे ने न्यू टाउन में आयोजित एक बैठक के बाद संगठन में बड़े बदलाव किए जाने का दावा करते हुए पार्टी अध्यक्ष ममता बनर्जी को पद से हटाने और मध्य हावड़ा के विधायक अरूप राय को नया राष्ट्रीय अध्यक्ष नियुक्त करने की घोषणा की है। इसके साथ ही अखिल भारतीय महासचिव अभिषेक बनर्जी को उनके पद से निलंबित किए जाने का भी दावा किया गया है। पार्टी सूत्रों के अनुसार, पश्चिम बंगाल विधानसभा के बजट सत्र की समाप्ति के बाद तृणमूल कांग्रेस के असंतुष्ट विधायकों और नेताओं ने न्यू टाउन स्थित एक होटल में बैठक की। बागी खेमे का दावा है कि इस बैठक में पार्टी के लगभग 60 विधायक तथा कोलकाता के करीब 70 पूर्व पार्षद शामिल हुए। बैठक के दौरान संगठन में व्यापक बदलाव का प्रस्ताव पारित करते हुए 30 सदस्यीय नई राष्ट्रीय कार्यसमिति गठित करने की घोषणा की गई। बैठक में बागी नेताओं ने तृणमूल कांग्रेस के संविधान की धारा 20 का हवाला देते हुए कहा कि पार्टी नियमों के अनुसार प्रत्येक तीन वर्ष में राष्ट्रीय कार्यसमिति की बैठक आयोजित करना अनिवार्य है। उनका आरोप है कि वर्ष 2022 के बाद राष्ट्रीय कार्यसमिति की कोई बैठक नहीं बुलाई गई, जिससे संगठनात्मक प्रक्रियाओं का उल्लंघन हुआ है। इसी आधार पर उन्होंने पूर्व राष्ट्रीय कार्यसमिति को भंग करते हुए नई कार्यसमिति के गठन का प्रस्ताव पारित करने का दावा किया।

सपा और कांग्रेस में अकेले चुनाव लड़ने का दम नहीं : गिरिराज सिंह

गाजियाबाद। केंद्रीय मंत्री और भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता गिरिराज सिंह ने समाजवादी पार्टी (सपा) और कांग्रेस पर हमला बोलते हुए कहा कि दोनों दलों में से किसी के पास आगामी उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में अकेले लड़ने का दम नहीं है। गाजियाबाद स्थित नॉर्दर्न इंडिया टेक्सटाइल रिसर्च एसोसिएशन (निटरा) के 52वें स्थापना दिवस समारोह में शामिल होने पहुंचे गिरिराज सिंह ने मीडिया से बातचीत में कहा कि भाजपा को जनता का व्यापक समर्थन है। उन्होंने दावा किया कि भाजपा ही उत्तर प्रदेश में लगातार तीसरी बार सरकार बनाएगी। राम मंदिर में चढ़ावा चोरी के मामले पर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एसआईटी का गठन किया है, जो भी दोषी होगा उसको सख्त सजा मिलेगी। बिहार में भरत तिवारी एनकाउंटर मामले पर उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी इस मामले में जांच करा रहे हैं। पूरी उम्मीद है कि इस मामले में न्याय होगा।

केंद्र में रहते हुए 12 वर्षों में निराशा को आशा में बदला : प्रधानमंत्री

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि काम करने वाले सक्षम व्यक्ति से ही अपेक्षाएं की जाती हैं और आमजन ही नहीं बल्कि कांग्रेस भी उनसे ही कार्य पूरा करने की अपेक्षा करती है। उन्होंने कहा कि आज देश के युवाओं, गरीबों तथा मध्यम वर्ग में अपेक्षाएं पूरी होने का विश्वास दिखाई देता है। एक टीवी चैनल की ओर से आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने आज कहा कि उनकी सरकार ने 12 वर्षों में निराशा को आशा में बदला है। उन्होंने कहा कि पिछले 12 वर्षों में सरकार के हर निर्णय और प्रयास के केंद्र में राष्ट्र प्रथम की भावना रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत किसी क्षणिक घटना पर प्रतिक्रिया देने वाला देश नहीं है बल्कि विकास और

चुनौतियों दोनों का अनुभव रखने वाली प्राचीन सभ्यता है। उन्होंने कहा कि भारत के पास युगों का अनुभव है और आज जो निर्णय लिए जा रहे हैं, वे आने वाले एक हजार वर्षों के भविष्य की दिशा तय करेंगे। उन्होंने इसे दुनिया के लिए भारत की सबसे बड़ी गारंटी बताया। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत आज केवल तेज़ी से बढ़ती अर्थव्यवस्था ही नहीं बल्कि एक विश्वसनीय अर्थव्यवस्था भी है। उन्होंने कहा कि हाल ही में जी-7 शिखर सम्मेलन के दौरान विश्व नेताओं से हुई बातचीत में यह स्पष्ट रूप से सामने आया कि भारत के लिए 'नेशन फर्स्ट' सबसे बड़ा मंत्र और सिद्धांत है। प्रधानमंत्री ने कहा कि स्वच्छ भारत अभियान, मेक इन इंडिया, खादी और स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने जैसी पहलें इसलिए सफल हुईं क्योंकि देशवासियों ने राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखा। उन्होंने इन अभियानों में योगदान देने वाले नागरिकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जनभागीदारी ही इन सफलताओं की सबसे बड़ी शक्ति रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि दशकों तक आदिवासी क्षेत्र माओवादी हिंसा से प्रभावित रहे, जिसके कारण वहां विकास और बुनियादी सुविधाएं नहीं पहुंच सकीं। उन्होंने बताया कि 2004 से 2014 के बीच माओवादी हिंसा की 17 हजार से अधिक घटनाएं हुईं और सात हजार से ज्यादा लोगों की जान गई। उन्होंने कहा कि 2014 के बाद राष्ट्र प्रथम के संकल्प के साथ सरकार ने स्थिति बदलने का प्रयास किया और आज माओवादी आतंक अपने अंतिम दौर में पहुंच चुका है।

देश में पांच लाख से अधिक लोगों ने ली अंगदान की प्रतिज्ञा

एजेंसी

नई दिल्ली। अंगदान अभियान के तहत पांच लाख से अधिक लोगों ने अंगदान प्रतिज्ञा ली है। यह उपलब्धि देश में अंग एवं ऊतक दान के प्रति बढ़ती जागरूकता, संवेदनशीलता और लोगों की सक्रिय भागीदारी को दर्शाती है। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार अंगदान को अब एक ऐसे मानवीय कार्य के रूप में व्यापक स्वीकार्यता मिल रही है, जो प्रत्यारोपण की प्रतीक्षा कर रहे मरीजों को नया जीवन देने का अवसर प्रदान करता है। यह उपलब्धि स्वैच्छिक अंग एवं ऊतक दान को बढ़ावा देने के लिए केंद्र सरकार द्वारा किए जा रहे निरंतर प्रयासों का भी परिणाम मानी जा रही है। इस अवसर पर राष्ट्रीय अंग एवं ऊतक प्रत्यारोपण संगठन (एनओटीटीओ) के निदेशक डॉ. अनिल कुमार ने देशवासियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि सरकारी और गैर-सरकारी संगठनों, स्वास्थ्यकर्मियों, शैक्षणिक संस्थानों, मीडिया संस्थानों तथा अन्य सहयोगी संगठनों ने जागरूकता फैलाने और लोगों को अंगदान के लिए प्रेरित करने में अहम भूमिका निभाई है। उन्होंने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के प्रशासन के सहयोग की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि अंगों और ऊतकों की बढ़ती मांग तथा उपलब्धता के बीच अंतर को कम करने के लिए जागरूकता अभियान, संस्थागत क्षमता निर्माण और प्रत्यारोपण व्यवस्था को मजबूत बनाने पर लगातार काम किया जा रहा है।

मप्र के विदिशा पहुंची सीबीआई, करोड़ों के फर्जी गोल्ड लोने के मामले में ज्वेलर्स से की पूछताछ

एजेंसी

विदिशा। मध्य प्रदेश के विदिशा में करोड़ों रुपये के कथित फर्जी गोल्ड लोन मामले की जांच के लिए केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की टीम विदिशा पहुंची और मामले से जुड़े कई स्थानों पर जांच की। टीम ने एमपी ज्वेलर्स, कैलाश नारायण अमित कुमार ज्वेलर्स समेत अन्य संबंधित प्रतिष्ठानों पर पहुंचकर दस्तावेजों की पड़ताल की और संबंधित लोगों से पूछताछ की। मामला स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) की शाखा से जारी किए गए गोल्ड लोन से जुड़ा है। जांच के दौरान ऐसे कई मामले सामने आए, जहां लोगों के नाम पर लोन दर्ज मिला, लेकिन उन्होंने किसी भी तरह का गोल्ड लोन लेने से इनकार कर दिया। बताया जा रहा है कि बैंक से रिकवरी नोटिस मिलने के बाद कई लोगों ने आपत्ति दर्ज कराई। लोगों का कहना था कि उन्होंने न तो बैंक से लोन लिया और न ही सोना गिरवी रखने की कोई प्रक्रिया पूरी की।

लोगों की शिकायतों के बाद मामले की जांच शुरू हुई। जांच के दौरान सोने के मूल्यांकन, दस्तावेजों के सत्यापन और लोन स्वीकृति की

प्रक्रिया को लेकर सवाल सामने आए। इसके बाद मामले को आगे की जांच के लिए केंद्रीय जांच ब्यूरो को सौंप दिया गया। सूत्रों के अनुसार, गोल्ड लोन स्वीकृत होने से पहले सोने का मूल्यांकन अधिकृत मूल्यांकनकर्ता के माध्यम से किया जाता था। अब जांच एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि इस प्रक्रिया के दौरान कहीं नियमों का उल्लंघन या किसी स्तर पर लापरवाही तो नहीं हुई। मामले में बैंक के तत्कालीन प्रबंधक और एक अन्य कर्मचारी को पहले ही निलंबित किया जा चुका है। हालांकि, जांच एजेंसियों की ओर से अब तक किसी व्यक्ति की अंतिम जिम्मेदारी तय नहीं की गई है। मामले की प्रारंभिक जांच बैंक ने अपने स्तर पर शुरू की थी। बाद में इसकी गंभीरता को देखते हुए जांच ईओडब्ल्यू भोपाल को सौंपी गई। अब सीबीआई पूरे घटनाक्रम की विस्तृत जांच कर रही है। एजेंसी यह पता लगा रही है कि सोने का मूल्यांकन करने वाले लोगों की भूमिका क्या थी, दस्तावेजों का सत्यापन कैसे हुआ और लोन मंजूर करने में किन नियमों का पालन किया गया। जांच एजेंसी बैंक रिकॉर्ड, मूल्यांकन रिपोर्ट, लोन फाइल और लेन-देन से जुड़े दस्तावेजों का मिलान कर रही है। फिलहाल सीबीआई की जांच जारी है और आने वाले दिनों में मामले से जुड़े और तथ्य सामने आने की संभावना है।

वाद्य-निर्माताओं को सम्मान और पहचान मिलना जरूरी : डॉ. जोशी

एजेंसी

नई दिल्ली। इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र(आईजीएनसीए) के सदस्य सचिव डॉ. सच्चिदानंद जोशी ने कहा कि वाद्य-निर्माताओं को भी संगीतज्ञों, गायकों, कलाकारों की तरह सम्मान और पहचान मिलनी चाहिए। उनका योगदान भारत की संगीत विरासत का अभिन्न हिस्सा है। डॉ. जोशी ने विश्व संगीत दिवस एवं संगीत-विदुषी डॉ. प्रेमलता शर्मा की पुण्य-स्मृति के अवसर पर आईजीएनसीए में फिल्म स्क्रीनिंग और पुस्तक के लोकार्पण के दौरान यह बात कही। यह कार्यक्रम आईजीएनसीए के कलाकोश विभाग तथा अखिल भारतीय गांधर्व महाविद्यालय मंडल, मुंबई के संयुक्त प्रयास से आयोजित किया गया था। इस आयोजन में महाराष्ट्र के सांगली जिले के मिरज में बनने वाले विश्वविख्यात तानपुरा पर आधारित डॉक्यूमेंट्री फिल्म 'आरव : मिरज का तानपुरा' की स्क्रीनिंग की गई और पं. कुमार गंधर्व के शिष्य पं. सत्यशील देशपांडे ने सुंदर गायन प्रस्तुति से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस अवसर पर हिन्दी और अंग्रेजी में 'आरव : मिरज का तानपुरा' पुस्तक का लोकार्पण भी किया गया। अध्यक्षीय सम्बोधन में डॉ. जोशी ने कहा, अगर वाद्ययंत्रों का प्रयोग ही नहीं होगा और जब

इलेक्ट्रॉनिक गजट से ही काम चलाया जाने लगेगा, तब वाद्ययंत्र बनाने वालों की परम्परा समाप्त हो जाएगी। इस तरह, वाद्ययंत्र विलुप्त हो जाएंगे और यह भारतीय संगीत की बहुत बड़ी हानि होगी। वाद्ययंत्र बजाने वालों की चिंता तो बहुत लोग करते हैं लेकिन वाद्ययंत्र बनाने वालों की चिंता कोई नहीं करता। हमें इस पर भी विचार करना चाहिए। उन्होंने वाद्ययंत्रों के संरक्षण की आवश्यकता पर ज़ोर दिया और इस संदर्भ में 'आरव : मिरज का तानपुरा' जैसी फिल्मों को बहुत महत्त्वपूर्ण बताया। आईजीएनसीए की अभिलेखीकरण पहलों, विशेष रूप से 'भीमषड्ज' परियोजना का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि इस परियोजना के माध्यम से भारतीय शास्त्रीय संगीत परम्परा के 36 रागों का दस्तावेजीकरण किया गया है।

आईजीएनसीए में पूर्वोत्तर भारत की जीवित सांस्कृतिक विरासत पर दुर्लभ प्रदर्शनी मंगलवार से, दो मोनोग्राफ का लोकार्पण भी

एजेंसी

नई दिल्ली। केन्द्रीय संस्कृति मंत्रालय के सचिव विवेक अग्रवाल इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र (आईजीएनसीए) में मंगलवार को पूर्वोत्तर भारत की अद्भुत पारम्परिक शिल्पकला और सांस्कृतिक विरासत की झलक प्रस्तुत करने वाली एक दुर्लभ प्रदर्शनी का उद्घाटन करेंगे। मंत्रालय के अनुसार इस दौरान दो मोनोग्राफ का भी लोकार्पण होगा। प्रदर्शनी का शीर्षक 'लिविंग हेरिटेज इन मेटल, बैम्बू एंड क्लेः ट्रेडिशनल आर्टेसिल्स ऑफ नॉर्थ-ईस्ट' होगा। यह आयोजन शोधार्थियों, कलाकारों, डिजाइनरों, संस्कृति-चिंतकों और कला-प्रेमियों के लिए विशेष आकर्षण का केन्द्र होगा। संस्कृति मंत्रालय की महत्वाकांक्षी परियोजना राष्ट्रीय सांस्कृतिक मानचित्रण मिशन(एनएमसीएम) द्वारा उत्तर-पूर्वी हस्तशिल्प एवं हथकरघा विकास निगम लिमिटेड (एनईएचएचडीसी) के सहयोग से आयोजित होगी। यह प्रदर्शनी 2 जुलाई 2026 तक दर्शकों के लिए खुली रहेगी। आज के औद्योगिक और मशीन-प्रधान युग में यह प्रदर्शनी पूर्वोत्तर अंचल की उन जीवित परम्पराओं को रेखांकित करती है, जो धातु, बांस और मिट्टी जैसे प्राकृतिक संसाधनों के माध्यम से सदियों से लोकजीवन का अभिन्न हिस्सा रही हैं। इन पारम्परिक बर्तनों में केवल उपयोगिता ही नहीं, बल्कि समूचे समाज की स्मृतियां, जीवन-पद्धति, प्रकृति-बोध और सांस्कृतिक पहचान समाहित है। इस खास मौके पर भारतीय पारम्परिक कलाओं और शिल्प पर गहन शोध एवं प्रलेखन को बढ़ावा देने वाले दो महत्त्वपूर्ण मोनोग्राफ : 'बेल-मेटल क्राफ्ट ऑफ असम' तथा 'चितेरी ऑर्ट ऑफ बुंदेलखंड' का भी लोकार्पण किया जाएगा। इस अवसर पर आईजीएनसीए के सदस्य सचिव डॉ. सच्चिदानंद जोशी, पद्मश्री एवं प्रख्यात समाजसेवी टेकी गुबिन, केन्द्रीय संस्कृति मंत्रालय की संयुक्त सचिव लिली पांडेय, आईजीएनसीए के डीन एवं एनएमसीएम के प्रभारी प्रो. (डॉ.) रमेश चंद्र गौड़ तथा एनएमसीएम के निदेशक डॉ. मयंक शेखर उपस्थित रहेंगे।

लखनऊ पहुंचे राजनाथ सिंह ने घटनास्थल का लिया जायजा, ट्रामा सेंटर में भर्ती घायलों से भी मिले

एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ के एक कोचिंग संस्थान में आग लगने की घटना की जानकारी मिलते ही रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को लखनऊ पहुंचे। चौधरी चरण सिंह अमौसी एयरपोर्ट पर उतरने के बाद रक्षा मंत्री सीधे घटनास्थल पर पहुंचे। रक्षा मंत्री ने घटना स्थल का निरीक्षण किया और पूछताछ की। इसके बाद वह किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय के ट्रामा सेंटर पहुंचे। उन्होंने ट्रामा सेंटर में भर्ती घायलों व उनके परिजनों से मिले और हर संभव मदद का आश्वासन दिया। राजनाथ सिंह ने चिकित्सकों को घायलों के समुचित उपचार के निर्देश दिए। उन्होंने चिकित्सकों को निर्देश दिए कि सभी घायलों को सर्वोत्तम चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं तथा उनके उपचार में किसी प्रकार की कोई कमी न रहने पाए। राजनाथ सिंह ने कहा कि कोचिंग सेंटर में आग लगने से हुआ हादसा मन को व्यथित करने वाला है। इस कठिन घड़ी में मेरी संवेदनाएँ सभी शोकाकुल परिवारों के साथ हैं। राजनाथ सिंह के

साथ भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष व केंद्रीय मंत्री पंकज चौधरी, उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक, पूर्व मंत्री डॉ महेंद्र सिंह समेत कई नेता मौजूद रहे। ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने भी ट्रामा सेंटर पहुंचकर घायलों से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार पीड़ित परिवारों के साथ पूरी संवेदनशीलता के साथ खड़ी है और प्रभावित लोगों को हर संभव सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। शर्मा ने घटना पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए अधिकारियों को दुर्घटना के कारणों की जांच करने, सुरक्षा मानकों की समीक्षा करने तथा भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए प्रभावी एवं ठोस कदम उठाने के निर्देश दिए।श्री शर्मा ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की तथा घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एवं केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी एवं प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह ने लखनऊ के पुरनिया, सेक्टर-डी स्थित कोचिंग सेंटर में हुई भीषण अग्नि दुर्घटना पर गहरा शोक एवं संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि इस दर्दनाक हादसे में कई लोगों के हताहत होने का समाचार अत्यंत पीड़ादायक, हृदयविदारक और पूरे समाज को झकझोर देने वाला है। इस त्रासदी ने अनेक परिवारों से उनके अपने छीन लिए हैं, जिसकी क्षति की भरपाई कभी नहीं की जा सकती। चौधरी ने शोकाकुल परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करते हुए कहा कि इस कठिन घड़ी में भारतीय जनता पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता और पूरा संगठन प्रभावित परिवारों के साथ खड़ा है।

मप्र हाई कोर्ट अनिका का जीवन बचाने के लिए सख्त, केंद्र और राज्य सरकार से मांगा स्पष्ट जवाब

एजेंसी

इंदौर। स्पाइनल मस्कुलर एट्रोफी (एसएमए टाइप-2) जैसी दुर्लभ और गंभीर बीमारी से जूझ रही इंदौर की 3 साल की मासूम अनिका के इलाज को लेकर मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय ने सख्त रुख अपनाया है। उसे जीवनरक्षक इलाज के लिए करोड़ों रुपये की आवश्यकता और लगातार बिगड़ती स्वास्थ्य स्थिति के बीच अदालत ने केंद्र और राज्य सरकार से स्पष्ट जवाब मांगा है। मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय की इंदौर खंडपीठ ने हुई सुनवाई के दौरान बच्ची के जीवन को सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए दोनों सरकारों के वकीलों को मामले में विस्तृत लिखित जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। अदालत ने एडवोकेट जनरल को निर्देशित किया है कि वह बच्ची की गंभीर स्थिति और समय को देखते हुए मामले में एम्स से समन्वय कर रिप्लाय पेश करें। मामले की अगली सुनवाई अब 30 जून को होगी। सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से अतिरिक्त महाधिवक्ता कुशल गोयल और केंद्र सरकार की ओर से अधिवक्ता अनुज भार्गव उपस्थित रहे। हालांकि, जब राज्य सरकार की ओर से यह बताया गया कि अभी तक शासन से कोई निर्देश प्राप्त नहीं हुए हैं, तो उच्च न्यायालय ने इस पर नाराजगी जताई। अदालत ने कहा कि पिछली सुनवाई में भी सरकारों से यह स्पष्ट करने को कहा गया था कि मानवता के आधार पर

बच्ची के इलाज में वे किस प्रकार सहायता कर सकती हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस पहल सामने नहीं आई है। मामले की गंभीरता के बावजूद लगातार दूसरी सुनवाई में भी एम्स की ओर से कोई प्रतिनिधि या वकील अदालत में उपस्थित नहीं हुआ। इस पर भी न्यायालय ने अप्रत्यक्ष रूप से चिंता व्यक्त की। अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल सुनील जैन को निर्देश दिया गया है कि वे एम्स, नई दिल्ली से आवश्यक निर्देश प्राप्त कर मामले में संक्षिप्त जवाब प्रस्तुत करें। राज्य शासन के अधिवक्ता को निर्देशित किया गया कि वे यह स्पष्ट करें कि क्या राज्य सरकार किसी भी रूप में मासूम अनिका के इलाज में आर्थिक या अन्य सहायता प्रदान कर सकती है। अनिका की ओर से एडवोकेट चंचल गुप्ता और लखन शर्मा ने पैरवी करते हुए अदालत को बताया कि बच्ची की हालत लगातार गंभीर होती जा रही है और इलाज में देरी उसके लिए जोखिम बढ़ा रही है। उन्होंने उपचार की तात्कालिक आवश्यकता पर जोर देते हुए शीघ्र निर्णय की मांग की। गौरतलब है कि इंदौर की 3 साल की मासूम अनिका शर्मा स्पाइनल मस्कुलर एट्रोफी (एसएमए टाइप-2) जैसी दुर्लभ और गंभीर बीमारी से पीड़ित है। इसके इलाज के लिए 9.5 करोड़ रुपये इंजेक्शन लगेगा, जो अमेरिका से आना है। पिछले कई महीनों से अनिका की मां सरिता और पिता प्रवीण ने कई लोगों के साथ मिलकर क्राउड फंडिंग की और इस क्राउड फंडिंग से अब तक 8 करोड़ 23 लाख रुपये इकट्ठा हो गए हैं। बच्ची के इलाज में सरकारी मदद के लिए उसके माता-पिता ने उच्च न्यायालय में याचिका दायर की थी। परिजनों के अनुसार एसएमए टाइप-2 के इलाज का खर्चा करीब नौ करोड़ रुपये था, लेकिन डॉलर की बढ़ती कीमतों के कारण अब यह राशि बढ़कर लगभग 9.5 करोड़ रुपये तक पहुंच गई है।

कामाख्या में अंबुबासी मेले का शुभारंभ, पर्यटन मंत्री अजंता नेओग ने किया उद्घाटन

एजेंसी

गुवाहाटी। नीलांचल पहाड़ स्थित देश की प्रमुख शक्तिपीठ मां कामाख्या मंदिर परिसर में आयोजित अंबुबासी मेला का आध्यात्मिक वातावरण में शुभारंभ हुआ। पर्यटन मंत्री अजंता नेओग ने पांडु पोर्ट में आयोजित कार्यक्रम में मेले का औपचारिक उद्घाटन किया। मंत्री ने कहा कि 22 जून की रात 09 बजकर 08 मिनट 42 सेकंड पर प्रवृत्ति के साथ कामाख्या मंदिर के गर्भगृह का मुख्य द्वार बंद कर दिया जाएगा तथा 26 जून को निवृत्ति के बाद विशेष पूजा-अर्चना के उपरांत मंदिर के द्वार श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ खोले जाएंगे। उन्होंने मेले में आने वाले श्रद्धालुओं, साधु-संतों, तीर्थयात्रियों और देश-विदेश से पहुंचे पर्यटकों का स्वागत करते हुए शुभकामनाएं दीं। उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए अजंता नेओग ने कहा कि अंबुबासी मेला केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि असम की समृद्ध आध्यात्मिक विरासत, सांस्कृतिक विविधता और आतिथ्य परंपरा का प्रतीक है। उन्होंने कहा राज्य सरकार के सहयोग से अंबुबासी मेले के आयोजन आयोजन में अपना हाथ बंटा रहा है। हर वर्ष लाखों श्रद्धालु इस मेले में शामिल होते हैं। वर्ष 2024 और

2025 में लगभग 7.5 लाख श्रद्धालुओं ने मेले में भाग लिया था, जबकि इस वर्ष 08 लाख से अधिक लोगों के आने की संभावना है। मंत्री ने कहा कि श्रद्धालुओं और पर्यटकों की सुविधा के लिए राज्य सरकार, जिला प्रशासन और विभिन्न विभागों द्वारा व्यापक व्यवस्थाएं की गई हैं। यातायात, पेयजल, स्वास्थ्य सेवाएं, स्वच्छता, सुरक्षा तथा सूचना सहायता केंद्रों को सुदृढ़ किया गया है ताकि सभी श्रद्धालु शांतिपूर्ण और सुगम तरीके से मेले में भाग ले सकें। उन्होंने मेले में सहयोग प्रदान करने वाले विभिन्न गैर-सरकारी संगठनों का आभार व्यक्त करते हुए आम जनता से भी अतिथियों की सेवा कर इस आयोजन को सफल बनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में विधायक विजय गुप्ता, असम पर्यटन विकास निगम के अध्यक्ष ऋतुपर्ण बरुवा, उपाध्यक्ष दिलीप दास, पर्यटन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, कामाख्या मंदिर प्रबंधन समिति के प्रतिनिधि, साधु-संत और बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

कि प्राचीन काल से कामाख्या मंदिर परिसर में आयोजित हो रहे इस मेला के माध्यम से असम के पर्यटन को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान मिली है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2013 से पर्यटन विभाग (एनसीआरबी) की चार महत्वपूर्ण डिजिटल प्रणालियों का शुभारंभ किया था, जिनका उद्देश्य देश की आपराधिक न्याय प्रणाली को तकनीक आधारित और अधिक प्रभावी बनाना है। इनमें अभिज्ञान प्रणाली (एप) के माध्यम से पुलिसकर्मी किसी भी स्थान पर संदिग्ध व्यक्तियों के अंगुली चिन्हों का राष्ट्रीय डाटाबेस से तत्काल मिलान कर सकेंगे। वहीं आपराधिक रिकॉर्ड और व्यक्तिगत जानकारी (सीआरपीआई) एप की मदद से मुखाकृति, नेत्र और आनुवंशिक पहचान (डीएनए) मैचिंग का एकीकरण किया जा रहा है। यह मल्टी-मोडल बायोमेट्रिक तकनीक पहचान की विश्वसनीयता बढ़ाती है, मैनुअल चूक घटाती है और प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी बनाती है। इसका प्रमुख उपयोग रिपीट ऑफेंडर्स और सीसीटीवी-आधारित पहचान में है। अब तक 2,190 सीआरपीआई यूनिट्स वितरित और 5.53 लाख से अधिक एनरोलमेंट हुए हैं।

ई-प्रॉसिक्यूशन ऐप 2.0 न्याय प्रक्रिया को तेज और प्रभावी बनाएगा : अमित शाह

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि ई-प्रॉसिक्यूशन ऐप 2.0 जांच एजेंसियों, अभियोजन तंत्र और न्यायिक प्रणाली को जोड़ने वाला नया सूचना राजमार्ग है, जो भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) के तहत निर्धारित समयसीमा में मामलों के निस्तारण को सुगम बनाएगा। शाह ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर जारी एक पोस्ट में कहा कि ई-प्रॉसिक्यूशन ऐप 2.0 जांच एजेंसियों, अभियोजन और न्यायिक व्यवस्था के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करेगा तथा मामलों के समयबद्ध निपटारे के लिए आवश्यक डिजिटल आधार प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि इस प्लेटफॉर्म के माध्यम से सूचनाओं और आंकड़ों का निर्बाध आदान-प्रदान संभव होगा, जिससे अपराधियों की पहचान करने में लगने वाला समय कम होगा। साथ ही इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों (ई-एविडेंस) के एकीकरण की प्रक्रिया भी अधिक प्रभावी और तेज बनेगी। गृह मंत्री ने कहा कि यह प्रणाली मामलों की समयसीमा की निगरानी करने में भी सक्षम होगी, जिससे न्यायिक प्रक्रिया में अनावश्यक विलंब कम होगा और लोगों को त्वरित तथा सटीक न्याय सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि ई-प्रॉसिक्यूशन ऐप 2.0 आपराधिक न्याय प्रणाली के डिजिटलीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो जांच, अभियोजन और न्यायिक संस्थाओं के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर न्याय वितरण व्यवस्था को अधिक पारदर्शी और दक्ष बनाएगा। केंद्रीय गृह मंत्री ने हाल ही में राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो

भारतीय क्रिकेट टीम आयरलैंड और इंग्लैंड के व्हाइट-बॉल टूर के लिए रवाना, सूर्यवंशी के डेब्यू पर रहेगी नजर

चेन्नई (एजेंसी)। श्रेयस अय्यर की कप्तानी वाली भारतीय टीम 26 जून से शुरू होने वाली व्हाइट-बॉल सीरीज के लिए चेन्नई इंटरनेशनल एयरपोर्ट से आयरलैंड और इंग्लैंड के लिए रवाना हो गई है। 'मेन इन ब्लू' को आयरलैंड के खिलाफ दो टी20आई और उसके बाद इंग्लैंड के खिलाफ पांच टी20आई और तीन ODI खेलने हैं, जो 26 जून से शुरू होंगे।

इस साल की शुरुआत में टी20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद आयरलैंड में होने वाले टी20आई मैच भारत के लिए पहली सीरीज होगी। भारत 26 और 28 जून को डबलिन में दो टी20आई खेलेगा। टी20आई टीम की कमान श्रेयस के हाथों में होने से भारत के लिए सबसे छोटे फॉर्मेट में एक नए अध्याय की शुरुआत हो

रही है, खासकर इसलिए क्योंकि 2028 में लॉस एंजिल्स ओलंपिक और ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में अगला मेन्स टी20 वर्ल्ड कप होने वाला है।

इस टूरिंग टीम की सबसे खास बात युवा बैटिंग सेंसेशन वैभव सूर्यवंशी हैं, जो 15 साल और 71 दिन की उम्र में भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम के लिए चुने जाने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बने और उन्होंने सचिन तेंदुलकर का 36 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा। इस सीजन में इंडियन प्रीमियर लीग में शानदार प्रदर्शन के बाद अनकैप्ड तेज गेंदबाज प्रिंस यादव को भी पहली बार सीनियर ज़20 टीम में बुलाया गया है।

शुरुआत में सीनियर तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को टीम में चुना गया था, लेकिन बाद में उनकी जगह प्रसिद्ध कृष्णा को शामिल किया गया। मार्च में मेनिस्कस टियर सर्जरी के बाद रिहैब से गुजर रहे सीम-बॉलिंग ऑलराउंडर हर्षित राणा भी टीम में वापस आ गए हैं, साथ ही लेग-स्पिनर रवि बिश्नोई भी।

आयरलैंड टूर के बाद यही टीम दक्षिण-पश्चिम की ओर एक छोटा टूर करेगी और 1 से 11 जुलाई के बीच इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20आई सीरीज खेलेगी, जिसके बाद 14 से 19 जुलाई तक तीन वनडे खेले जाएंगे। वनडे टीम की कप्तानी शुभमन गिल करेंगे, जबकि श्रेयस उनके डिप्टी होंगे। तीन मैचों की वनडे सीरीज में स्टार बल्लेबाज विराट कोहली की वापसी होगी, जो IPL 2026 के दौरान लगी हैमस्ट्रिंग चोट के कारण अफगानिस्तान के खिलाफ हाल ही में हुई वनडे सीरीज में नहीं खेल पाए थे। हालांकि BCCI ने कहा है कि उनका खेलना फिटनेस क्लीयरेंस पर निर्भर करेगा।

चिरंत विश्वनाथ जापान के मोटेगी में रेस जीतने वाले पहले भारतीय बने

मुम्बई (एजेंसी)। भारत के युवा रेसर चिरंत विश्वनाथ ने जापान के मोटेगी रेसट्रैक में जीत के साथ ही एक नया रिकार्ड अपने नाम किया है। इसी के साथ ही वह इस ट्रैक पर जीत हासिल करने वाले पहले भारतीय बन गए हैं। यह उपलब्धि उन्होंने एफआईएम एशिया रोड रेसिंग चैंपियनशिप के तीसरे दौर के दौरान टीवीएस एशिया वन-मेक चैंपियनशिप कैटेगरी में दर्ज की है।

चिरंत ने टीवीएस अपाचे आरआर 310 से रेस-1 में शानदार प्रदर्शन कर सफलता हासिल की है। आधिकारिक अभ्यास सत्र में सबसे तेज़ लैप्स दर्ज करने के बाद, उन्होंने क्वालिफाइंग में चौथा स्थान हासिल किया। रेस की शुरुआत में ही उन्होंने बढ़त हासिल कर थी। आठ लैप की इस रोमांचक रेस के पांचवें लैप में एक अन्य राइडर से हुई टक्कर के कारण वह पांचवें स्थान पर खिसक गए पर चिरंत ने हार नहीं मानते हुए तेजी से वापसी करते हुए अंतिम लैप में तीन प्रतिद्वंद्वियों को पीछे छोड़ कर अपनी पहली चैंपियनशिप जीती।

रेस-1 की इस आसाधारण जीत के बाद, चिरंत ने रेस-2 में भी अपनी गति बनाए रखी। वह अंतिम लैप तक वह दूसरे स्थान पर थे पर इस बार भी एक टक्कर के कारण वह चौथे स्थान पर खिसक गये। रेस-1 में मिली जीत और रेस-2 में चौथे स्थान पर रहने के कारण चिरंत को चैंपियनशिप स्टैंडिंग में चौथा स्थान हासिल करने में मदद मिली है।

विराट ने इंग्लैंड दौरे के लिए फिटनेस टेस्ट पास किया

बेंगलुरु (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली फिटनेस टेस्ट में पास हो गये हैं। ऐसे में अब विराट का इंग्लैंड दौरे में एकदिवसीय सीरीज खेलने का रास्ता साफ हो गया है। विराट को टीम में शामिल किया गया था पर उनके खेलने का फैसला फिटनेस जांच पर आधारित था। प्राप्त जानकारी के अनुसार विराट को बेंगलुरु स्थित राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) के 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' (सीओई) में फिटनेस जांच में सफल करार दिया गया है। इससे अब विराट एकदिवसीय सीरीज खेल सकेंगे। अब उनका लक्ष्य इस सीरीज में बेहतर प्रदर्शन कर साल 2027 में होने वाले एकदिवसीय विश्वकप के लिए अपनी दावेदारी पेश करना रहेगा।

वह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल 2026) के फाइनल मुकाबले के दौरान ही चोटिल हो गए थे। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के लिए खेलते हुए उनकी हैमस्ट्रिंग खिंचाव आ गय था। जिससे वह काफी समय तक खेल से दूर रहे थे। इसी चोट के कारण वह हाल ही में घरेलू मैदान पर अफगानिस्तान के खिलाफ खेली गई एकदिवसीय सीरीज से भी बाहर थे। विराट के फिट होने से उनके प्रशंसकों को भी राहत मिली है। अब प्रशंसकों को लंबे इंतजार के बाद विराट को खेलते हुए देखने का अवसर मिलेगा। उन्होंने अंतिम बार चैम्पियंस ट्रॉफी में खेला था।

एकदिवसीय सीरीज के लिए भारतीय टीम

शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर (उपकप्तान), केएल राहुल (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), वॉशिंगटन सुंदर, अक्षर पटेल, नीतीश कुमार रेड्डी, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, प्रसिद्ध कृष्णा, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह, गुरनूर बरार।

हार्दिक पांड्या मुंबई इंडियंस छोड़ने की तैयारी में, इन दो टीमों से मिला ऑफर

नई दिल्ली (एजेंसी)। हार्दिक पांड्या मुंबई इंडियंस छोड़ने की तैयारी में हैं और पांच बार की IPL चैंपियन टीम को उनके संभावित ट्रेड के लिए कम से कम दो प्रस्ताव मिले हैं जिसमें एक शाहरुख खान की को-ओन्ड कोलकाता नाइट राइडर्स से और दूसरा राजस्थान रॉयल्स है।

इस मामले की जानकारी रखने वाले IPL के एक सूत्र ने नाम न बताने की शर्त पर PTI को बताया कि KKR के टॉप मैनेजमेंट और मुंबई इंडियंस के मालिकों के बीच खिलाड़ियों के अदला-बदली (स्वैप) को लेकर कई बार बातचीत हुई है। मुंबई इंडियंस में पांड्या की वापसी का सफर उतार-चढ़ाव भरा रहा है और उनकी कप्तानी में टीम सिर्फ एक बार प्ले-ऑफ में जगह बना पाई है।

सूत्र के मुताबिक, 'अजिंक्य रहाणे KKR के लिए हमेशा से एक कामचलाऊ व्यवस्था थे और इस सीजन के बाद उन्हें रिलीज किया जाना तय था। KKR के बड़े

अधिकारियों ने पिछले सीजन के आखिर में MI के मालिकों से संपर्क किया था, लेकिन चूंकि रिलायंस की सालाना AGM (आम बैठक) होने वाली थी, इसलिए उस समय IPL ट्रेड उनकी सबसे बड़ी प्राथमिकता नहीं थी।'

सूत्र ने बताया, 'हालांकि, पता चला है कि KKR ने फिर से MI के बड़े अधिकारियों से संपर्क किया है और इस बारे में कुछ दौर की बातचीत भी हुई है।' यह तय है कि अगर पांड्या पूरी तरह से कैश डील या ट्रेड-ऑफ के जरिए KKR में जाते हैं तो उन्हें कप्तानी मिल सकती है क्योंकि इस समय रिंकू सिंह एक सही विकल्प नहीं लग रहे हैं। हालांकि जब पूछा गया कि क्या MI स्टार भारतीय ऑलराउंडर के लिए पूरी तरह से कैश डील चाहती है या ट्रेड-ऑफ, तो सूत्र ने इसकी पुष्टि नहीं की।

IPL ट्रांसफर नियम साफ तौर पर कहते हैं कि कोई खिलाड़ी ट्रेड के संबंध में किसी दूसरी फ्रेंचाइजी के साथ व्यक्तिगत रूप से कोई बातचीत नहीं कर सकता है। नियम के अनुसार बातचीत केवल फ्रेंचाइजी-टू-फ्रेंचाइजी ही हो सकती है, लेकिन यह भी कहा गया है कि खिलाड़ी की सहमति के बिना ट्रेड नहीं हो सकता। अगर खिलाड़ी सहमति नहीं देता है, तो उसे वापस ऑक्शन पूल में भेजना होगा।

MI को मिला दूसरा ऑफर यशस्वी जायसवाल और पांड्या के बीच ट्रेड-ऑफ का बताया जा रहा है, लेकिन यह पक्के तौर पर नहीं कहा जा सकता कि बातचीत किसी एडवांस स्टेज तक पहुंची है या नहीं। हालांकि रॉयल्स असम के स्टार रियान पराग को लंबे समय के कप्तान के तौर पर देख रहे हैं, इसलिए पांड्या के लिए लीडरशिप रोल पाना मुश्किल होगा। अगर पांड्या का ट्रांसफर होता है, तो राजस्थान रॉयल्स की तुलना में चक्रव्यूह इस समय कहीं ज्यादा बेहतर विकल्प लग रहा है।

अल्जीरिया को 12 साल में पहली बार विश्व कप में मिली जीत, जोर्डन नॉकआउट की दौड़ से बाहर

सांता क्लारा। दूसरे हॉफ में पेनल्टी कॉर्नर पर दो गोल करके अल्जीरिया ने एक गोल से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए जोर्डन को 2-1 से हराकर विश्व कप फुटबॉल के नॉकआउट चरण में पहुंचने की उम्मीदें पुख्ता कर लीं। दूसरे हाफ में स्थानापन्न खिलाड़ी नादिर बेनबुआली ने 69वें मिनट में हेडर लगाया जबकि अमीने गोरी ने 82वें मिनट में विजयी गोल दागा। विश्व कप में 2014 के बाद अल्जीरिया की यह पहली जीत है। जोर्डन के लिए पहले हाफ में निजार अल राशदान ने गोल दागा था। अल्जीरिया को पहले मैच में अर्जेंटीना ने 3-0 से हराया था लेकिन दूसरे मैच में ऑस्ट्रिया को हराकर उसने ग्रुप जे में दूसरा स्थान हासिल कर लिया। जोर्डन लगातार दूसरी हार के साथ नॉकआउट की दौड़ से बाहर हो गया है। उसे पहले मैच में आस्ट्रिया ने 3-1 से हराया था।

नितीश आयरलैंड दौरे से बाहर हुए, सूर्यांश को मिल सकता है अवसर

मुम्बई। भारतीय टीम को आयरलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज से पहले ही करारा झटका लगा है। युवा ऑलराउंडर नितीश कुमार रेड्डी मांसपेशिया में खिंचाव के कारण आयरलैंड दौरे से बाहर हो गये हैं। नितीश के बाएं पैर की जांघ की मांसपेशियों (क्वाड्रिसेप्स) में चोट आई है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के अनुसार इंग्लैंड के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में भी उनका खेलना संदिग्ध है। नितीश ने अफगानिस्तान के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में अच्छा प्रदर्शन किया था। अनुभवी ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या के बाहर होने से उम्मीद जतायी जा रही थी कि नितीश उनकी कमी पूरी कर देंगे पर अब वह भी बाहर हो गये हैं। जिससे भारतीय टीम की मुश्किलें बढ़ गयी हैं।

अब देखना है कि चयनसमिति किस खिलाड़ी को नितीश की जगह पर अवसर देती है। भारतीय टीम का आयरलैंड दौरान 26 जून से शुरू हो रहा है। इस सीरीज का पहला मुकाबला 26 जून को है, जबकि दूसरा मैच 28 जून को खेला जाएगा। आयरलैंड दौरे के बाद टीम इंडिया इंग्लैंड रवाना होगी, जहां उसे टी20 के साथ ही एकदिवसीय सीरीज भी खेलनी है। अटकलें हैं कि अब आक्रामक ऑलराउंडर सूर्यांश शेडगे को भारतीय टीम में शामिल किया जा सकता हैं हालांकि, बीसीसीआई ने अभी आधिकारिक घोषणा नहीं की है। सूर्यांश हाल में भारत ए टीम के साथ ही श्रीलंका दौरे पर भी गये थे। श्रीलंका ए के खिलाफ सुपर ओवर वाले मैच में सूर्यांश ने अच्छी बल्लेबाजी करते हुए 72 रन बनाए थे। वह इंडियन प्रीमियर लीग में अय्यर की कप्तानी वाली पंजाब किंग्स के लिए खेलते हैं। पिछले सत्र में शेडगे ने पंजाब की तरफ से 7 मैच में खेलते हुए 158 रन बनाए थे। गेंदबाजी का उन्हें अवसर नहीं मिला था।घरेलू क्रिकेट में सूर्यांश मुंबई इंडियंस की ओर से खेलते हैं।

मेसी, एम्बापे और हालैंड के बीच 'गोल्डन' बूट की टक्कर

फिलाडेल्फिया(एजेंसी)। लियोनेल मेसी, किलियन एम्बापे और एर्लिंग हालैंड तीनों ने दो-दो गोल किए जिससे वर्ल्ड कप गोल्डन बूट की दौड़ फुटबॉल के तीन सबसे बड़े सितारों के बीच मुकाबले में बदल गई। अपने 39वें जन्मदिन से दो दिन पहले, मेसी ने डलास स्टेडियम में ऑस्ट्रिया के खिलाफ अर्जेंटीना की 2-0 की जीत में दोनों गोल किए, जिससे उनके करियर के वर्ल्ड कप गोल की संख्या रिकॉर्ड 18 हो गई।

अर्जेंटीना के कप्तान अब दो मैचों में पांच गोल के साथ टूर्नामेंट में सबसे ज़्यादा गोल करने वालों की सूची में सबसे आगे हैं। कुछ घंटों बाद फिलाडेल्फिया में, एम्बापे ने भी ऐसा ही किया और दो गोल किए, जिससे फ्रांस ने इराक को 3-0 से हराया, जबकि हाफटाइम के दौरान लगभग दो घंटे तक तूफान के कारण खेल रुका रहा। अपना 100वां अंतरराष्ट्रीय मैच खेल रहे फ्रांस

के कप्तान ने तीन टूर्नामेंटों में कुल 16 वर्ल्ड कप गोल कर लिए हैं और पूर्व रिकॉर्ड-धारक मिरोस्लाव क्लोज की बराबरी कर ली है।

न्यूयॉर्क-न्यू जर्सी स्टेडियम में हालैंड ने दो गोल किए और नॉर्वे ने सेनेगल को 3-2 से हराकर राउंड ऑफ 32 में जगह पक्की की। अपने पहले वर्ल्ड कप में खेल रहे 25 वर्षीय खिलाड़ी के नाम अब दो मैचों में चार गोल हैं; वे गोल्डन बूट की दौड़ में एम्बापे के बराबर और मेसी से एक गोल पीछे हैं। हालांकि, इराक पर फ्रांस की जीत के बाद एम्बापे ने मेसी के साथ तुलना को ज़्यादा महत्व नहीं दिया। एम्बापे ने कहा, 'लियो हमेशा गोल करते हैं और हमेशा करते रहेंगे। इसलिए मैं यह नहीं देख रहा कि वह क्या कर रहे हैं। मैं बस अपनी टीम की मदद करने पर ध्यान दे रहा हूं।' फ्रांस के कोच डिडिएर डेसचैम्प्स ने कहा कि उनके कप्तान के पास रिकॉर्ड बुक में नया इतिहास रचने का पूरा मौका है। एम्बापे के पूर्व रिकॉर्ड-धारक मिरोस्लाव क्लोज के 16 वर्ल्ड कप गोल के रिकॉर्ड की बराबरी करने के बाद डेसचैम्प्स ने कहा, 'रिकॉर्ड तोड़े जाने के लिए ही होते हैं।' हालैंड इस दौड़ में एक असली दावेदार के तौर पर उभरे हैं। नॉर्वे ने आखिरी बार 1998 में वर्ल्ड कप में हिस्सा लिया था, जो हालैंड के जन्म से दो साल पहले की बात है, इसलिए यह इस स्ट्राइकर का पहला वर्ल्ड कप अभियान है। अभी और भी मैच खेले जाने बाकी हैं, इसलिए गोल्डन बूट की लड़ाई अभी भी खुली हुई है, जिसमें मेसी, एम्बापे और हालैंड तीनों ही दौड़ में शामिल हैं।

टीम इंडिया की जर्सी देखकर भावुक हुए वैभव

मुम्बई। 15 साल के उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी भारतीय टीम की जर्सी देखकर भावुक हो गये। वैभव को आयरलैंड दौरे के लिए भारतीय टी20 टीम में शामिल किया गया है। बीसीसीआई ने टीम के मंगलवार को आयरलैंड दौरे के लिए रवाना होने से पहले का एक वीडियो जारी किया है। इसमें वैभव को राष्ट्रीय टीम की जर्सी प्राप्त करते हुए देखा गया। इसे देखकर वह खुशी से उछल पड़े और उनके आंसू निकल गये। वैभव अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू करते 3 नंबर की जर्सी पहनकर मैदान पर उतरेंगे। किट बॉक्स खोलते ही वैभव ने सबसे पहले अपनी जर्सी देखी। इस पल को बयां करते हुए उनकी आंखें भर आईं और उन्होंने कहा, 'मेरे पास इसके बारे में बताने के लिए शब्द नहीं हैं। जिस चीज के लिए मैंने बचपन से बल्ला थामा था, आज मेरा वो सपना पूरा हुआ। आज सब कुछ सच हो गया। टी-शर्ट देखते ही मैं इतना खुश हो गया कि मेरे लिए ये सपने का सच होने जैसा था। मैं उस समय प्रतिक्रिया भी नहीं दे पा रहा था।' यह दृश्य बताता है कि एक खिलाड़ी के लिए देश का प्रतिनिधित्व करने का क्या महत्व होता है, और कैसे यह पल कई वर्ष की कड़ी मेहनत और समर्पण का फल होता है। आयरलैंड के खिलाफ भारतीय टीम दो टी20 मैच खेलेगी। इसमें वैभव पहली बार भारतीय टीम की ओर से खेलते हुए दिखेंगे। यह उनके करियर का एक बड़ा पड़ाव है। बीसीसीआई ने वैभव की कम उम्र को देखते हुए उनके माता-पिता को भी इस दौरे पर उनके साथ जाने की अनुमति दी है। उनके पिता पहले ही आयरलैंड पहुंच गये हैं। भारत और आयरलैंड के बीच पहला टी20 मैच 26 जून को खेला जाएगा, जबकि दूसरा मुकाबला 28 जून को होगा। यह सीरीज युवा खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी क्षमता साबित करने का सुनहरा अवसर प्रदान करेगी।

मिताली का सुझाव: हरमनप्रीत नंबर चार पर, जेमिमा नंबर पांच पर खेलें

मैनचेस्टर (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान मिताली राज ने टीम के बल्लेबाजी क्रम में बदलाव का सुझाव दिया है। मिताली का मानना है कि कप्तान हरमनप्रीत कौर को नंबर चार पर बल्लेबाजी करनी चाहिए, जबकि जेमिमा रोड्रिग्स को नंबर पांच पर उतारा जाना चाहिए। मिताली ने ये बात दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मिली हार को देखते हुए कही है। इससे सेमीफाइनल में पहुंचने की भारतीय टीम की उम्मीदों को झटका लगा है, क्योंकि अब उन्हें अपने शेष सभी मैच जीतने होंगे।

मिताली ने कहा कि अब भारतीय टीक को सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए ऑस्ट्रेलिया को हराने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। उन्होंने कहा कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ यह मैच भारत के जीतने लायक था, लेकिन अब आगे का रास्ता मुश्किल है। बल्लेबाजी क्रम पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा, हमने हरमनप्रीत को नंबर 5 पर इतनी देर से बल्लेबाजी करते हुए बहुत कम देखा है। इसलिए, शायद वह नंबर चार पर और जेमिमा नंबर पांच पर आ सकती हैं।

उन्होंने जेमिमा को नंबर पांच पर भेजने को लेकर कहा, जेमिमा पहले भी नंबर पांच पर खेल चुकी हैं और वहां उन्होंने काफी रन बनाए हैं। जब वह बल्लेबाजी के लिए आएंगी, तो संभावना है कि उन्हें स्पिनरों का सामना करना पड़े, जो उनकी ताकत है। वह अपने पैरों का इस्तेमाल कर सकती हैं और स्कूप और स्वीप शॉट अच्छे से खेलती हैं। मिताली का मानना है कि इस बदलाव से जेमिमा का आत्मविश्वास बढ़ सकता है, वह लय में वापस आ सकती हैं और वह मोमेंटम दोबारा हासिल कर सकती हैं, खासकर अगर हरमनप्रीत उनसे पहले बल्लेबाजी करें।

मिताली ने बाएं हाथ की स्पिनर श्री चरानी की अनुशासित गेंदबाजी को इस मैच में भारत के लिए सबसे सकारात्मक पहलू बताया। चरानी ने एक ही ओवर में दो विकेट लेकर दक्षिण अफ्रीका को दबाव में ला दिय था। और बाद में एक और महत्वपूर्ण विकेट हासिल कर अपना शानदार स्पेल समाप्त किया। पूर्व कप्तान ने चरानी की तारीफ करते हुए कहा, श्री चरानी जल्दी सीखने वाली खिलाड़ी हैं। उन्होंने इंग्लिश कंडीशंस में डेब्यू किया था, इसलिए उन्हें वहां के हालात की अच्छी जानकारी है। उन्होंने बताया कि पिच से

ज्यादा टर्न न मिलने के बावजूद, चरानी ने लगातार स्टंप्स पर अटैक किया, पेस और लेंथ में बदलाव किए, और अपनी पसंद के हिसाब से फील्ड सेट की। चरानी के दो बड़े विकेट ने भारत को खेल में वापस ला दिया था, और दूसरे स्पेल में भी उनकी लाइन बहुत सटीक थी।

सैमसन ने धोनी की तुलना फेडरर और विराट की अल्कारेज से की

मुम्बई। भारतीय टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन पर आजकल विंबलडन टेनिस का रंग चढ़ा हुआ है। इसी को देखते हुए सैमसन ने भारतीय टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी की प्रशंसा करते हुए उनकी तुलना स्विटजरलैंड के महान टेनिस स्टार रोजर फेडरर से की है। सैमसन ने जहां धोनी की तुलना टेनिस के महान खिलाड़ी रोजर फेडरर से जबकि विराट कोहली के आक्रामक अंदाज की तुलना स्पेन के कार्लोस अल्कारेज से की है। सैमसन ने कहा, क्रिकेट के रोजर फेडरर धोनी ही हो सकते हैं। जिस प्रकार से फेडरर शांत अंदाज में खेलते हैं। उसी प्रकार से धोनी भी अपने काम को बहुत शांत और संयमित तरीके से करते हैं। वहीं दूसरी ओर अल्कारेज बहुत आक्रामक अंदाज में खेलते हैं। जिस प्राकर से विराट कोहली खेलते हैं। इसलिए संजू ने विराट की तुलना अल्कारेज से की है। सैमसन टी20 विश्वकप में भारतीय टीम की जीत के बाद से ही छाये हुए हैं। उन्होंने इसके बाद आईपीएल में भी बेहतरीन प्रदर्शन किया था। अब उनकी नजरें इंग्लैंड दौरे पर हैं। सैमसन ने टी20 महिला विश्वकप में भारतीय टीम के अच्छे प्रदर्शन की भी तारीफ की है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार से महिला टीम ने एकदिवसीय विश्वकप जीता उसी प्रकार वह टी20 खिताब भी जीतेगी।

मेसी के शानदार प्रदर्शन से अर्जेंटीना ने ऑस्ट्रिया को 2-0 से हराकर नॉकआउट में जगह बनायी

डलास (एजेंसी)। कप्तान लियोनन मेसी के शानदार प्रदर्शन से मौजूदा चैंपियन अर्जेंटीना ने ऑस्ट्रिया को 2-0 से हराकर लगातार छठी बार विश्व कप फुटबॉल के नॉकआउट चरण में प्रवेश किया है। इस धमाकेदार जीत के दौरान ही मेसी ने विश्व कप इतिहास में सबसे अधिक गोल करने का नया रिकॉर्ड भी अपने नाम किया है।

मेसी ने हाफ-टाइम से ठीक पहले गोल करने के साथ ही ही अपना 17वां गोल कर जर्मनी के दिग्गज मिरोस्लाव क्लोस को पीछे छोड़ा। इसके साथ ही, वह जस्ट फोंटेन और जाइरजिन्हो के बाद लगातार 6 विश्व कप मैचों में गोल करने वाले दुनिया के तीसरे खिलाड़ी भी बन गए है।

दूसरे हाफ में ऑस्ट्रिया ने बराबरी के लिए काफी प्रयास किये पर अर्जेंटीना के डिफेंडरों ने उसे कोई अवसर नहीं दिया। मैच के अंतिम क्षणों में मेसी ने एक और गोल कर टूर्नामेंट का अपना 5वां और विश्व कप करियर का 18वां गोल दागा।

इस मैच में सिर्फ मेसी के साथ ही अर्जेंटीना की पूरी टीम का प्रदर्शन अच्छा रहा। ऑस्ट्रिया ने मेसी को घेरने की मजबूत रणनीति बनाई थी, लेकिन टीम ने एकजुट होकर इसका सामना किया। क्रिस्टियन रोमेरो ने घुटने की समस्या के कारण मैदान छोड़ने से पहले डिफेंस को मजबूती दी, जिसके बाद निकोलस ओटामेंडी ने कमान संभाली। रोड्रिगो डी पॉल, एलेक्सिस मैक एलिस्टर और एंज़ो फर्नांडीज ने मिडफील्ड को पूरी तरह नियंत्रित रखा, जिससे अर्जेंटीना की लय बनी रही। दो मैचों में दो जीत और 6 अंकों के साथ ही अर्जेंटीना का मनोबल बढ़ा हुआ है और टीम अब 27 जून को ग्रुप जे के अपने अंतिम मैच में जॉर्डन से मुकाबले के लिए उतरेगी।

बॉक्स ऑफिस प्रेशर पर बोले अजय देवगन

अजय देवगन की आने वाली कॉमेडी फिल्म 'धमाल 4' का ट्रेलर रिलीज हो गया है। ट्रेलर लॉन्च के मौके पर अजय देवगन ने बताया कि आखिर फिल्म रिलीज के समय बॉक्स ऑफिस का कितना दबाव होता है। इसके साथ ही अजय ने यह भी बताया कि बॉलीवुड फिल्मों के सीक्वल इतने सफल क्यों होते हैं?

अजय देवगन ने माना कि फिल्म रिलीज होने से पहले हर किसी को थोड़ा डर और दबाव महसूस होता है। उन्होंने कहा, 'जब भी कोई फिल्म रिलीज होने वाली होती है, तो प्रेशर होना बिल्कुल सामान्य है। इससे हर एक्टर गुजरता है। हम बहुत मेहनत से फिल्म बनाते हैं और हमेशा यही उम्मीद रहती है कि दर्शकों को यह पसंद आए। इसी उम्मीद की वजह से रिलीज के वक्त दिल में थोड़ी घबराहट रहती है।'

सीक्वल फिल्में क्यों होती हैं हिट

'गोलमाल' और 'दृश्यम' जैसी कई सुपरहिट सीक्वल फिल्मों में काम कर चुके अजय देवगन ने बताया कि सीक्वल के हिट होने का राज क्या है। अजय ने कहा कि सीक्वल फिल्में तभी कामयाब होती हैं, जब दर्शकों को पिछली फिल्म के किरदार बहुत पसंद आए हों। एक बार जब दर्शक किरदारों से जुड़ाव महसूस करने लगते हैं, तो उसी कहानी को आगे बढ़ाना आसान और मजेदार हो जाता है।

क्या है फिल्म की कहानी

अजय देवगन इस फिल्म में 'गुड्डू' नाम का किरदार निभा रहे हैं, जो उन्होंने 'धमाल 3' में भी निभाया था। फिल्म में उनकी जोड़ी ईशा गुप्ता के साथ दिखेगी। इस बार भी फिल्म की कहानी एक मजेदार खजाने की खोज पर आधारित है, जहां सभी किरदार सोने के पहाड़ को ढूंढ रहे हैं।

कब रिलीज होगी 'धमाल 4'

अक्षय कुमार की 'वेलकम टू द जंगल' और आलिया भट्ट की फिल्म 'अल्फा' के साथ टकराव से बचते हुए अब 'धमाल 4' 10 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

शिल्पा शिंदे ने टीवी सीरियल निर्माताओं को कहा माफिया

शिल्पा शिंदे ने एक बार फिर टीवी इंडस्ट्री में आर्टिस्ट्स के सामने आने वाली चुनौतियों के बारे में बात की है। एक्ट्रेस ने टेलीविजन इंडस्ट्री के प्रोड्यूसर्स की आलोचना की है। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ प्रोड्यूसर्स व्हाइट कॉलर माफिया की तरह काम करते हैं। इंस्टाग्राम पेज पर एक वीडियो पोस्ट करते हुए शिल्पा शिंदे ने निर्माताओं को खूब भला-बुरा कहा है।

प्रोड्यूसर्स को लताड़ा

इंस्टाग्राम पर शेयर किए गए एक वीडियो में शिल्पा शिंदे ने कहा, 'जैसा कि आपने देखा आर्टिस्ट एसोसिएशन खुद आर्टिस्ट्स के साथ खड़ी नहीं होती है। टीवी इंडस्ट्री में ये प्रोड्यूसर्स माफिया की तरह काम करते हैं। वे व्हाइट-कॉलर माफिया हैं। मैं हमेशा से यह कहती रही हूं। जो प्रोड्यूसर्स उन्हें सपोर्ट नहीं करते हैं, उन्हें धमकी भी दी जाती है। कहा जाता है कि अगर कल तुम्हें कुछ हो गया, तो हम तुम्हें सपोर्ट नहीं करेंगे।' सपोर्ट की तो बात ही छोड़िए। वे कहते हैं कि हम तुम्हारा काम रोक देंगे। हम तुम्हारा अभी का शो नहीं चलने देंगे; तुम्हें हमारा साथ देना होगा।'

अपनी आपबीती भी सुनाई

वह वीडियो में आगे कहती हैं, 'उन्होंने मेरा साथ भी नहीं दिया। आज भी जब उनके पास मेरे साथ खड़े होने का मौका था, तब भी वे नहीं आए। मुझे बोलने की कोई जरूरत नहीं थी। किसी को पता भी नहीं कि उस समय मैं किस दौर से गुजरी थी। लोग मुझ पर झूठा इल्जाम लगा रहे हैं कि मैं यह सिर्फ पैसे के लिए कर रही हूं। आज 10 साल बाद भी, वह प्रोड्यूसर टीवी शो और फिल्में बना रहे हैं। किसी में भी अपने लिए इंसाफ की लड़ाई लड़ने की हिम्मत नहीं है। और फिर लोग सुसाइड जैसे बड़े कदम उठा लेते हैं।'

क्या था शिल्पा शिंदे का पूरा मामला?

शिल्पा शिंदे ने बीते दिनों कॉमेडियन भारती सिंह और हर्ष लिंबाचिया के पॉडकास्ट पर टेलीविजन शो 'भाबीजी घर पर हैं' के प्रोड्यूसर्स के साथ अपने झगड़े के बारे में बात की थी। उन्होंने बताया कि शो छोड़ने के बाद और पेंडिंग पेमेंट्स को लेकर हुए झगड़े के बीच उन्होंने प्रोड्यूसर संजय कोहली के खिलाफ यौन उत्पीड़न की शिकायत दर्ज कराई थी। शिलपा शिंदे ने यह भी कहा कि बाद में मामला सुलझ गया और उन्हें उनका बकाया मिल गया। इस बयान के बाद सोशल मीडिया पर शिल्पा की खूब ट्रोलिंग हुई, टीवी इंडस्ट्री से हिना खान भी उनके खिलाफ बातें कर रही हैं। कई लोगों को मानना है कि ऐसे झूठे केस की वजह से ही असल पीड़ित महिलाओं को न्याय नहीं मिलता है।

'मां इंटी बंगारम' में खुद सामंथा ने किए हैं सारे एक्शन सीन्स

साउथ की पॉपुलर एक्ट्रेस सामंथा रुथ प्रभु अपनी आने वाली फिल्म 'मां इंटी बंगारम' को लेकर काफी चर्चा में हैं। हाल ही में चेन्नई में हुए एक प्री-रिलीज इवेंट में समांथा ने फिल्म के एक्शन सीन को लेकर दिलचस्प बातें साझा कीं। उन्होंने बताया कि इस फिल्म में एक्शन बिल्कुल रियल है- ना कोई स्लो मोशन, ना ही उड़ने वाले शॉट्स और ना ही ज्यादा ड्रामा। समांथा ने कहा, 'फिल्म में जो भी फाइट सीन हैं, वो बिल्कुल असली लगेंगे। मुझे भी शूटिंग के दौरान कई बार चोट लगी, यहां तक कि खून भी बहा। लेकिन मैंने सारे एक्शन सीन खुद किए हैं, इसलिए ये इतने असली लगते हैं और लोगों को पसंद आते हैं।'

फिल्म का निर्देशन नंदिनी रेड्डी ने किया है। फिल्म 'मां इंटी बंगारम' एक फैमिली एक्शन-कॉमेडी ड्रामा है। इस फिल्म को सामंथा के पति और निर्देशक राज निदिमोरु ने बनाया है। इस फिल्म में दिगनाथ और गुलशन देवैया अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। इनके अलावा फिल्म में श्री मुखी, गौतमी, आनंद और लक्ष्मी भी सपोर्टिंग रोल में हैं।

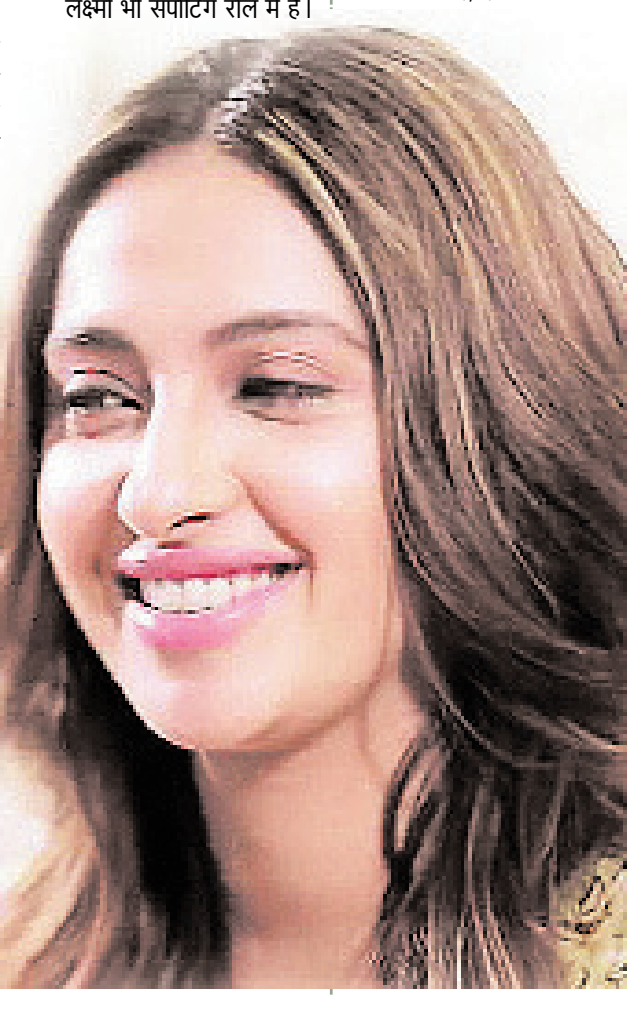

आकांक्षा रंजन कपूर 'ग्राम चिकित्सालय' के नए सीजन में अपने किरदार को लेकर बात की

अभिनेत्री आकांक्षा रंजन कपूर अपने वेब शो 'ग्राम चिकित्सालय' के दूसरे सीजन की रिलीज को लेकर काफी उत्साहित हैं। उन्होंने शो के नए सीजन में अपने किरदार के सफर को लेकर खुलकर बात की। साथ ही बताया कि इस बार क्या खास है। अभिनेत्री ने बताया कि दूसरे सीजन में उनका किरदार गार्गी पहले से अधिक जिम्मेदारियों का सामना करता नजर आएगा। साथ ही, उसे कई कठिन और जटिल फैसले भी लेने पड़ेंगे, जो उसके किरदार के साथ कहानी को और भी दिलचस्प बनाएंगे। इस बारे में बात करते हुए आकांक्षा रंजन कपूर ने कहा, 'डॉ. गार्गी का किरदार निभाने का सबसे संतोषजनक पहलू यह रहा कि दर्शकों ने उससे गहरा जुड़ाव महसूस किया और भरपूर प्यार दिया। पहले सीजन में गार्गी को एक ईमानदार, सरल और जमीन से जुड़ी हुई महिला के रूप में दिखाया गया था और मुझे लगता है कि दर्शकों ने उसकी इसी सच्चाई से खुद को जोड़ा। यह देखकर खुशी होती है कि लोगों का यह प्यार और अपनापन दूसरे सीजन में उसके किरदार के और बड़े सफर का हिस्सा बना है। 'उन्होंने आगे कहा, 'दूसरे सीजन में गार्गी पहले से कहीं अधिक जिम्मेदारियों का सामना करती नजर आएगी। उसे कई जटिल फैसले लेने पड़ते हैं और ऐसी चुनौतियों से गुजरना पड़ता है, जो उसके सिद्धांतों और विश्वासों की वास्तविक परीक्षा लेती हैं। एक कलाकार के तौर पर ऐसे शो का हिस्सा बनना बेहद संतोषजनक है, जो गहराई वाली कहानियां प्रस्तुत करता है और अपने किरदारों को विकसित होने का पूरा अवसर देता है।' 'ग्राम चिकित्सालय' के पहले सीजन को झारखंड के भाठकांडी गांव में ग्रामीण स्वास्थ्य व्यवस्था के यथार्थवादी और संवेदनशील चित्रण के लिए काफी सराहना मिली थी। पहले सीजन में आकांक्षा रंजन कपूर ने स्थानीय डॉक्टर डॉ. गार्गी के किरदार को प्रभावशाली ढंग से निभाया। शो की कहानी का बड़ा हिस्सा अब उनके किरदार के इर्द-गिर्द घूमता नजर आएगा, जिससे आकांक्षा रंजन कपूर की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो गई है। ग्राम चिकित्सालय का दूसरा सीजन 23 जून से ओटीटी प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होगा।

ऑस्कर विजेता कंपनी के साथ काम करेंगे ऋतिक रोशन

मशहूर हॉलीवुड प्रोडक्शन और मैनेजमेंट कंपनी ने बॉलीवुड सुपरस्टार ऋतिक रोशन को अपने आने वाले प्रोजेक्ट के लिए साइन कर लिया है। यह कंपनी 'द रेवेनेंट' और 'स्पॉटलाइट' जैसी ऑस्कर जीतने वाली फिल्में बनाने के लिए जानी जाती है।

क्या हॉलीवुड प्रोजेक्ट में नजर आएंगे ऋतिक

ऋतिक ने 'एनोनिमस कंटेंट' कंपनी के साथ एक डील साइन कर ली है। इस डील के बाद से ऐसी चर्चाएं तेज हो गई हैं कि ऋतिक जल्द ही किसी बड़े हॉलीवुड प्रोजेक्ट में नजर आ सकते हैं, हालांकि अभी तक किसी फिल्म की आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है।

ऋतिक रोशन का अब तक का सफर

ऋतिक को बॉलीवुड का 'ग्रीक गॉड' कहा जाता है। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत ब्लॉकबस्टर फिल्म 'कहो ना प्यार है' से की थी। उन्होंने 'वॉर', 'कृष', 'जोधा अकबर' और 'जिंदगी ना मिलेगी दोबारा' जैसी कई शानदार फिल्मों में काम किया है।

ऋतिक का वर्कफ्रंट

ऋतिक रोशन बहुप्रतीक्षित सुपरहीरो फ्रेंचाइजी 'कृष 4' में नजर आएंगे, जिसकी प्री-प्रोडक्शन और निर्देशन की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। इसके अलावा ऋतिक निर्माता रूप में अपनी पहली वेब सीरीज 'स्टॉर्म' भी बना रहे हैं।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारतीय कलाकार

ऋतिक अकेले नहीं हैं, बल्कि कई भारतीय कलाकार भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना रहे हैं। प्रियंका चोपड़ा इस समय हॉलीवुड में सबसे सफल भारतीय अभिनेत्री हैं। 'क्वांटिको' सीरियल से शुरुआत करने के बाद उन्होंने 'बेवॉच' और 'हेड्स ऑफ स्टेट' जैसी कई हॉलीवुड फिल्मों में काम किया। अब वह जल्द ही सात साल बाद एसएस राजामौली की फिल्म से भारतीय सिनेमा में वापसी करेंगी। प्रियंका के अलावा आलिया भट्ट ने गैल गैडोट के साथ फिल्म 'हार्ट ऑफ स्टोन' से अपना हॉलीवुड डेब्यू किया। प्रियंका, आलिया और दीपिका पादुकोण के अलावा भी कई बॉलीवुड स्टार्स ने हॉलीवुड फिल्मों में काम किया है।

प्रियंका चाहर ने 'नागिन 7' के सफर को कहा अलविदा

अलौकिक (सुपरनैचुरल) शो 'नागिन' के सातवें सीजन के समाप्त होने के बाद प्रियंका चाहर चौधरी ने शो को अलविदा कहते हुए एक भावुक संदेश साझा किया। इस अवसर पर उन्हें टीवी जगत की 'जारिना' कही जाने वाली एकता कपूर से खूब सराहना मिली। एकता ने कहा कि वह प्रियंका के साथ फिर से काम करने का बेसब्री से इंतज़ार कर रही हैं। इस सफर को 'अविस्मरणीय यात्रा' करार देते हुए प्रियंका ने सबसे पहले इंस्टाग्राम पर शूटिंग के आखिरी दिन की एक झलक साझा की और लिखा, 'और इसी के साथ, एक अविस्मरणीय यात्रा का अंत हो रहा है... नागिन 7।'

अभिनेत्री ने कहा कि इस शो ने उन्हें केवल यादें ही नहीं, बल्कि उससे कहीं अधिक दिया है। उन्होंने लिखा, 'इस शो ने मुझे सिर्फ यादों से कहीं ज्यादा दिया है- इसने मुझे खूबसूरत लोग, जीवनभर के रिश्ते और मेरे शिवजी के साथ और भी गहरा जुड़ाव दिया। महादेव से इतनी गहराई से जुड़ी कहानी का हिस्सा बनने से मेरा विश्वास और मजबूत हुआ है, और मैं हर दिन अपने जीवन में उनके प्रेम और उपस्थिति को महसूस करती हूं। यह रिश्ता हमेशा के लिए है और अटूट है।' उन्होंने उन पर भरोसा करने और यह शानदार अवसर देने के लिए एकता कपूर का धन्यवाद किया।

प्रियंका ने आगे कहा, 'मैं हमेशा आभारी रहूंगी। इस अद्भुत यात्रा को जीने का मंच देने के लिए कलर्स टीवी और बालाजी टेलीफिल्मस लिमिटेड का दिल से धन्यवाद। मेरे सह कलाकारों, हमारी शानदार टीम और पर्दे के पीछे काम करने वाले सभी लोगों का शुक्रिया, जिन्होंने इस सफर को इतना खास बनाया।' उन्होंने लिखा, 'और दर्शकों, आपके असीम प्यार और नागिन 7 को शुरुआत से लेकर अंत तक नंबर-1 शो बनाने के लिए धन्यवाद। यह प्यार मेरे लिए सब कुछ है। शो समाप्त हो सकता है, लेकिन इसकी यादें हमेशा बनी रहेंगी... और एक बात निश्चित है- नागिन की विरासत हमेशा जारी रहेगी। हमेशा आभारी। हमेशा धन्य। हर हर महादेव।'

प्रियंका चाहर चौधरी की इस पोस्ट पर एकता कपूर की नजर पड़ी, जिन्होंने उनकी जमकर प्रशंसा की। एकता कपूर ने कमेंट सेक्शन में लिखा, 'सबसे खूबसूरत नागिन के लिए, तुम्हारे साथ काम करना बेहद सुखद अनुभव रहा। तुम मेहनती, खूबसूरत, आकर्षक और बहुत सहयोगी हो। भविष्य में फिर से तुम्हारे साथ काम करने का इंतजार रहेगा। ढेर सारा प्यार प्रियंका, तुम्हें दोबारा हमारे सेट पर देखने का इंतजार है।' 'नागिन' एक सुपरनैचुरल फिक्शन टीवी शो है, जिसकी कहानी रूप बदलने वाले नाग-नागिनों के इर्द-गिर्द घूमती है। इसका पहला सीजन वर्ष 2015 में शुरू हुआ था।

प्रियंका की बात करें तो उन्हें 'उड़ारियां' में तेजो कौर संधू का किरदार निभाने के बाद बड़ी लोकप्रियता मिली। 'बिग बॉस 16' में भी उनके व्यक्तित्व को दर्शकों ने खूब पसंद किया और वह शो की दूसरी रनर-अप रहीं। वर्ष 2016 में उन्होंने कई पंजाबी म्यूजिक वीडियो में काम किया, जिनमें 'हंजू', 'मैं बेवफा' और 'ऑनलाइन' शामिल हैं।

ज्वेलरी मेकिंग

अपना करियर खुद कीजिए डिजाइन

अभी शादी-विवाह का मौसम समाप्त हुआ है। बारिश का मौसम शुरु हो गया है पर ज्वेलरी 12 महिनों तक उनकी मांग बनी रही है। आज के दौर में ज्वेलरी मेकिंग सिर्फ सुनारों का ही खानदानी काम नहीं रहा। आप भी गहने बनाने के काम में अपना भविष्य बना सकते हैं। शुरू में थोड़े इन्वेस्टमेंट के साथ आप अपना काम भी शुरू कर सकते हैं। कैसे, इस बारे में बता रहे हैं... जिस तरह ज्वेलरी अब सिर्फ सोने-चांदी का नाम नहीं है, ठीक वैसे ही यह काम अब केवल सुनारों का नहीं रह गया है। ज्वेलरी की बढ़ती डिमांड और बाजार में प्रतिस्पर्धा के चलते अब इस क्षेत्र में पढ़े-लिखे डिग्रीधारी प्रोफेशनल्स को काम करने का मौका मिलने लगा है।

भारत रत्न विज्ञान केंद्र के निदेशक एपी सिंह ने बताया कि 'ज्वेलरी मेकिंग में भारत दुनिया भर में सबसे आगे हो चुका है। यहां सस्ते और अच्छे कारीगर मिलने की वजह से विश्व का ध्यान भारत की ओर टिका हुआ है।' अब वह दौर भी धीरे-धीरे जा रहा है, जब लोग ज्वेलरी को आवश्यकता की चीज यानी इन्वेस्टमेंट की नजर से ज्यादा और साज-सज्जा यानी श्रृंगार की सोच से कम खरीदा करते थे। आजकल लोग इन्वेस्टमेंट के साथ इस बात पर विशेष ध्यान देने लगे हैं कि वे जिस आभूषण को खरीद रहे हैं, उसका डिजाइन कैसा है और वह पहनने पर कैसा लगेगा। डिजाइन अच्छा होगा तो उसे पहनने वाले की सुंदरता में भी चार चांद लगेंगे। लोगों की इसी सोच के चलते अब सोने-चांदी के अलावा आर्टिफिशियल और कॉस्टयूम ज्वेलरी की भी बाजार में काफी डिमांड है। खैर, ज्वेलरी चाहे सोने-चांदी की हो या आर्टिफिशियल या कॉस्टयूम, दोनों को तैयार करने वालों को प्रशिक्षण एक ही तरह का दिया जाता है। आजकल के बदलते ट्रेंड और इस क्षेत्र में करियर के उम्दा चांस मिलने के चलते युवा इस ओर खूब रुख कर रहे हैं। इस क्षेत्र में पैसे की भी कोई कमी नहीं है।

ज्वेलरी मेकर्स का काम

इस क्षेत्र में काम करने वालों को आभूषण बनाना, उन्हें मॉडिफाई करना, डिजाइन करना आदि के अलावा जैमोलॉजी की बेसिक जानकारी तथा कास्टिंग टेक्नोलॉजी, ज्वेलरी का इतिहास, स्टोन कटिंग एंड इनेबलिंग यानी नक्काशी, रत्नों की शुद्धता मापना, रत्नों का चुनाव, मूल्य, सेटिंग, पॉलिशिंग, सोइंग एवं सोल्डरिंग, फेब्रिकेशन, रिपेयरिंग, रत्नों के अलावा टेराकोटा मोतियों और हाथी दांत व सीपियों का प्रयोग करना सिखाया जाता है। अगर आप कला में रुचि रखते हैं। दसवीं या बारहवीं पास हैं और अपना काम करना चाहते हैं या आपको नौकरी उतनी अच्छी नहीं मिल रही है अथवा आप परीक्षाओं में अच्छे अंक नहीं ला पाए हैं तो आप ज्वेलरी मेकिंग का काम सीख कर इस क्षेत्र में बहुत अच्छा पैसा कमा सकते हैं। कैसे, आइए जानें:- ज्वेलरी मेकिंग या डिजाइनिंग के लिए कम से कम 10 फुट चौड़े और 12 फुट लंबाई वाले कमरे की जरूरत होती है। बड़ा काम करने के लिए उसी हिसाब से जगह की ज्यादा जरूरत होती है।

ललागत

इस काम को करने में कम से कम पांच लाख रुपए का खर्च आता है। आप जितना बड़ा काम करना चाहेंगे, लागत भी उतनी ही अधिक आएगी। अगर आप केवल टांका लगाने का काम करते हैं या तार खींचने का काम या लड़ी जोड़ने यानी पिरोने का काम करना चाहते हैं तो आपका काम बीस-तीस हजार रुपए में शुरू हो सकता है। जगह का खर्च आपको अलग से वहन करना पड़ेगा।

लहैंड्स

हैंड्स यानी सहयोग, मतलब आपको इस काम को करने के लिए कम से कम कितने वर्कर्स की आवश्यकता पड़ेगी तो आपको बता दें कि पांच लाख की लागत लगा कर काम शुरू करने पर आपको कम से कम 15 लोगों की आवश्यकता पड़ेगी। अगर आप काउंटर लगाकर काम शुरू करते हैं तो आपको किसी अन्य व्यक्ति की सहायता की जरूरत नहीं पड़ेगी या काम के हिसाब से आप कारीगर रख सकते हैं।

लयोग्यता

ज्वेलरी मेकर बनने के लिए डिप्लोमा या सर्टिफिकेट कोर्स करना आवश्यक है। इसके लिए आपकी न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता बारहवीं होनी चाहिए। कुछ प्राइवेट संस्थान दसवीं पास छात्रों को भी प्रशिक्षण प्रदान करते हैं। बड़े संस्थान लिखित परीक्षा और साक्षात्कार के आधार पर प्रवेश देते हैं।

लकोर्स की अवधि

ज्वेलरी मेकिंग के कोर्सेज की अवधि तीन माह से लेकर दो साल तक है। इसमें तीन से छः माह के सर्टिफिकेट कोर्स होते हैं, जबकि एक से दो साल में डिप्लोमा कोर्स कराए जाते हैं। आजकल कुछ संस्थान साप्ताहिक कोर्स भी कराते हैं, जिनमें टांका लगाना, ज्वेलरी साफ करना, तार खिंचाई, लड़ी जोड़ना सिखाया जाता है।

लशुल्क

ज्वेलरी मेकिंग के कोर्स का शुल्क प्रशिक्षण अवधि, कोर्स और संस्थान पर निर्भर करता है। इस काम को सिखाने वाले संस्थान 10 हजार रुपए से दो लाख रुपए तक चार्ज करते हैं। जो संस्थान सिर्फ टांका आदि लगाना सिखाते हैं, वे एक हजार से पांच हजार तक वसूलते हैं।

लआमदनी

ज्वेलरी मेकिंग का काम एक ऐसा काम है, जिसमें आपकी आमदनी अच्छी होने के साथ बढ़ती ही रहती है। इस काम में सोने-चांदी का 15 प्रतिशत हिस्सा अलॉय यानी दो-तीन धातुओं के मिश्रण में और 5 प्रतिशत हिस्सा ढलाई में मिलता है। मोटे तौर पर कहें तो कुल मिला कर अलग-अलग जगहों के हिसाब से 14, 15, 18 या 23 प्रतिशत हिस्सा बनाने वाले को मिलता है और बनवाई अलग से मिलती है। अन्य धातुओं से ज्वेलरी बनाने में केवल बनवाई मिलती है। शुद्ध आमदनी की अगर बात की जाए तो पांच लाख रुपए की लागत से शुरू किए गए काम से आप लाखों रुपए महीने तक कमा सकते हैं, जबकि आर्टिफिशियल या कॉस्ट्यूम ज्वेलरी बनाने में कुछ कम आमदनी होती है। आपका काम जितने बड़े स्तर का होगा या बढ़ेगा, उसी हिसाब से आमदनी भी बढ़ेगी।

ललोन

ज्वेलरी मेकिंग का काम शुरू करने के लिए अगर आपके पास पर्याप्त पैसा नहीं है तो आप लोन भी ले सकते हैं। इसके लिए आपके पास दो रास्ते हैं। एक निजी स्तर पर सीधे बैंक से लोन लेने का और दूसरा सरकारी संस्थान के सर्टिफिकेट पर ग्रामीण या शहरी स्वरोजगार योजना की स्कीमों के अंतर्गत लोन लेकर काम शुरू करने का। दोनों ही तरह से आपको जरूरी दस्तावेज जमा कराने होंगे। इन दस्तावेजों में प्रोजेक्ट रिपोर्ट, जगह के कागज, बैंक या स्कीम के मुताबिक सिक्योरिटी मनी, शिक्षा के प्रमाण-पत्र, आईडी प्रूफ, पासपोर्ट साइज फोटो आदि शामिल हैं। इसके अलावा आपको दो गवाह भी चाहिए। लोन की राशि आपकी प्रोजेक्ट रिपोर्ट, कार्य का आकार-प्रकार और जगह की वैल्यू पर निर्भर करेगी।

हमेशा ऊंचाइयों पर कैसे रहें?

यदि आप चाहते हैं कि आप ऊंचाई पर हों और प्रसन्नचित्त रहें तो उसका एक ही तरीका है, हमेशा दूसरों को प्रसन्न रखें। दूसरों की सहायता करने में कोई हर्ज नहीं है, किंतु यदि आप इसे अपनी प्राथमिकताओं, वचनबद्धता व जरूरतों की कीमत पर करते हैं तो आप हमेशा अप्रसन्न महसूस करेंगे। आपको इस बात का भी अहसास होगा कि आप अपने वांछित लक्ष्यों, इच्छाओं व उद्देश्यों को हासिल नहीं कर पा रहे हैं। इसके साथ ही आपको सुनिश्चित समय-अंतराल के साथ, सुनिश्चित लक्ष्यों की भी जानकारी होनी चाहिए। आपकी वचनबद्धता के स्तर, उत्साह व प्रेरणा में मेल होना भी जरूरी है। बड़े लक्ष्य पाने हैं तो बड़े कदम उठाने होंगे। आपके भीतर पथ में आने वाली हर बाधा पर हावी होने, उसका सामना करने व उस पर विजय पाने का साहस होना चाहिए।

पराजितों से दूर रहें

ऊंचाइयों पर रहने का एक तरीका यह भी है कि आप पराजित व नकारात्मक लोगों का साथ छोड़ दें, क्योंकि वे हमेशा यही बताने की कोशिश में रहते हैं कि आप कोई काम क्यों नहीं कर सकते या अपने लक्ष्य क्यों नहीं पा सकते। इन पराजितों के दल का हिस्सा न बनें, क्योंकि इनमें से कुछ को बदल पाना नामुमकिन होता है। यदि आप उनके साथ रहेंगे तो नकारात्मकता की चपेट में आते देर नहीं लगेगी।

प्रेरणा का स्रोत ऊंचा रखें

प्रेरणा का स्तर इतना ऊंचा हो कि आप हमेशा एक से दूसरे लक्ष्य तक जाने के लिए प्रेरित रहें। आपको अहसास हो कि सफलता की राह में अड़चनें भी होती हैं और आप उन बाधाओं व अड़चनों के बावजूद यात्रा को अधूरा नहीं छोड़ने वाले।

केवल आज में ही जिएं

प्रसन्न रहने का एक तरीका यह भी है कि बीते दिन की बुरी यादों को साथ न लाएं और न ही आने वाले कल की चिंता करें। प्रायः हम जिस दुर्भाग्य की कल्पना कर लेते हैं, वह घटित नहीं होती। यदि कोई संकट या परेशानी सामने आ भी जाए तो याद रखें कि वह भी बीत जाएगी। दिमाग में किसी भी चिंता का बोझ न डालें। हम आज का भार तो सह सकते हैं, किंतु कल व आने वाले कल की परेशानी का भार नहीं सह सकते। मनुष्य का स्वभाव भी बड़ा विचित्र होता है, वह एक शेर को तो चकमा दे सकता है, लेकिन किसी मच्छर या मक्खी को नहीं उड़ा पाता। ऊंचाई पर रहने का सबसे बेहतर तरीका यही है कि आने वाले कल की उन चिंताओं पर विचार न करें, जो संभवतः कभी घटित ही न हों। मिशेल डी मोंइज ने कहा है- ''मेरा जीवन ऐसे भयानक दुर्भाग्यों से भरपूर रहा है, जिनमें से ज्यादातर ऐसे हैं, जो कभी घटित ही नहीं हुए।

कम्युनिकेशन पर दें अधिक ध्यान

थैंक्यू... प्लीज... आई एम सॉरी... इनका प्रयोग अक्सर कम्युनिकेशन के दौरान होता है। कम्युनिकेशन अपने आप में काफी बड़ा, विस्तृत और आकर्षक विषय है। समाज में विभिन्न स्तरों पर संवाद की जरूरत और किस प्रकार का संवाद होना चाहिए, इस पर कई बातें निर्भर करती हैं।

कॉर्पोरेट वर्ल्ड में भी कम्युनिकेशन पर काफी ध्यान दिया जाता है। कम्युनिकेशन में सकारात्मकता आपको घर से लेकर आपके ऑफिस में सहायक सिद्ध होगी। घर पर अगर आप परिवार के किसी सदस्य के साथ बातचीत कर रहे हैं और उसमें कोई बात आपको अच्छी नहीं लगी तब आप तत्काल उस पर प्रतिक्रिया देते हैं और टोक देते हैं। खासतौर पर जब बात युवा साथी की हो तब उसे टोकना जरूरी भी है ताकि वह अपने कम्युनिकेशन में बदलाव लाए, पर यहां भी बात सकारात्मकता की लागू होती है। अगर आपने डांट कर अपनी बात मनाने के लिए कोई बात कही तब कुछ भी नहीं होने वाला और हो सकता है कि अगली बार आप संवाद स्थापित करने का मौका ही छोड़ दे। अगर बात कॉर्पोरेट वर्ल्ड की है तब कार्यालयों में यह देखा जाता है, अगर कोई कर्मचारी समय पर नहीं आता है तब छुट्टी से लेकर नोटिस देने जैसे कितने ही कार्य होते हैं। एक कंपनी में तो देरी से आने वाले को सभी स्टॉफ के सामने डांटने जैसी परंपरा ही थी, परंतु इससे क्या व्यवस्थाओं में परिवर्तन लाया जा सकता है क्या? या फिर कम्युनिकेशन इसमें किस तरह का हो सकता है, इस बारे में विचार किया जाए। पॉजिटिव कम्युनिकेशन की बात की जाए तब कार्यालय में देरी से आने वाले कर्मचारी को इस बात के लिए प्रेरित किया जाए कि चलिए आज कोई समस्या होगी बावजूद इसके आप थोड़ा ही देर से आए। आप कल और जल्दी आ सकते हैं। हो सकता है कि इससे कर्मचारी के मन पर थोड़ा असर पड़े और वह जल्दी आने के लिए प्रेरित हो, जबकि दूसरी ओर अगर आपने उसे डांटा है तब उसका नकारात्मक असर ही पड़ेगा। वह ऑफिस में जल्दी जरूरी आएगा, पर अपना आउटपुट जैसा चाहिए वैसा नहीं देगा। घर पर भी युवाओं या किशोरों से बातचीत के दौरान या सामान्य रूप से बातचीत के दौरान भी अगर आप किसी विवाद को समाप्त करना चाहते हैं तब बातचीत की शुरुआत जिन मुद्दों पर असहमति है उनसे न करके जिन बातों पर सहमति है, उससे करेंगे तब बात बनेगी जरूर। कॉर्पोरेट वर्ल्ड में किसी भी उत्पाद या किसी अन्य कंपनी से डील करते वक्त इस बात का ध्यान रखा जाता है।

दोनों साझा रूप से किन बातों पर सहमत हैं। एक बार हां की मुहर लग जाने के बाद अन्य बातें करने में आसानी हो जाती है। थैंक्यू... प्लीज... आई एम सॉरी का उपयोग कहां, कब और कितना करना यह भी जानना जरूरी है। कॉर्पोरेट वर्ल्ड में भावनाओं की कद्र थोड़ी कम ही होती है और खासतौर पर सेल्स के क्षेत्र में कंपनियों को टारगेट पूर्ण होने से मतलब होता है ।

इस कारण सॉरी की बात ही न कहें, बल्कि तर्क के सहारे अपनी बात रखें। जब घर की बात हो तब यही सॉरी सबकुछ हो जाता है। माता-पिता के सामने अगर आपने गलत बात बोल दी है और आपको सही मायने में पछतावा हो रहा है तब एक सॉरी से काफी बात बन सकती है, पर ऐसा नहीं है कि आप बार-बार सॉरी कहते रहें और गलतियां करते रहें।